रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, गुरुवार 25 जूलाई 2024, वर्ष 10, अंक 198 पृष्ठ 12, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

" द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड " के बीच ताज होटल निर्माण हेतू एमओयू पर हस्ताक्षर

रांची। राज्य में एक ऐसी व्यवस्था खड़ा करना चाहते हैं, जहां सभी की भागीदारी से झारखंड को एक नई पहचान दे सकें। इसके लिए सरकार गठन के साथ ही आंतरिक संसाधनों का बेहतर से बेहतर सदुपयोग और यहां की प्रतिभाओं को तराशने के लिए एक-एक कड़ी को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि राज्य में विकास का नया आयाम दे सकें। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन आज झारखंड मंत्रालय सभागार में नगर विकास एवं आवास विभाग तथा द टाटा इंटरप्राइजेज की अनुषंगी इकाई " द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड " के बीच ताज होटल निर्माण हेतू एमओयू को लेकर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इसके लिए लंबे समय से प्रयास जारी था, जो अब साकार हो रहा है। आज का दिन काफी ऐतिहासिक और सुखद अनुभव देने वाला है। इस सुखद अनुभव में और भी इज़ाफ़ा उस वक्त होगा जब ताज होटल राज्यवासियों को समर्पित किया जाएगा। ताज होटल के स्थापित होने से पर्यटन विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे झारखंड को वैश्विक पहचान मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड को खनिज संसाधनों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है, लेकिन यहां खनिज के अलावे अन्य कई संसाधन हैं, जो इस राज्य को आगे ले जाने के लिए काफी है। लेकिन, शायद नीतियां ऐसी नहीं बनी जो इन संसाधनों के जरिए झारखंड में विकास को गति दे सके। इस बात का हमें शुरू से अफसोस रहा है, लेकिन अब सरकार इससे आगे बढ़कर राज्य को नई दिशा देने के लिए पूरी ताकत के साथ कार्य कर रही है और उसके उत्साहवर्धक परिणाम देखने को भी मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार की खातिर झारखंड से बड़ी संख्या में लोगों का पलायन देश और विदेश के लिए होता है। अगर कोई बेहतर रोजगार और बेहतर जीवन के लिए बाहर जाता है तो इसमें कोई बुराई नहीं है । लेकिन मैं बताना चाहता हूं कि अगर इस राज्य में रोजगार से संबंधित नीतियों को बेहतर तरीके से बनाकर अमल में लाया जाए तो यहां से युवाओं को रोजगार के लिए पलायन करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हमारी सरकार अपने ही राज्य में युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

दूसरे राज्यों और देश के बेहतर चीजों को ग्रहण करना चाहिए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं अक्सर सरकारी कार्यक्रमों और निजी वजह से भी अन्य राज्यों का भ्रमण करता रहता हूं । वहां कई कार्यक्रमों और गतिविधियों में भी शामिल होता हूं। वहां काफी कुछ जानने- समझने का मौका मिलता है । मेरा मानना है कि दूसरों की अगर अच्छी चीज हमारी व्यवस्था के लिए बेहतर होगी तो उसे जरूर ग्रहण करना चाहिए। इससे राज्य और राज्यवासियों बेहतर व्यवस्था देने और आगे ले जाने का राह प्रशस्त होगा।

टाटा समूह के साथ झारखंड का रिश्ता काफी पुराना है मुख्यमंत्री ने कहा कि टाटा समूह के साथ झारखंड का रिश्ता काफी पुराना है। इस रिश्ते के 100 वर्ष से ज्यादा हो चुके हैं। इस दौरान टाटा समूह ने औद्योगिक और अन्य माध्यमों से झारखंड के विकास में अहम रोल निभाती आ रही है। इस रिश्ते को हम और भी मजबूत कर सकते हैं, जब राज्य के लोगों के साथ भी इस रिश्ते को और मजबूत कर सकें । मैं वर्षों पुराने इस रिश्ते को लेकर टाटा समूह से पूरे अधिकार से कर सकता हूं कि वह राज्य की जनता के हितों को प्राथमिकता दें। टाटा समूह भी इस बात से भली- भांति वाकफि है और वह इसमें पूरा सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि टाटा समूह की कई इकाईयां यहां वर्षों से स्थापित है। इन इकाइयों और प्रतिष्ठानों में लाखों लोगों को रोजगार मिला हुआ है। यह समूह यहां कई और उद्यम स्थापित करने के लिए आगे आ रहा है। ऐसे में राज्य सरकार इस समूह के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है। हम सभी की भागीदारी से झारखंड को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाने में कामयाब होंगे।

देश को आगे बढ़ाने में झारखंड का अहम योगदान मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह देश को आगे बढ़ाने में टाटा का है । उसी तरह

झारखंड के बिना भी देश आगे नहीं बढ़ सकता है। झारखंड अगर अपने हाथ रोक ले तो देश की अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव देखने को मिल सकता है। लेकिन हमारी सरकार सभी के साथ देश को आगे ले जाने की सोच रखती है और इसमें यह राज्य पूरा योगदान दे रही है।

कई अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का शानदार और सफल आयोजन हुआ मुख्यमंत्री ने कहा कि सीमित संसाधनों के बीच झारखंड में कई अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं का शानदार और सफल आयोजन हुआ। इस आयोजन को देश-दुनिया में सराहना मिली। भविष्य में भी ऐसी कई प्रतियोगिताएं आयोजित होनी है। ऐसे में ताज होटल के यहां स्थापित होने से हम अपने प्रतिभागियों को और भी बेहतर व्यवस्था और सुविधा दे सकेंगे।

इस कार्यक्रम में नगर विकास एवं आवास विभाग मंत्री हफीजुल हसन, मुख्य सचिव एल०खियांग्ते, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अरवा राजकमल, टाटा स्टील के सीईओ एवं एमडी टी वी नरेंद्रन, आईएचसीएल के सीनियर वाईस प्रेसिडेंट (ऑपरेशन्स) के मोहन चंद्रन, वाईस प्रेसीडेंट (डेवलपमेंट) अनिका गुप्ता एवं वाईस प्रेसिडेंट, कॉरपोरेट अफेयर्स, टाटा स्टील चाणक्य चौधरी मौजूद थे।

माता जी तो बोलने में एक्सपर्ट हैं.. धनखड़ बोले- वो तो बेटी के बराबर, खरगे के बयान पर मुस्कुरा उठीं निर्मला

राज्यसभा में आज विपक्षी दलों ने बजट में भेदभाव का आरोप लगाते हुए जमकर हंगामा किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तो इसको लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि ये बजट सरकार बचाने वाला है।

नई दिल्ली: बजट 2024 पर चर्चा के दौरान राज्यभा में आज कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और सभापति जगदीप धनखड़ के बीच फिर रोचक नोकझोंक दिखी। दरअसल, बहस पर चर्चा के दौरान खरगे बोल रहे थे उन्होंने कहा कि इस बार के बजट में केवल दो राज्यों को ही सरकार ने दिया है बाकी किसी राज्य को कुछ नहीं मिला है। इसी दौरान जब सभापति ने कहा कि वित्त मंत्री आपके सवाल का जवाब देंगी तो खरगे ने निर्मला को माता जी कह दिया। बीच में धनखड़ ने कहा कि वित्त मंत्री आपके सवाल का जवाब देंगी तो खरगे ने कहा कि वो तो मात जी हैं। बोलने में एक्सपर्ट हैं वो तो बोल ही देंगी। इसपर तो सभापति खरगे ने उन्हें बीच में रोकते हुए कहा कि वो तो आपकी बेटी के बराबर हैं। इसपर खरगे ने कहा कि वो तो अपनी बात कह रहे हैं। **खूब बरसे खरगे** खरगे ने राज्यसभा में कहा कि किसी राज्य को कुछ नहीं मिला है। सबके थाली खाली है। दो के थाली में पकौड़ा और जलेबी दी गई है। दो को छोड़कर किसी को कुछ नहीं मिला। ना तमिलनाडु को मिला, ना केरल को मिला ना कर्नाटक को मिला ना महाराष्ट्र को मिला ना पंजाब, ना हरियाणा, ना छत्तीसगढ़ किसी भी राज्य को कुछ नहीं दिल्ली को नहीं दिया ओडिशा को कुछ नहीं दिया। ऐसा बजट मैं कभी नहीं देखा ये सिर्फ किसी को खुश करने के लिए कुर्सी बचाने के लिए हुआ है। इसकी हम निंदा करते हैं और इस ढंग से बजट पेश अगर होगा तो कैसा होगा। मेरी अपेक्षा थी सबसे ज्यादा मुझे ही मिलेगा हम इसका विरोध करते हैं। इंडिया पार्टी अलायंस इसका विरोध करते हैं। गौरतलब है कि बजट का विपक्षी इंडिया गठबंधन जोरदार विरोध कर रहा है। लोकसभा में भी विपक्षी सांसदों ने जमकर हंगामा किया। संसद परिसर में भी विपक्षी सांसदों ने बजट के विरोध में प्रदर्शन किया।

राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने उच्च सदन में कार्य निलंबन नोटिस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की

नई दिल्ली। राज्यसभा में सांसदों द्वारा नियम 267 के तहत दिए गए कार्य स्थगन नोटिस पर सदन के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राजनीतिक दलों के नेताओं को इस मुद्दे पर विचार करने की आवश्यकता है।

सभापति धनखड़ ने कहा कि मैं दोहराता हूं कि राजनीतिक दलों के नेताओं को इस मुद्दे पर विचार करने की आवश्यकता है, क्योंकि यह सदन की प्रत्येक बैठक में एक नियमित दैनिक मामला बनता जा रहा है। मैंने पहले ही संकेत दिया था कि पिछले 36 वर्षों में इस तंत्र को केवल छह अवसरों पर ही अनुमति दी गई है। केवल असाधारण परिस्थितियों में ही इसकी अनुमति दी जा सकती है।

उन्होंने कहा कि मुझे यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि सदन की निर्धारित कार्यवाही को स्थगित करने की मांग करना वास्तव में एक बहुत ही गंभीर मामला है। आज दायर किए गए नोटिस इस संबंध में सभापति द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप नहीं हैं और उन्हें स्वीकार नहीं किया गया है। धनखड़ ने कहा कि तीन दशकों से अधिक समय में नियम 267 का उपयोग केवल छह अवसरों पर किया गया है और बैठक के प्रत्येक दिन मुझे ऐसे कई

अनुरोध मिलते हैं। इसे एक रूटीन एक्सरसाइज़, एक आदत की तरह लिया जा रहा है। यह एक हास्यास्पद अभ्यास बनकर रह गया है। कल की मेरी गंभीर टिप्पणियों के बावजूद, जब कोई ध्यान नहीं दिया गया, तो मैंने इसे फिर से आपके पोर्टल पर अपलोड कर दिया है।

एंटी पेपर लीक विधेयक पास, गुनहगारों को बड़ी सजा

पटना *: बिहार विधानसभा में एंटी पेपर लीक विधेयक पास हो गया। पेपर लीक केस में शामिल गुनहगारों पर नॉन बेलेवल धारायें लगाई जायेंगी। वहीं, गुनहगारों को 3 से 10 साल तक की सजा हो सकती है। वहीं, 10 लाख से 1 करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगेगा। यह कानून बिहार सरकार की ओर से ली जाने वाली सारी परीक्षाओं पर लागू होगा। दरअसल, बिहार सरकार पेपर लीक को घोषित करने जा रही है। पेपरलीक करने वालों पर नॉन बेलेवल धाराएं लगेंगी। तीन से लेकर 10 साल तक की सजा होगी और 10 लाख से 1 करोड़ रुपये तक जुर्माना लगेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ नारेबाजी सदन में विशेष राज्य और बढ़े आरक्षण को लेकर खूब हंगामा हुआ। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की गई। हंगामे को देखते हुये सदन की कार्यवाही दोपहर बाद दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विधानसभा अध्यक्ष नंद किशोर यादव ने विपक्षी विधायकों को सदन की कार्यवाही देखने आये बच्चों के सामने इज्जत बनाये रखने की दुहाई देते हुए टोका, लेकिन बात नहीं बनी। अध्यक्ष ने कहा कि अपनी इज्जत बचाइये, बच्चे आपके बारे में क्या राय लेकर जाएंगे? लेकिन, इसपर भी बात नहीं बनी। बीते मंगलवार को सरकार ने तीन बिल*

पेश किया। नगरपालिका विधेयक संशोधन बिल-2024, बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग (संशोधन) विधेयक-2024, बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (संशोधन) विधेयक-2024 को पास करा लिया गया।

नेपाल में विमान क्यों बन जाते हैं आग का गोला, उड़ानों के लिए क्यों खतरनाक देश है नेपाल

नेपाल में त्रिभुवन एयरपोर्ट पर हुए हादसे की वजह के बारे में शुरुआती जानकारी सामने आ रही है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि काठमांडू से पोखरा की ओर जाने वाले इस विमान ने गलत मोड़ ले लिया था। एयरपोर्ट चीफ जगन्नाथ निरौला ने कहा कि उड़ान भरते ही विमान दायीं तरफ मुड़ गया, जबकि इसे बायीं ओर मुड़ना था। हादसे की वजह के बारे में पूरी जांच के बाद पता चल सकेगा। हादसा उड़ान भरने के एक मिनट के अंदर ही हो गया। नेपाल में बार-बार हो रहे विमान हादसों के बारे में समझते हैं।

नई दिल्ली*। नेपाल की राजधानी काठमांडू में एक विमान क्रैश हो गया है। प्लेन में सवार 19 लोगों में से 18 की मौत हो गई है। वहीं घायल पायलट कैप्टन एम. शाक्य को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह प्लेन काठमांडू से पोखरा जाने वाला था, जब यह हादसा हुआ। दरअसल, प्लेन ने सुबह करीब 11 बजे त्रिभुवन एयरपोर्ट से उड़ान भरी। इसके कुछ ही देर के अंदर यह क्रैश हो गया। 9N-AME प्लेन सौर्य एयरलाइंस का था। हादसे में मारे गए लोगों में से 17 सौर्य एयरलाइंस के ही स्टाफ थे, जबकि बाकी 2 क्रू मेंबर्स थे। बताया जा रहा है कि जो विमान क्रैश हुआ है, वह 21 साल पुराना था। हादसे के तुरंत बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। घटनास्थल से सामने आई तस्वीरों में धुएं का गुबार उठता दिख रहा है। हालांकि, हादसा किस वजह से हुआ इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आई है। इसी तरह का एक हादसा इसी साल मई में भी हुआ था, जब ऐसे ही विमान हादसे में 22 लोग मारे गए थे। 1992 में नेपाल में अब तक का सबसे भीषण विमान हादसा हुआ था, जिसमें 167 लोग मारे गए थे। आइए- हादसों की वजह समझते हैं। **30-40 साल पुराने विमानों से ही चलाया जा रहा है काम** हिमालयन टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल में जितने भी एयरपोर्ट हैं, वो ज्यादातर पहाड़ों से घिरे हैं। इसके अलावा, 30-40 साल से ज्यादा पुराने विमानों को ही अब तक उड़ाया जा रहा है, जो हादसों की बड़ी वजह है। जनवरी, 2023 में जो विमान हादसा हुआ था, वो 42 साल पुराना था। साथ ही खराब नियमन भी उड़ान के लिए नेपाल को सबसे खतरनाक देश बनाता है। **खूबसूरत पहाड़ बन जाते हैं मौत का सफर** नेपाल चारों ओर हिमालय के खूबसूरत पहाड़ों से घिरा हुआ है। ज्यादातर एयरपोर्ट पहाड़ों के बीच घाटियों में बनाए गए हैं। इन्हीं संकरी घाटियों की वजह से यहां से आने-जाने वाले विमानों को टर्न लेने में कठिनाई होती है। खुद त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट जो देश की राजधानी काठमांडू में स्थित है, वो भी हिमालय के पहाड़ों से घिरा हुआ है। नेपाल के सिविल एविएशन अथॉरिटी की 2019 की सेफ्टी रिपोर्ट के मुताबिक देश की खतरनाक भौगोलिक स्थिति भी पायलटों के सामने बड़ी चुनौती होती है। जिस त्रिभुवन एयरपोर्ट पर यह हादसा हुआ, वहां एक ही रनवे है। यह एयर ट्रैफिक कंट्रोल करने में काफी मुश्किल आती है। इसकी लंबाई भी कम है। यह एयरपोर्ट महज 3000 मीटर के दायरे में फैला हुआ है, वहीं नेपाल के दूसरे एयरपोर्ट का भी दायरा 3500 मीटर ही है। इसके चारों ओर पहाड़ होने के नाते यहां पर टेकऑफ में काफी वक्त लग जाता है। इस हादसे में यही हुआ होगा, ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है। तेनजिंग-हिलेरी एयरपोर्ट सबसे ज्यादा खतरनाक नेपाल के तेनजिंग-हिलेरी एयरपोर्ट को दुनिया के सबसे खतरनाक एयरपोर्ट में से एक माना जाता है। इसे लुक्ला एयरपोर्ट भी कहते हैं। नेपाल में लगभग 3 करोड़ लोग रहते हैं। यहां दुनिया के 14 सबसे ऊंचे पहाड़ों में से माउंट एवरेस्ट समेत 8 स्थित हैं। रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल का एकमात्र इंटरनेशनल एयरपोर्ट समुद्र तल से 1,338 मीटर ऊपर एक संकरी घाटी में है, इस वजह से विमानों को मुड़ने के लिए काफी तंग जगह मिलती है। यह एयरपोर्ट एवरेस्ट का प्रवेशद्वार भी कहा जाता है। एयरपोर्ट के रनवे को पहाड़ों के बीच एक चट्टान को काटकर बनाया गया है। लुक्ला हवाई अड्डे के रनवे के एक छोर पर विशालकाय पहाड़ तो दूसरे छोर पर खाई है। ऐसे में सिर्फ अल्ट्रा ट्रेंड पायलटों को ही इस हवाई अड्डे पर विमान उतारने और उड़ान भरने की इजाजत है। पहाड़ों से घिरे होने के नाते नेपाल में मौसम तेजी से बदलता है, जो विमानों की उड़ान को काफी खतरनाक बनाता है। पल-पल बदलते मौसम के कारण पायलटों को विमान को नेविगेट करना मुश्किल हो जाता है। वो भी तब, जब मौसम अचानक बदल जाए और सामने कुछ भी दिखाई न दे। बर्फबारी और बारिश से रनवे काफी फिसलन भरा और खतरनाक हो जाता है।

नेपाल एयरपोर्ट पर बेहतर रडार न होना अहम वजह *नेपाल में विमान क्रैश होने की कई बड़ी वजहों में से एक बेहतर रडार तकनीक का न होना भी रहा है। इस वजह से पायलटों को दुर्गम इलाके और मुश्किल मौसम में सही जानकारी नहीं हो पाती। पुराने विमानों में मॉडर्न वेदर रडार नहीं होते हैं। इस वजह से पायलट को रियल टाइम में मौसम की जानकारी नहीं मिल पाती है।*

एयरपोर्ट और विमान स्टाफ का ट्रेंड न होना *नेपाल में एयरपोर्ट स्टाफ और क्रू मेंबर हाईली ट्रेंड नहीं होते हैं। वहां पर वर्कफोर्स की भी कमी होती है। इससे कुछ स्टाफ को नियमित ड्यूटी के अलावा भी कई घंटों तक काम करना पड़ता है। इससे काम की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। इसके अलावा, वेतन और भत्तों को लेकर भी कई तरह की असमानताएं होती हैं।*

नेपाली विमानन घूसखोरी में फंसा, यूरोप में पाबंदी *नेपाल के खराब एविएशन रिकॉर्ड की वजह से यूरोपीय कमीशन ने नेपाली एयरलाइंस पर 28 देशों के ब्लॉक में उड़ान भरने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा रखा है। नेपाल की एविएशन अथॉरिटी भ्रष्टाचार के आरोपों से भी घिरी हुई है। 2019 में यूरोपीय एयरोस्पेस कंपनी एयरबस ने नेपाल एयरलाइंस कॉर्पोरेशन के लिए दो संकरी बॉडी वाले एयरबस A320 जेट डील के लिए नेपाली बिजनेसमैन और अधिकारियों को करीब 3 करोड़ रुपए की घूस दी थी।*

बजट में NPS 'वात्सल्य' स्कीम का ऐलान:10,000 की SIP में 63 लाख का फंड बनेगा; मुद्रा

नई दिल्ली *वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में NPS 'वात्सल्य' स्कीम का ऐलान किया। प्राइवेट सेक्टर में एम्प्लॉयर्स के लिए NPS कॉन्ट्रीब्यूशन लिमिट एम्प्लॉई की बेसिक सैलरी के 10% से बढ़ाकर 14% भी कर दी है। इसके अलावा मुद्रा लोन की लिमिट 20 लाख हो गई है। 1. NPS 'वात्सल्य' स्कीम, माता-पिता कर सकते हैं बच्चों की पेंशन का इंतजाम NPS वात्सल्य को बच्चों के बड़े होने पर उनकी फाइनेंशियल सिक्योरिटी एन्श्योर करने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस स्कीम में माता-पिता बच्चों की ओर से निवेश कर सकते हैं। बालिग होने पर अकाउंट रेगुलर NPS में बदल जाएगा। बच्चे के 18 साल के होने पर इस स्कीम को नॉन-NPS स्कीम में भी बदला जा सकता है। रेगुलर NPS स्कीम रिटायरमेंट फंड बनाने में मदद करती है। ज्यादा रिटर्न के लिए NPS कॉन्ट्रीब्यूशन को स्टॉक और बॉन्ड जैसे बाजार से जुड़े इंस्ट्रूमेंट में इन्वेस्ट किया जाता है। मान लीजिए कि आपका बच्चा 3 साल का है। इस स्कीम में अगर आप 10,000 रुपए की SIP करते हैं तो बच्चे के 18 साल का होने पर करीब 63 लाख रुपए का फंड जमा हो सकता है..* ***2004 में शुरू हुआ था NPS, इसमें रिटायरमेंट पर रेगुलर इनकम*** *NPS को भारत के सभी नागरिकों को रिटायरमेंट इनकम देने के लिए 2004 में शुरू किया गया था। इसे पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) रेगुलेट करता है।*

सब्सक्राइबर्स अपने हिसाब से इक्विटी, कॉरपोरेट बॉन्ड, गवर्नमेंट बॉन्ड के बीच फंड एलोकेशन चुन सकते हैं। ऑटो-चॉइस लाइफसाइकल फंड चुनने का भी ऑप्शन है। रिटायरमेंट पर, कॉर्पस के एक हिस्से का इस्तेमाल एन्यूटी खरीदने के लिए होता है। इनकम टैक्स एक्ट 80C और 80CCD(1B) के तहत कटौती का फायदा भी मिलता है। ***दो तरह के NPS अकाउंट, बैंक से ले सकते हैं*** *NPS में दो तरह के अकाउंट मिलते हैं। टियर I अकाउंट में विड्रॉल पर प्रतिबंध है और मिनिमम इन्वेस्टमेंट 500 रुपए है। जबकि टियर II अकाउंट में लिक्विडिटी की सुविधा मिलती है। इसका मिनिमम कॉन्ट्रीब्यूशन 1,000 रुपए है। इसे बैंक के जरिए लिया जा सकता है। प्राइवेट सेक्टर में एम्प्लॉयर्स के लिए NPS कॉन्ट्रीब्यूशन लिमिट एम्प्लॉई की बेसिक सैलरी के 10% से बढ़ाकर 14% कर दी गई है।*

315 करोड़ की लागत से हरमू फ्लाईओवर का निकला टेंडर, सितंबर तक हो जायेगा फाइनल

रांची *: हरमू फ्लाईओवर निर्माण के लिए टेंडर जारी कर दिया गया है. 315 करोड़ की लागत से इसका निर्माण कराया जायेगा. वहीं, जमीन अधिग्रहण व यूटिलिटी शिफ्टिंग की लागत अलग से रखी गयी है।**

सीएम हेमन्त सोरेन ने भगवान बिरसा मुण्डा स्मृति पार्क का विधिवत उद्घाटन किया

रांची*। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने भगवान बिरसा मुण्डा स्मृति पार्क, रांची में निर्मित बिलियन इंप्रेशंस 'BILLION IMPRESSIONS' का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर नगर विकास एवं आवास विभाग के मंत्री हफीजुल हसन, अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री दीपक बिरुआ, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अरवा राजकमल, सीईओ-सह-प्रबंध निदेशक टाटा स्टील टी० वी० नरेन्द्रन सहित राज्य सरकार एवं टाटा स्टील के अन्य वरीय पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।*

निर्मला के बजट से बीजेपी को मिलेगी धार, क्या वापस लौटेगा खोया जनाधार?

नई दिल्ली: 2024 के चुनावी रण में जिस तरह से बीजेपी बहुमत से दूर रह गई, उसका असर मोदी 3.0 बजट में स्पष्ट तौर पर नजर आया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को नई सरकार का पहला बजट पेश किया। इस बजट में उन्होंने युवाओं और महिलाओं को साधने को कोशिश की। यही नहीं रोजगार का मुद्दा 2024 लोकसभा चुनाव में प्रमुखता से उठाया गया। इस पर भी वित्त मंत्री ने अहम ऐलान किया। बजट का उद्देश्य रोजगार सृजन को बढ़ावा देना, निवेश को आकर्षित करना और समग्र आर्थिक विकास को रफ्तार देना माना जा रहा। इस बार के बजट में बुनियादी ढांचे, MSME और ग्रामीण विकास जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर फोकस किया गया है।

पारंपरिक कौशल से समृद्ध है झारखंड, इसे प्रोत्साहित करने की जरूरत

केंद्रीय कौशल विकास मंत्री से मिले संजय सेठ रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने नई दिल्ली में केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयन्त चौधरी से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान सेठ ने रांची सहित पूरे झारखंड में चल रही कौशल विकास की परियोजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि रांची सहित झारखंड में आदिवासी बहुल कई क्षेत्र हैं। कई समूह हैं, जिनके पास पारंपरिक कौशल है। इस मामले में झारखंड बहुत समृद्ध राज्य है। उस कौशल का व्यापक उपयोग हो। उसे स्वरोजगार से जोड़ा जाए, इस दिशा में काम करने की आवश्यकता है। सेठ ने केंद्रीय मंत्री को यह भी सुझाव दिया की झारखंड की कई विधाओं को हम कौशल विकास से जोड़ सकते हैं। प्रशिक्षण के माध्यम से नई पीढ़ी को हुनरमंद बना सकते हैं। इसके साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री को रांची में राज्य स्तरीय कौशल महोत्सव आयोजित करने का सुझाव दिया। ताकि इस क्षेत्र के प्रति भी लोगों का रुझान बड़े। इस दौरान कौशल विकास हेतु जनजागरुकता के किए विशेष कौशल रथ का शुभारंभ करने से संबंधित विषय पर सकारात्मक चर्चा हुई।

ताज होटल से पर्यटन विकास को बढ़ावा के साथ झारखंड को मिलेगी वैश्विक पहचानः हेमंत सोरेन

नगर विकास एवं आवास विभाग तथा द टाटा इंटरप्राइजेज की अनुषंगी इकाई " द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड " के बीच ताज होटल निर्माण हेतू एमओयू पर हस्ताक्षर।

रांचीः राज्य में एक ऐसी व्यवस्था खड़ा करना चाहते हैं, जहां सभी की भागीदारी से झारखंड को एक नई पहचान दे सकें। इसके लिए सरकार गठन के साथ ही आंतरिक संसाधनों का बेहतर से बेहतर सदुपयोग और यहां की प्रतिभाओं को तराशने के लिए एक-एक कड़ी को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि राज्य में विकास का नया आयाम दे सकें। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन आज झारखंड मंत्रालय सभागार में नगर विकास एवं आवास विभाग तथा द टाटा इंटरप्राइजेज की अनुषंगी इकाई " द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड " के बीच ताज होटल निर्माण हेतू एमओयू को लेकर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इसके लिए लंबे समय से प्रयास जारी था, जो अब साकार हो रहा है। आज का दिन काफी ऐतिहासिक और सुखद अनुभव देने वाला है। इस सुखद अनुभव में और भी इज़ाफ़ा उस वक्त होगा जब ताज होटल राज्यवासियों को समर्पित किया जाएगा। ताज होटल के स्थापित होने से पर्यटन विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे झारखंड को वैश्विक पहचान मिलेगी।

सिर्फखनिजनहीं,अन्यसंसाधनोंसेभीधनीहैझारखंड

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड को खनिज संसाधनों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है, लेकिन यहां खनिज के अलावे अन्य कई संसाधन हैं, जो इस राज्य को आगे ले जाने के लिए काफी है। लेकिन, शायद नीतियां ऐसी नहीं बनी जो इन संसाधनों के जरिए झारखंड में विकास को गति दे सके। इस बात का हमें शुरू से अफसोस रहा है, लेकिन अब सरकार इससे आगे बढ़कर राज्य को नई दिशा देने के लिए पूरी ताकत के साथ कार्य कर रही है और उसके उत्साहवर्धक परिणाम देखने को भी मिल रहे हैं।

दूसरे राज्यों और देश के बेहतर चीजों को ग्रहण करना चाहिए मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं अक्सर सरकारी कार्यक्रमों और निजी वजह से भी अन्य राज्यों का भ्रमण करता रहता हूं । वहां कई कार्यक्रमों और गतिविधियों में भी शामिल होता हूं। वहां काफी कुछ जानने- समझने का मौका मिलता है।

मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत 25 को मतदाता सूची के प्रारुप का प्रकाशन किया जायेगा

मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के तहत 25.07.2024 को मतदाता सूची के प्रारुप का प्रकाशन किया जायेगा। इसी दिन से मतदाता सत्यापन अभियान #NaamJancho की शुरुआत हो रही है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सचिव, झारखण्ड श्री के रवि कुमार के निदेशानुसार आगामी विधानसभा चुनाव में मतदाताओं को जागरुक करने के लिए पूरे राज्य में #NaamJancho अभियान की शुरुआत की जा रही है।

#NaamJancho अभियान का हिस्सा बनें और सोशल मीडिया में पोस्ट करें अपने फोटो/वीडियो/रील सभी योग्य नागरिकों से वोटर लिस्ट में अपना नाम चेक करते हुए सोशल मीडिया पर फोटो/वीडियो/रील पोस्ट करने की अपील की गयी है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी, रांची श्री राहुल कुमार सिन्हा ने 25.07.204 को जिले वासियों से अपना नाम वोटर लिस्ट में चेक करते हुए दोपहर 12:00 बजे से 01:00 के बीच सोशल मीडिया पर #NaamJancho के साथ फोटो/वीडियो/रील पोस्ट करने की अपील की है। बूथ पर वोटर लिस्ट के साथ मौजूद रहेंगे बीएलओ

#NaamJancho अभियान दिवस (दिनांक 25.07.2024) को सभी बूथों पर मतदाता सूची के प्रारुप का प्रकाशन किया जायेगा। सभी बूथों पर बीएलओ प्रकाशित प्रारुप के साथ मौजूद रहेंगे, नागरिक बूथ पर प्रकाशित प्रारुप में अपना नाम जांच सकते हैं।

ऑनलाइन ऐसे चेक करें वोटर लिस्ट में अपना नामऑनलाइन माध्यम से भी वोटर लिस्ट में नाम जांचा जा सकता है। Voter Helpline App या मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखण्ड का बेवसाइट https://ceo.jharkhand.gov.in या Voters Service Portal (https://voters.eci.gov.in/) के माध्यम से मतदाता वोटर लिस्ट में अपना नाम चेक कर सकते हैं।

मोरारी बापू ने '12 ज्योतिर्लिंग राम कथा यात्रा' पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म और किताबें रिलीज़ की

देवघरः देश के जानेमाने आध्यात्मिक गुरु व राम कथावाचक मोरारी बापू ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर दो बेहतरीन पुस्तकों तथा एक मनोरम डॉक्यूमेंट्री फिल्म को रिलीज़ किया। आध्यात्मिक अंतर्दृष्टि और व्यक्तिगत अनुभवों से बनाई गई यह फिल्म तथा पुस्तकें लोगों को मंत्रमुग्ध करने के साथ - साथ प्रेरणा देने का यकीन दिलाती हैं।

बापू ने फिल्म और किताबों के लॉन्च पर बेहद खुशी जताई और शुभ 'योग' की ओर इशारा किया। 21 जुलाई 2024 उनकी फिल्म तथा पुस्तकों के लॉन्च की तारीख 21 जुलाई 2023 की याद दिलाती है, जब तीर्थयात्री इस अविस्मरणीय 12 ज्योतिर्लिंग राम कथा यात्रा को शुरू करने के लिए केदारनाथ पहुंचे थे।

डॉक्यूमेंट्री फिल्मः मोरारी बापू की ट्रेन से '12 ज्योतिर्लिंग राम कथा यात्रा' वर्ष 2023 में जुलाई से अगस्त तक आध्यात्मिक गुरु व राम कथावाचक मोरारी बापू और उनके 1008 अनुयायियों द्वारा की गई 12 ज्योतिर्लिंग राम कथा यात्रा को एक घंटे की डॉक्यूमेंट्री फिल्म में बड़ी ही खूबसूरती से दिखाया गया है। यह फिल्म, जो महीनों से बन रही थी, एक ऐसी समर्पित टीम द्वारा शूट की गई थी, जिसने दो ट्रेनों में से एक पर यात्रा की थी। इसमें यात्रा के लगभग सभी प्रमुख अंशों को साफ- साफ दिखाया गया है, जिसमें भक्तों और स्वयं मोरारी बापू के विचार भी शामिल हैं। इस यादगार आध्यात्मिक यात्रा ने बारह ज्योतिर्लिंगों के अभूतपूर्व मार्ग को कवर किया, जो भगवान शिव को समर्पित सबसे सिद्ध मंदिर हैं। यह यात्रा 18 दिनों तक चली जिसमें 12,000 किलोमीटर तक का

पारंपरिक कौशल से समृद्ध है झारखंड, इसे प्रोत्साहित करने की जरूरत

रांची। बुधवार को युवा आजसू के सदस्यों ने छात्र छात्राओं की परेशानियों को लेकर मारवाड़ी महाविद्यालय में युवा आजसू के विशाल कुमार यादव, निष्ठा अंशु, गुंचा कमर,के नेतृत्व में ताला बंद कर दिया । लगभग 5 घंटे चले इस तालाबंदी में युवा आजसू के सदस्यों छात्र-छात्राओं ने महाविद्यालय प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। तालाबंदी का नेतृत्व कर रहे विशाल कुमार यादव ने कहा की बीकॉम , बीसीए का सेकंड शिफ्ट चालू करने एवं मास कम्युनिकेशन की पढ़ाई प्रारंभ करने के लिए कई बार लिखित में ज्ञापन के माध्यम से मारवाड़ी महाविद्यालय के प्राचार्य को विश्वविद्यालय को प्रपोजल तयार कर भेजने का अनुरोध किया गया लेकिन प्रपोजल अभी तक नही भेजा गया। नई शिक्षा नीति के अनुसार महाविद्यालय में किताबें न के बराबर है जिसके कारण आए दिन छात्र-छात्राओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वही मौके पर मौजूद मारवाड़ी महाविद्यालय युवा आजसू की नेत्री निष्ठा अंशु ने कहा के मारवाड़ी महाविद्यालय के महिला महाविद्यालय की स्थिति दयनीय है छात्र छात्राओं को पीने की पानी की समस्या, वॉशरूम की नियमित साफ सफाई नहीं होती है, इसे लेकर कई बार महाविद्यालय प्रशासन को इससे अवगत कराया जा चुका है लेकिन महाविद्यालय प्रशासन नींद से जागने को तैयार नहीं है इसे लेकर हम सभी ने आज महाविद्यालय में तालाबंदी किया। मौके पर युवा आजसू की नेत्री गुंचा कमर ने कहा के महाविद्यालय में वाई-फाई की व्यवस्था की मांग की गई थी विश्वविद्यालय प्रशासन ने मौखिक तौर पर कहा था की 10 दिनों के अंदर पूरे कैंपस में वाई-फाई की व्यवस्था कर दी जाएगी लेकिन एक महीना बीत जाने के बाद भी महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को वाई-फाई की सुविधा नसीब नहीं हो रही है जिसे लेकर छात्र-छात्राओं में काफी रोश है।

लगभग 5 घंटे चले तालाबंदी के बाद मारवाड़ी महाविद्यालय के डीएसडब्ल्यू तरुण कुमार चक्रवर्ती मौके पर युवा आजसू के सदस्यों से वार्ता के लिए पहुंचे और उन्होंने युवा आजसू के सभी जायज मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया । युवा आजसू के नेता राजेश कुमार ने कहा के छात्र हित में सभी मांगों को महाविद्यालय प्रशासन द्वारा जल्द पूरा किया जाए अन्यथा युवा आजसू महाविद्यालय में फिर से धरना प्रदर्शन आंदोलन के लिए बाध्य होगी। तालाबंदी में मुख्य रूप सेः विशाल कुमार यादव दीपक दुबे, निष्ठा अंशु, गुंचा कमर, मानश्वि जैसवाल, राजेशकुमार , अनमोल , विशाल गुप्ता, मनोज कुमार, के अलावा कई अन्य सदस्य मौजूद थे।

चार अगस्त को बाल कांवड़ यात्रा का होगा आयोजन

रांचीः श्री शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति पहाड़ी मंदिर (मुख्य द्वार) द्वारा बाल कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया है. यह बाल कांवड़ यात्रा 4 अगस्त, रविवार को सुबह 7:00 बजे रातु रोड स्थित रामबिलास पेट्रोल पंप के सामने स्थित हरि ओम मंदिर से आरंभ होगी, जिसमें नन्हे मुन्ने बाल कांवड़िया कांवड़ कलश उठाकर कृष्णा नगर कॉलोनी के विभिन्न चौक चौराहों से होते हुए रांची पहाड़ी मंदिर के नीचे स्थित महाकाल मंदिर पहुंचकर जलाभिषेक करेंगे.

समाज के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने जानकारी दी कि इस बाल कांवड़ यात्रा में बैंड बाजा के अलावा श्री शिव पार्वती जी की जीवंत झांकी भी होगी. श्री दुर्गा जागरण मंडली के भजन कलाकार पूरे रास्ते भजन की गंगा बहाएंगे. साथ ही बताया कि इस बाल कांवड़ यात्रा का कृष्णा नगर कॉलोनी के सभी चौक चौराहों में स्वागत किया जाएगा. समिति द्वारा इसका रजिस्ट्रेशन शुल्क 401 रखा गया है, जिसमें समिति बाल कांवड़ियों को कांवड़ कलश, रस्सी, गेरुआ वस्त्र, पट्टा, पानी उपलब्ध कराएगी तथा जलाभिषेक के बाद समिति द्वारा सभी बाल कांवड़ियों को टॉफी बिस्किट और उपहार स्वरूप खिलौने के अलावा नाश्ता का पैकेट भी दिया जाएगा. कार्यक्रम की तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए श्री शिव बारात आयोजन केंद्रीय महासमिति पहाड़ी मंदिर (मुख्य द्वार) के नन्द किशोर सिंह चंदेल,गुलशन मिढ़ा,राजू काठपाल,दिलीप गुप्ता, जीतू अरोड़ा,नरेश मक्कड,अजय तिर्की,मोनू शर्मा,कैलाशी अरविंद सिंह,बाशु बेरा,मंजुला बेरा, पिया बर्मन एवं विवेक सिंह जुटे हुए हैं.

चार अगस्त को बाल कांवड़ यात्रा का होगा आयोजन

रांचीः मेदांता हॉस्पिटल, रांची ने अपने हॉस्पिटल परिसर में स्टेट आर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन (एस.ओ.टी.टी.ओ), झारखंड के साथ मिलकर अंगदान जन जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया। इस मौके पर हॉस्पिटल के नेफ्रोलॉजी विभाग के डॉ. अमित कुमार ने कहा कि अपने देश भारत में आज भी अंगदान को लेकर समाज में जागरूकता की काफी कमी है। इसके कारण हर वर्ष बहुत से लोगों की मृत्यु हो जाती है। अगर अंगदान से इन्हें ट्रांसप्लांट की सुविधा मिले तो इनकी जिंदगी बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि अंगदान कितना जरूरी है इसे इस बात से समझा जा सकता है कि अपने देश में हर वर्ष करीब दो लाख से ज्यादा लोग डायलिसिस पर चले जाते हैं। इनका बेहतर इलाज किडनी ट्रांसप्लांट है, लेकिन डोनर की कमी के कारण इसमें से करीब 15 हजार मरीजों को ही ट्रांसप्लांट की सुविधा मिल पाती है। उन्होंने कहा कि लोगों को समझना होगा कि अंगदान जीवनदान है, इससे बड़ा कोई दान नहीं हो सकता है। जब कभी भी डोनर का अंग लिया जाता है तो उसकी पूरी सुरक्षा का ख्याल रखा जाता है। कोई व्यक्ति अपनी एक किडनी दान करके भी सामान्य जीवन जी सकता है। अंगदान के लिए लोगों में जागरूकता जगाने की आवश्यकता है। साथ ही हेल्थ केयर से जुड़े लोगों में भी जागरूकता लाने की जरूरत है। इस मौके पर हॉस्पिटल के किडनी ट्रांसप्लांट मेडिसिन के डॉ. सिद्धार्थ मिश्रा, डॉक्टर अमित कुमार और डॉ. विजय सिंह ने संयुक्त रूप से कहा कि एक व्यक्ति मरने के बाद सात से आठ लोगों को दे सकता है जीवनदान। उन्होंने कहा कि मृत्यु के बाद किडनी, छोटी आंत के साथ लीवर, हार्ट, पैनक्रियाज आदि का दान कर एक व्यक्ति सात से आठ लोगों की जिंदगी बचा सकता है। उन्होंने कहा अंगदान को प्रोत्साहित करने की जरूरत है। झारखण्ड में यह बेहद कम होता है जबकि

मेटा एआई अब हिंदी और अन्य भाषाओं में उपलब्ध

रांचीः मेटा एआई अब हिंदी और अन्य भाषाओं में उपलब्ध है। हम अपने ऐप्स और डिवाइस में मेटा एआई असिस्टेंट की पहुँच बढ़ा रहे हैं और नई सुविधाएं जोड़ रहे हैं ताकि आपको उत्तर देने, विचार करने और प्रेरणा मिल सके। मेटा एआई अब 22 देशों में उपलब्ध है, जिसमें अर्जेंटीना, चिली, कोलंबिया, इक्वाडोर, मैक्सिको, पेरू और कैमरून शामिल हैं। अब आप व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, मैसेंजर और फेसबुक पर मेटा एआई के साथ नई भाषाओं में भी बात कर सकते हैं। यह सुविधा अब हिंदी, रोमन हिंदी, फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, पुर्तगाली, और स्पेनिश में उपलब्ध है और जल्द ही और भी भाषाएँ जोड़ी जाएंगी। व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, मैसेंजरए फेसबुक और मेटा डॉट एआई की मदद से लोग कम समय में ज्यादा काम कर पा रहे हैं, रचनात्मक विचारों को साकार कर रहे हैं और अपने ज्ञान का विस्तार कर रहे हैं। मेटा एआई आपके हर काम में मदद करता है - सवालों के जवाब देने से लेकर प्रेरणा और मार्गदर्शन देने तक, जिससे आपकी दिनचर्या बेहतर बनती है और आपको एक भरोसेमंद रचनात्मक साथी मिलता है। यह तो सिर्फ शुरुआत है - हम आपके फीडबैक पर ध्यान दे रहे हैं और हर दो हफ्ते में मेटा एआई को अपडेट कर रहे हैं ताकि आपका अनुभव और बेहतर हो सके। हम तेजी से नई सुविधाएं जोड़ रहे हैं ताकि आप कुछ नया बना सकें, प्रेरित हो सकें और ज्यादा काम कर सकें।

क्या आपने कभी सुपर हीरो, रॉकस्टार या पेशेवर एथलीट बनने का सपना देखा है? अब, मेटा एआई में इमेजिन मी प्रॉम्प्ट के साथ आप खुद को एक नए रूप में देख सकते हैं। यह सुविधा हम अमेरिका में बीटा वर्जन में लॉन्च कर रहे हैं। इमेजिन मी फीचर हमारे नए पर्सनलाइजेशन मॉडल का इस्तेमाल करके आपकी एक तस्वीर और इमेजिन मी सर्फिंग या इमेजिन मी ऑन ए बीच वेकेशन जैसे प्रॉम्प्ट के आधार पर चित्र बनाता है।

मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 में संशोधन

रांची। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आगामी विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 का कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। दिनांक 01.07.2024 को अहर्त्ता तिथि मानते हुए 25 जुलाई 2024 से मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हो रही है। कार्यक्रम में आंशिक संशोधन करते हुए दावा एवं आपत्ति दाखिल करने की तिथि में 26.08.2024 तक विस्तार किया गया है। पूर्व में जारी कार्यक्रम में दावा एवं आपत्ति दाखिल करने की तिथि 25.07.2024 से 09.08.2024 तक थी। साथ ही मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन की तिथि को बढ़ाते हुए 27.08.2024 किया गया है, जो पहले 20.08.2024 थी।

संशोधन के पश्चात द्वितीय विशेष संक्षिप्तपुनरीक्षण 2024 का कार्यक्रम निम्न प्रकार हैः-मतदाता सूची प्रारुप का प्रकाशन - 25.07.2024 (गुरुवार)दावा और आपत्ति दाखिल करने की तिथि - 25.07.2024 (गुरुवार) से 26.08.2024 (सोमवार) विशेष अभियान तिथि - 27 एवं 28 जुलाई और 03 एवं 04 अगस्त (शनिवार और रविवारदावों और आपत्तियों का निपटारा - 26.08.2024 (सोमवार) तक मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन - 27.08.2024 (मंगलवार) को किया जायेगा। विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 01 जुलाई 2024 को अर्हता तिथि मानते हुए 18 वर्ष पूरे करने वाले नए मतदाताओं का नाम वोटर लिस्ट में जोड़ने का कार्य किया जायेगा। साथ ही मतदाता सूची में किसी प्रकार के सुधार संबंधित आवेदन भी उक्त अवधि में प्राप्त किया जा सकेगा।

चान्हो के चोरिया रोड में जल्द काम शुरू करने को लेकर टेक्निकल टीम को लेकर पहुंचे पूर्व मंत्री बंधु तिर्की , पूर्व मंत्री ने कहा कल से शुरू होगा रोड का काम।

मुख्यमंत्री के त्वरित कार्रवाई एवं सतत प्रयास से दक्षिण अफ्रीका में फंसे 27 प्रवासी श्रमिकों की सकुशल वापसी

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के निर्देश एवं श्रम, रोजगार, प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग की त्वरित पहल पर दक्षिण अफ्रीका के कैमरून के याउंडे में विनायक कंस्ट्रक्शन, फेस जेंडरमेरी, अप्रेस ऑडिटोरियम और जीन पॉल टू मबांकलो कंपनी में कार्यरत झारखंड के 27 श्रमिकों की आज सवेरे सुरक्षित अपने घर वापसी हो गई। श्रम विभाग को जैसे ही शिकायत मिली, उस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए एल० एण्ड टी० कम्पनी एवं भारतीय उच्चायोग से बात की गयी तथा उसी दिन सभी संबंधित प्रवासी मजदूरों को राशि भुगतान उनके खाते में कर दी गयी। साथ ही जो प्रवासी श्रमिक वापस अपने देश आना चाहते थे उनको भारतीय उच्चायोग के सहयोग से भारत बुला लिया गया जिसमे श्रम विभाग का योगदान महत्वपूर्ण था। स्वदेश लौटे प्रवासी श्रमिकों में खुशी की लहर है। उन्होंने इस पहल के लिए माननीय मुख्यमंत्री और राज्य सरकार का तहे दिल से आभार जताया है। श्रमिकों ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री के त्वरित कार्रवाई एवं सतत प्रयास से हमलोग आज अपने घर सकुशल लौटे है। बता दें कि लौटने वालों में 18 बोकारो, चार गिरिडीह तथा पांच हजारीबाग जिले के श्रमिक शामिल हैं। सभी श्रमिकों का पारसनाथ स्टेशन पर सचिव, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण व कौशल विभाग, श्रमायुक्त, श्रम, नियोजन, प्रशिक्षण एवं कौशल विभाग की उपस्थिति में जिला प्रशासन द्वारा माला पहनकर भव्य स्वागत किया गया। इसके पश्चात प्रवासी श्रमिकों के सकुशल वापसी के उपलक्ष्य में वेद वाटिका होटल, डुमरी में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उद्योग मंत्री सत्यानंद भोक्ता, स्कूली शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम, महिला बाल विकास मंत्री बेबी देवी गिरिडीह विधायक सुदिव्य कुमार सोनू, गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन शामिल हुए। इस अवसर पर सभी श्रमिकों के बीच 25-25 हजार रूपए का चेक का वितरण किया गया तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। मौके पर माननीय मुख्यमंत्री से मोबाइल के माध्यम से ऑनलाइन श्रमिकों से बातचीत कराई गई। उन्होंने सभी श्रमिकों का हौसला अफजाई किया और कहा कि राज्य सरकार आपकी सेवा और सुविधा में सदैव तत्पर है। सरकार का प्रयास यही है कि श्रमिकों को राज्य में ही रोजगार के अवसर प्रदान किए जाय, जिससे कि श्रमिकों को कहीं पलायन नहीं करना पड़ें। श्रम सचिव मुकेश कुमार ने जानकारी दी कि वैसे प्रवासी श्रमिक जो इस तरह के धोखाधड़ी में फंस जाते हैं इस हेतु पर विभाग द्वारा श्रमायुक्त, झारखण्ड की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गयी है जो इस मामले को देख रही है। इसमें जो भी ठेकेदार दोषी पाये जायेंगे उन पर विभाग द्वारा कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाएगी। श्रम सचिव ने प्रवासी मजदूरों से अपील की है कि से बाहर जाने के पूर्व श्रम विभाग में पंजीकरण अवश्य कराएं।

मालवाहकों के परिचालन में नई व्यवस्था लागू करने का आरजीटीए करेगा विरोधः सुनील

रांचीः रांची नगर निगम द्वारा मालवाहकों के परिचालन में नई व्यवस्था लागू करने के आदेश का रांची गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसियेशन पूरी तरह से विरोध करेगा। एसोसिएशन के प्रवक्ता सुनील सिंह चौहान ने कहा कि नगर निगम के नगर आयुक्त से रांची गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसियेशन के पदाधिकारी मिल कर इस नई व्यवस्था के विषय में पुनर्विचार करने का आग्रह करेंगे। इस नई व्यवस्था से परिवहन व्यवसाय ही नहीं सम्पूर्ण व्यसायिक गतिविधियां प्रभावित हो जायेगी। शहर में आम जनता पर इसका सीधा प्रभाव पड़ेगा। दैनिक प्रयोग की वस्तुएं महंगी हो जाएंगी। मालवाहक वाहनों से जुड़े वाहन मालिक, चालक मजदूर, सभी के समक्ष रोज़ी रोटी की समस्या उत्पन्न हो जायेगी। एक लघुभार वाहन का मालिक बड़ी मुश्किल से ऋण ले कर वाहन खरीद कर अपने परिवार का भरण पोषण करता है। नई व्यवस्था में मात्र दिन के समय में चार पांच घंटे माल की ढुलाई कर न तो ऋण की किस्त दे पायेगा न ही परिवार का भरण पोषण कर सकें।

रांची गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसियेशन अपने सदस्यों साथ ही अन्य व्यवसायिक संगठनों के साथ एक बैठक कर विरोध की रण नीति तय करेगा, आगामी 28 जुलाई रविवार को स्थानीय दिगंबर जैन भवन में पूर्वान्ह 11 बजे एक बैठक आयोजित कर इस विषय में चर्चा कर निर्णय लिया जायेगा।

ऑपरेशन रेल सुरक्षा के तहत रांची स्टेशन पर फर्जी आरपीएफ पकड़ाया

रांची । 23.07.2024 को रात्रि में एक व्यक्ति जिसने खुद को आरपीएफ हटिया का स्टाफ बताया तथा रांची के अनारक्षित बुकिंग काउंटर के अंदर प्रवेश किया और टिकट की मांग की, जहां तीन महिला कर्मचारी ड्यूटी पर थीं और अनारक्षित बुकिंग काउंटर के केबिन का गेट खुला था। चूंकि काउंटर के बाहर भीड़ थी, उसने ड्यूटी पर मौजूद महिला कर्मचारियों का ध्यान भटका दिया और स्थिति का फायदा उठाकर बुकिंग काउंटर से 29,000 रुपये चुरा लिए तथा भाग गया। बाद में ड्यूटी पर मौजूद वरिष्ठ वाणिज्यिक क्लर्क श्रीमती नीतू कुमारी ने मामले की सूचना आरपीएफ पोस्ट रांची को दी गयी, बाद में सीसीटीवी फुटेज की जांच की गयी और उस व्यक्ति की पहचान की गयी और स्टेशन और उसके परिचालित क्षेत्र में ड्यूटी कर रहे सभी आरपीएफ कर्मचारियों को तस्वीरें प्रसारित कीं। सघन तलाशी के दौरान संदिग्ध व्यक्ति जिसकी पहचान सूरज कुमार पुत्र श्री शंकर पासवान, निवासी कृष्णापुरी, चुटिया हनुमान मंदिर के पास रहनेवाला के रूप में की गयी तथा उसे रांची स्टेशन के मुख्य द्वार के पास से पकड़ा गया और उसके कब्जे से रेलवे बुकिंग काउंटर से चुराई गई नकदी 29,000(उन्तीस हजार) रुपये बरामद की गई। बाद में आरपीएफ पोस्ट रांची के इंस्पेक्टर डी शर्मा के आदेशानुसार एएसआई शक्ति सिंह द्वारा वरिष्ठ लिपिक और अन्य ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ कर्मियों की उपस्थिति में जब्ती सूची बनाकर और अन्य कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करते हुए जब्त कर लिया गया। फिर ड्यूटी पर तैनात वरिष्ठ लिपिक नीतू कुमारी द्वारा पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ आरपीएफ रांची के सहयोग से जीआरपी रांची में प्राथमिकी दर्ज कराई गई।

सुखदेव धारदार हथियार से मारकर व्यक्ति की हत्या

रांची : उमेश लकड़ा नाम के बुजुर्ग व्यक्ति की धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दी गई. मृतक इंद्रपुरी के रोड नंबर छह में स्थित अपने आवास में अकेले रहता था. मामले की जानकारी मिलने के बाद बुधवार को सुखदेव नगर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया।

देवघर जिले के मधुपुर स्टेशन के पास लोकल ट्रेन से गिरकर एक राजमिस्त्री की मौत हो गयी। मृतक का नाम 41 वर्षीय अनील रवानी है जो मारगोमुंडा थाना क्षेत्र के फुलची गावं का रहने वाला है।

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से झारखंड मंत्रालय में मेजर जेनरल परमवीर सिंह डागर (जीओसी, 23 इन्फेंट्री डिवीज़न, दीपाटोली) ने मुलाकात की। मौके पर मुख्यमंत्री को उन्होंने आगामी 28 जुलाई 2024 से जेआरडी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स जमशेदपुर में आयोजित हो रहे डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ओपनिंग सेरेमनी में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित होने हेतु सादर आमंत्रित किया।

भानू प्रताप शाही पर रमना थाने में एससी/एसटी एक्ट के तहत केस

श्री बंशीधर नगर। विधायक भानू प्रताप शाही पर रमना थाने में एससी/एसटी और आईटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज हुआ है। रमना थाने में बहियार निवासी राजेंद्र उरांव ने एफआईआर दर्ज करायी है। मामला विगत 20 जुलाई को भाजपा की ओर से रांची में आयोजित विस्तृत कार्यसमिति बैठक के दौरान विधायक श्री शाही द्वारा सार्वजनिक मंच से प्रदेश के सीएम हेमंत सोरेन के प्रति की गई टिप्पणी से जुड़ा है। श्री शाही के उक्त टिप्पणी के बाद से आदिवासी समुदाय में गुस्सा व्याप्त है, राजनीतिक प्रतिद्वंदी भी इसे आदिवासी अस्मिता के साथ जोड़कर हमलावर हैं। राजेंद्र उरांव की ओर से विधायक भानू प्रताप शाही के विरुद्ध दिए गए आवेदन के अनुसार विगत 20 जुलाई को रांची में भाजपा के विस्तृत कार्यसमिति बैठक में विधायक भानू प्रताप शाही ने अपने संबोधन के दौरान सीएम हेमंत सोरेन को आदिवासी होने के कारण गट्टा पकड़ कर कुर्सी से उतारने की बात कहते हुए अपने कार्यकतार्ओं से भी बार बार हामी भरवाई है। जिसका प्रसारण इंटरनेट मीडिया के साथ साथ क्षेत्रीय और राष्ट्रीय मीडिया में भी हुआ है। आवेदक ने भी एक समाचार चैनल के एक्स प्लेटफार्म पर इसे देखा है। उन्होंने उक्त कृत्य आदिवासी सीएम को अपमानित करने के उद्देश्य से किया है। एक आदिवासी सीएम के संदर्भ में कही गई बातों से आदिवासी समुदाय आहत है और उसमें रोष व्याप्त है।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी गुलाम अहमद मीर एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने मुलाकात की। इस मौके पर राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात और 26 जुलाई से शुरू होने वाले झारखंड विधानसभा के मॉनसून सत्र एवं कई अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विचार- विमर्श हुआ।

केंद्रीय सामाजिक न्याय और आधिकारिता मंत्री से मिले संजय सेठ

रांची। रांची के सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार से मुलाकात की। इस मुलाकात के क्रम में रक्षा राज्य मंत्री ने उन्हें बधाई दी और मंत्रालय के जरिये रांची में दिव्यांगजनों के लिए किया जा रहे कार्यों के प्रति आभार प्रकट किया। सेठ ने केंद्रीय मंत्री को इस मुलाकात में एक आग्रह पत्र भी सौंपा।

उन्होंने केंद्रीय मंत्री से कहा कि रांची सहित झारखंड के हर जिले और प्रखंड स्तर पर एडिप योजना के तहत दिव्यांगजनों के बीच सहायक उपकरणों का वितरण अधिक से अधिक संख्या में किया जाए ताकि हमारे दिव्यांगजन सशक्त हो सके। रक्षा राज्य मंत्री ने केंद्रीय मंत्री को रांची लोकसभा क्षेत्र के हर विधानसभा क्षेत्र रांची, हटिया, कांके, खिजरी, ईचागढ़ और दिल्ली में नशा मुक्ति केंद्र खोलने का भी आग्रह किया। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को बताया कि रांची नशा का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। ऐसे में यह आवश्यक है हमारे युवाओं को बचाया जाए। उसके लिए नशा मुक्ति केंद्र अति आवश्यक है। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात में रांची में दिव्यांग मेला लगाने का भी आग्रह किया। इसके साथ नए वृद्ध आश्रम खोलने पर भी चर्चा हुई।

केंद्रीय मंत्री ने इन मुद्दों पर सकारात्मक पहल की बात कही।

बाल अधिकार एवं सुरक्षा से संबंधित बैठक

रांची। उज्ज्वल प्रकाश तिवारी, सदस्य, झारखण्ड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, रांची की अध्यक्षता में बाल अधिकार एवं सुरक्षा से संबंधित बैठक आयोजित की गयी। समाहरणालय भवन, ब्लॉक-ए स्थित कमरा संख्या-207 में आयोजित बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, सहायक आयुक्त उत्पाद, बाल कल्याण समिति, श्रम अधीक्षक-2, रांची/सीएसआर एवं अन्य संबधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बाल संरक्षण के मुद्दों पर संबंधित पदाधिकारियों के साथ विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए श्री उज्ज्वल प्रकाश तिवारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिए गये। सहायक आयुक्त उत्पाद, राँची को जिले में संचालित सभी बार एवं रेस्टोरेंट में नियमानुसार 21 वर्ष से कम आयु वर्ग वाले युवाओं का प्रवेश वर्जित करने तथा कृत कार्रवाई प्रतिवेदन आयोग को उपलब्ध कराये जाने का निदेश दिया गया। साथ ही जिले में मादक पदार्थों के सेवन से युवाओं पर होने वाले दुष्प्रभाव से संबंधित जागरूकता अभियान चलाये जाने का निर्देश श्री उज्ज्वल प्रकाश तिवारी, सदस्य, झारखण्ड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा दिया गया। बैठक में उपस्थित शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि को जिले में संचालित विद्यालयों/महाविद्यालयों में सहायक आयुक्त उत्पाद, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर नशे के प्रकोप से युवाओं पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव से संबंधित जागरूकता अभियान चलाये जाने का निदेश दिया गया। साथ ही जिले में संचालित गैर-सरकारी विद्यालय में कार्यरत सभी कर्मियों को आचरण प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराये जाने का भी निदेश दिया गया।

उज्ज्वल प्रकाश तिवारी द्वारा जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को जिले में संचालित बालगृह हेतु सिविल सर्जन, राँची को बच्चों के आकस्मिक चिकित्सा सुविधा हेतु 108 एंबुलेंस 24 घंटे उपलब्ध कराये जाने हेतु पत्राचार करने का निदेश दिया गया। जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, राँची को जिले में दिव्यांग बालिकाओं हेतु एक बालगृह के संचालन हेतु आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई किये जाने का निर्देश दिया गया। साथ ही श्रम अधीक्षक-02, राँची को जिले में बालश्रम से मुक्त कराये गये बाल श्रमिकों की विगत 01 वर्ष पूर्व से विवरणी उपलब्ध कराये जाने तथा दिये जाने वाली मुआवजा राशि से संबंधित विवरणी आयोग को उपलब्ध कराये जाने का निर्देश उज्ज्वल प्रकाश तिवारी द्वारा दिया गया।

विश्व आदिवासी महोत्सव की तैयारी को लेकर कल्याण मंत्री दीपक बिरुआ ने की समीक्षा

रांची: विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी झारखंड सरकार की ओर से विश्व आदिवासी दिवस पर दो दिवसीय आदिवासी महोत्सव का आयोजन भगवान बिरसा स्मृति उद्यान, रांची में होने जा रहा है। आगामी 9 -10 अगस्त को होने वाले इस दो दिवसीय आदिवासी महोत्सव की तैयारियों को लेकर कल्याण मंत्री श्री दीपक बिरुआ की अध्यक्षता में कल्याण कॉम्प्लेक्स में समीक्षा बैठक की गई।

महोत्सव में आदिवासी संस्कृति और परंपरा की दिखाई देगी झलक

बैठक में तैयारियों की समीक्षा करते हुए विभागीय मंत्री श्री दीपक बिरुआ ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर पूरे देश के आदिवासी चिंतकों, विशेषज्ञों और सम्मानित व्यक्तियों को आमंत्रित करें । आगंतुकों के आगमन, आवासन आदि की व्यवस्था में कोई कमी ना रहे इसे सुनिश्चित करें और पूरे महोत्सव में आदिवासी संस्कृति और परंपरा की झलक दिखाई दे।

आदिवासी संस्कृति की जानकारी फिल्म के माध्यम से

कल्याण आयुक्त श्री अजयनाथ झा ने तैयारियों को लेकर विभाग की ओर से पीपीटी के माध्यम से विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि महोत्सव में आदिवासी समाज से जुड़ी सभी संस्कृति और परम्परा को दर्शाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति, कला एवं वाद्ययंत्र, परिधान एवं आभूषण, डोकरा कला, कोहबर, सोहराई सहित कई कलाओं सहित आदिवासी इतिहास की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। महोत्सव में आदिवासी व्यंजनों के स्टाल भी लगाए जाएंगे साथ ही अन्य देशों के आदिवासी संस्कृति की जानकारी फिल्म के माध्यम से दी जाएगी। श्री अजयनाथ झा ने बताया कि आदिवासी महोत्सव में वनाधिकार पट्टा पर सेमीनार का आयोजन किया जा रहा है साथ ही अनुसूचित जनजाति समुदाय से जुड़ी सभी योजनाओं की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। टीआरआई द्वारा आदिवासी विषय पर निर्मित फिल्मों का भी प्रदर्शन किया जाएगा।

32 आदिवासी समुदायों के नृत्य दलों की शोभा यात्रा

बैठक में जानकारी दी गई कि महोत्सव के दौरान अतिथि का स्वागत 100 नगाड़ा वादन से किया जाएगा साथ ही 32 आदिवासी समुदाय के नृत्य दल शोभा यात्रा में शामिल होंगे। कार्यक्रम में प्रसिद्ध आदिवासी संगीत और नृत्य कला की प्रस्तुति दी जाएगी तथा टीआरआई द्वारा पुस्तकों का लोकार्पण किया जाएगा। विभिन्न राज्य के कला दलों को आमंत्रित किया जा रहा है।

बैठक में मुख्य रूप से उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, निदेशक खेलकूद संदीप कुमार, निदेशक संस्कृति आसिफ इकराम, निदेशक आईटीडीए संजय भगत, उप निदेशक पर्यटन राजीव रंजन सिंह,सहायक निदेशक, सूचना एवं जन सम्पर्क निदेशालय बीरू कुशवाहा, झारखंड फिल्म कॉरपोरेशन के कंपनी सचिव अमन कुमार उपस्थित थे।

नक्सली कमांडर रविंद्र गंझू के समर्थकों के ठिकानों पर एनआईए का छापा

रांची। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 15 लाख के ईनामी नक्सली कमांडर रविंद्र गंझू के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। रविंद्र गंझू को समर्थन देने वाले और उसकी काली कमाई का निवेश करने वाले लोगों के ठिकानों पर एनआईए बुधवार की सुबह से छापेमारी शुरू की है।

एनआईए सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रांची के मैक्लुस्कीगंज और लातेहार बार्डर पर स्थित ठिकानों पर एनआईए छापेमारी कर रही है। लोहरदगा जिले के बुलबुल जंगल में हथियार और गोला-बारूद की बरामदगी मामले में लोहरदगा के पेशरार थाना में साल 21 फरवरी 2022 में प्राथमिकी दर्ज हुई थी।

जेल के अंदर प्लान बनते ही बाहर बरसी गोलियां

गढ़वा: गढ़वा के मेराल में फ्लाईओवर निर्माण स्थल में फायरिंग करने में शामिल तीन बदमाशों को अरेस्ट कर लिया गया है। गैंगस्टर अमन साहू के सबसे खासमखास मयंक सिंह उर्फ सुनील मीणा के इशारे पर विक्रम ने साइट पर फायरिंग की थी। मयंक सिंह खुद मलेशिया में बैठ कर गैंग को ऑपरेट कर रहा है। वह बीते 9 जून को सिमडेगा जेल से बाहर निकला है। इस वारदात को अंजाम देने की प्लानिंग सिमडेगा जेल के अंदर ही बनाई गई थी। प्लानिंग में आशीष साहू उर्फ पकौड़ी और आकाश राय उर्फ मोनू राय शामिल थे। इस बात का खुलासा आज गढ़वा के SP दीपक कुमार पांडेय ने किया। उन्होंने कहा कि घटना के दो रोज बाद विक्रम अपने आका मयंक सिंह के कहने पर रायपुर गया था। वहां उसने दो शूटरों को हथियार उपलब्ध कराया था। गैंगस्टर अमन साहू गैंग द्वारा अवैध उगाही को लेकर फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया गया था। उक्त तीनों बदमाशों को डुमरो गांव के पास पकड़ा गया।

25 जुलाई को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन

धनबद। 25 जुलाई से 9 अगस्त तक छुटे हुए मतदाता जुड़वा सकते हैं मतदाता सूची में अपना नाम

बृहस्पतिवार, 25 जुलाई 2024, को मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशित किया जाएगा। 25 जुलाई से 9 अगस्त 2024 तक स्पेशल समरी रिवीजन (एसएसआर) के तहत मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जांच कर सकते हैं। वहीं छुटे हुए मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वा सकते हैं।

स्पेशल समरी रिवीजन को लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने पत्रकार वार्ता का आयोजन कर मीडिया को बताया कि 25 जुलाई को मतदाता सूची के प्रारूप प्रकाशन के अवसर पर सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ द्वारा मतदाता सूची के प्रारूप को प्रदर्शित किया जाएगा।

उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की कि वे 25 जुलाई को सुबह अपने मतदान केंद्र जाकर अपना नाम वोटर लिस्ट में जरूर चेक कर लें। यदि कोई विसंगति हो तो तत्काल अपने बीएलओ को बताएं। लोग चाहें तो घर बैठे ही निर्वाचन आयोग के वोटर हेल्पलाइन ऐप या वोटर सर्विस पोर्टल के माध्यम से भी अपना नाम जांच सकते हैं।

उन्होंने कहा कि मतदाता अपने मोबाइल से एसएमएस के माध्यम से भी मतदाता सूची में अपना नाम जांच सकते हैं। इसके लिए अपने रजिस्टर्ड नंबर से ईसीआइ लिखकर फिर एक स्पेस देकर अपना मतदाता पहचान पत्र (एपिक) नंबर लिखकर 1950 पर मैसेज करने से मतदाता पंजीकरण से जुड़ी जानकारी मेसेज से ही उपलब्ध हो जाएगी।

उपायुक्त ने कहा कि स्पेशल समरी रिवीजन आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर महत्वपूर्ण है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड, भी लगातार इसकी निगरानी कर रहे हैं।

यदि मतदाता अभी से मतदाता सूची में अपने नाम की जांच कर लेंगे तो फिर चुनाव के समय कोई असहज स्थिति नहीं आएगी। अन्यथा चुनाव के समय कहीं कहीं से ऐसी शिकायतें भी मिलती हैं कि उनका मतदाता पहचान पत्र है किंतु मतदाता सूची में नाम नहीं है। आगामी चुनाव के दौरान ऐसी अप्रत्याशित स्थितियों से बचने के लिए ही यह NaamJancho अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि आम मतदाताओं के बीच नाम जांचने को लेकर और जागरूकता फैलाने के लिए 25 जुलाई को दोपहर 12 बजे से 1 बजे के बीच NaamJancho सोशल मीडिया अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने सभी से अपील की कि 25 जुलाई को 12 से 1 बजे के बीच चलाए जा रहे इस सोशल मीडिया कैंपेन का हिस्सा जरूर बनें। इस दिन अपने नाम की तो मतदाता सूची में जांच करें ही साथ ही, साथ ही अपने आस पड़ोस, दोस्तों, रिश्तेदारों एवं परिवारजनों को भी नाम जांच करने के लिए प्रेरित करें।

अल्पसंख्यक आयोग ने की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा

धनबाद। झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्लाह खान, उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारु, सदस्य बरकत अली, इकरारुल हसन तथा सविता टुडू ने संयुक्त रूप से सर्किट हाउस में जिले में अल्पसंख्यकों के कल्याणार्थ चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विभागवार समीक्षा की।

समीक्षा के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में माननीय अध्यक्ष ने मीडिया को बताया कि आयोग ने जिले में अल्पसंख्यकों के कल्याणार्थ शिक्षा, ग्रामीण विकास, सामाजिक सुरक्षा, समाज कल्याण, मत्स्य, कृषि, स्वास्थ्य सहित अन्य विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि राज्य के माननीय मुख्यमंत्री की भी यही प्राथमिकता है कि राज्य के सभी व्यक्तियों को सरकार की सभी योजनाओं का लाभ मिले।

उन्होंने मीडिया को बताया कि समीक्षा के क्रम में विभागों से प्राप्त रिपोर्ट से आयोग संतुष्ट है। आयोग सभी जिलों से प्राप्त रिपोर्ट का डाटा इकट्ठा कर राज्यस्तरीय बैठक करेगा। इसके बाद रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार को अपनी अनुशंसा प्रदान करेगा।

मौके पर झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के माननीय अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान, माननीय उपाध्यक्ष ज्योति सिंह मथारु, सदस्य बरकत अली, इकरारुल हसन, सविता टुडू के अलावा उप विकास आयुक्त श्री सादात अनवर, विशिष्ट अनुभाजन पदाधिकारी श्री जियाउल अंसारी, सिविल सर्जन डॉ चंद्रभानु प्रतापन, निदेशक सामाजिक सुरक्षा नियाज़ अहमद, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अनीता कुजुर के अलावा अन्य विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे।

झारखंड की रेल परियोजनाओं के लिए पैसों की कमी नहीं: अश्विनी वैष्णव

रांची: केंद्रीय रेल एवं सूचना-प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बुधवार को झारखंड के पत्रकारों को संबोधित किया। मंडल रेल प्रबंधक, हटिया के सभा अध्यक्ष में आयोजित ऑनलाइन प्रेस कांफ्रेंस के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि झारखंड की रेल परियोजनाओं के लिए फंड्स की कमी नहीं है। मोदी जी के कार्यकाल में रेल परियोजनाओं का सबसे ज्यादा विकास हुआ है। रांची रेल मंडल में रेल विकास कार्यों के लिए बजट में विशेष प्रावधान किया गया है। वर्ष 2024-25 के बजट में झारखंड राज्य के लिए 7302 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है जो वर्ष 2009-14 के औसत बजट 457 करोड़ से लगभग 16 गुना अधिक है. झारखंड राज्य में रेल परियोजनाओं के लिए 52885 करोड़ रूपये का निवेश किया जाएगा। झारखंड राज्य के 57 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा जिसके अंतर्गत रांची रेल मंडल के नामकुम, पिस्का, मूरी, टाटीसिलवे, लोहरदगा, रामगढ़ कैंट, सिल्ली, गंगाघाट, बानो, ओड़गा, गोबिंदपुर रोड, बालसिरिंग एवं पश्चिम बंगाल राज्य के 100 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा जिसके अंतर्गत रांची रेल मंडल के झालिदा, सुईसा तथा तुलिन, कुल 15 स्टेशन शामिल है | साथ ही रांची एवं हटिया स्टेशन का पुनर्विकास किया जा रहा है। इस वर्ष का फोकस रेलवे के बुनियादी ढांचे का विकास, लोकोमोटिव और कोचों के निर्माण में वृद्धि तथा रेलवे के विकास के लिए नई और उन्नत तकनीक का प्रयोग |

इसके अतिरिक्त, नए रोलिंग स्टॉक

झारखंड विधानसभा चुनाव की तैयारी, कांग्रेस विधायकों की हुई बैठक

रांची: विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच झारखंड कांग्रेस भी जोरशोर से तैयारी में जुट गई है। कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर खुद हर स्तर पर फीडबैक ले रहे हैं। सर्किट हाउस में आज कांग्रेस के विधायकों के साथ बैठक के बाद प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि 26 जुलाई से शुरू होने जा रहे मॉनसून सत्र समेत विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा हुई है। बहुत जल्द कांग्रेस विधायक दल के नेता की घोषणा कर दी जाएगी।

दरअसल, आलमगीर आलम के कैश कांड में गिरफ्तारी के बाद से यह पद रिक्त है। उन्होंने कहा कि इस पद को वरीयता के आधार पर तय किया जाता है। उन्होंने कहा कि मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। लिहाजा, विपक्ष को घेरने की रणनीति पर भी चर्चा हुई है।

प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन मजबूती के साथ मैदान में उतरेगी। इसके लिए सीट शेयरिंग का फॉर्मूला भी तैयार किया जा रहा है। उनसे पूछा गया कि क्या इस बार कांग्रेस ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या बढ़ भी सकती है और कम भी हो सकती है। इस मुद्दे पर सभी प्रमुख दलों के साथ विचार-विमर्श कर फैसला लिया जाएगा।

जेलर सस्पेंड, वजह चौंकाने वाली

रांची। बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार के जेलर मोहम्मद मुस्तकीम अंसारी को सस्पेंड कर दिया गया। खबर है कि बिना अनुमति के अवकाश पर चले जाने के चलते जेलर को निलंबित किया गया है। इसी जेल के सहायक जेलर देवनाथ राम को फिलहाल जेलर का प्रभार सौंपा गया है। खबर है कि जेलर मुस्तकीम अंसारी के कार्यकाल में ई डी तक कई जरूरी इलेक्ट्रॉनिक डेटा पहुंच गये थे। ईडी जांच के बाद से ही रांची सेंट्रल जेल के कई अधिकारियों पर गाज गिरती रही है। इससे पहले जेलर मोहम्मद नसीम अंसारी, पूर्व काराधीक्षक बेसरा निशांत राबर्ट, जेलर प्रमोद कुमार हटाये जा चुके हैं। वहीं विवादों में रहे पूर्व काराधीक्षक हामिद अख्तर को होटवार से हटाकर उन्हें कारा उप महानिरीक्षक के पद पर भेजा गया। रांची सेंट्रल जेल में वर्तमान में पूर्व मंत्री से लेकर पूर्व IAS और सत्ता के गलियारे के कई छोटे-बड़े ब्रोकर और जमीन दलाल बंद हैं।

ट्रक से लगभग दो करोड़ रुपये मूल्य का गांजा जब्त

रामगढ़ : एक ट्रक से लगभग दो करोड़ रुपये मूल्य का गांजा जब्त

रामगढ़ जिले में पुलिस ने एक ट्रक से लगभग दो करोड़ रुपये मूल्य का लगभग 490 किलोग्राम गांजा जब्त कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी।पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने पत्रकारों को बताया कि उत्तर प्रदेश पंजीकरण नंबर वाला वाहन मंगलवार देर रात राँची से हजारीबाग जा रहा था कि इसी दौरान उसे कुजू पुलिस चौकी के निकट रोका गया।उन्होंने बताया कि पुलिस ने ट्रक की तलाशी लेकर मादक पदार्थ बरामद किया और चालक तुलसी यादव (55) को गिरफ्तार कर लिया।

रांची। चान्हो के चोरिया रोड में जल्द काम शुरू करने को लेकर टेक्निकल टीम को लेकर पहुंचे पूर्व मंत्री बंधु तिर्की , पूर्व मंत्री ने कहा कल से शुरू होगा रोड का काम।

उपायुक्त ने किया बीबीएमकेयू का भ्रमण

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा ने आज बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी (बीबीएमकेयू) का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने पूरे यूनिवर्सिटी परिसर और विभिन्न ब्लॉक में स्थित हॉल का निरीक्षण किया। आगामी विधानसभा चुनाव में यूनिवर्सिटी में मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण, विधानसभा वार स्ट्रांग रूम, चुनाव के लिए मतदान सामग्री का डिस्पैच, चुनाव के बाद मतदान सामग्री प्राप्त करने के लिए रिसीविंग स्थल, वाहनों के सुगमता से प्रवेश एवं निकास मार्ग, मतगणना स्थल, पावर बैक अप, पार्किंग सहित अन्य सुविधाओं को लेकर बारीकी से अध्ययन किया। इस दौरान उपायुक्त माधवी मिश्रा, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, डीसीएलआर संतोष गुप्ता, जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप कुमार शुक्ला, उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा, बीबीएमकेयू के कुलानुशासक डॉ अजीत कुमार, भवन प्रमंडल सहित अन्य विभाग के पदाधिकारी मौजूद थे।

पलाश -JSLPS के द्वारा साहिबगंज प्रखण्ड स्तरीय जेन्डर रिसोर्स सेंटर (GRC), सलाहकार समिति का हुआ गठन

साहेबगंज। पलाश-JSLPS के द्वारा साहिबगंज जिला के साहिबगंज प्रखण्ड सभागार कक्ष में सुबोध कुमार , प्रखण्ड विकास पदाधिकारी साहिबगंज सदर की अध्यक्षता में GRC के तत्वावधान में प्रखंड स्तरीय सलाहकार समिति का गठन किया गया|

इस गठन कार्यक्रम में सभी सखी मंडल से जुड़ी हुई महिला दीदी को न्याय दिलाने से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी को बताया गया। महिलाओं के साथ हिंसा और उत्पीड़न की रोकथाम के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दिए गए।

प्रखण्ड विकास पदाधिकारी द्वारा कई महत्वपूर्ण जानकारी के साथ सभी प्रतिनिधि को कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दी गई ।

जिला विधिक सेवा प्राधिकार साहिबगंज के रंजन कुमार सिंह PLV द्वारा पीड़ित महिलाओं को मिलने वाली मुफ्त कानूनी सहायता से संबंधित विस्तृत जानकारी दी गई। प्रखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक, साहिबगंज सदर JSLPS द्वारा बताया गया की हमलोग दीदियों के माध्यम से एवं इस सलाहकार समिति के मदद से महिलाओं के हिंसा को रोकने में एवं न्याय दिलाने में काफी मदद करेंगे ।

साथ ही जिला कार्यालय से आई हुई बोरना भराली YP-SD पलाश (JSLPS) द्वारा विस्तार पूर्वक घरेलू हिंसा के बारे में बताया गया ।

महिलाओ को सुरक्षा, न्याय, हक मिल सके इसे लेकर सभी प्रतिनिधि ने अपने बातों को रखते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

इस कार्यक्रम में उपस्थित अशोक कुमार BPO -VC , अनंत कुमार सिन्हा BPO-EP, श्रवण कुमार CC, गौरव कुमार CC, जोसफ किस्कू CC, लम्बोदर पंडित CC, अनिल सोरेन CC, मरियम हांसदा PRP, राजेश कुमार DEO, जेंडर CRP , CLF के पदाधिकारी एवं अन्य सखी मंडल दीदी उपस्थित हुए।

नीलगाय को शिकार बनाकर जंगल से निकला टाइगरःटेरिटरी के लिए भटक रहा व्यस्क बाघ, बेतिया के पास वनकर्मियों की दो टीम कर रही मॉनिटरिंग

बेतिया एक बाघ भटक कर करतहा नदी के रास्ते चनपटिया के पुरैना पहुंच गया। बुधवार की सुबह पुरैना शिव मंदिर के पास लोगों ने बाघ को देखा है। उसे देखने के बाद लोगों में दहशत का माहौल है। जंगल से बाहर निकलने से पहले उसने नीलगाय को शिकार बनाया था। डीएफओ के अनुसार बाघ ने अभी तक किसी पर हमला नहीं किया है। टेरिटरी के लिए एक व्यस्क बाघ जंगल से बाहर आया है। उसकी मॉनिटरिंग की जा रही है। बाघ पर नजर रखने के लिए 24 घंटे 15-15 सदस्यों की दो टीम काम कर रही है। फिलहाल पुलिस माइकिंग कर लोगों को सतर्क कर रही है। सरेह की तरफ जाने से वन कर्मियों ने लोगों को मना कर दिया है। बाघ मैनाटांड़ के पूरैनिया में एक नीलगाय को शिकार करने के बाद लिपनी पहुंचा और उसके बाद भटकते हुए करताहा नदी के रास्ते चनपटिया के पिपरा गांव के सरेह होते हुए पुरैना पहुंच गया है। गन्ने की खेत में बाघ को देखने के बाद किसानों में दहशत का माहौल है। मंगुराहा वन रेंजर सुनील पाठक भी मौके पर पहुंचे हुए हैं।

सड़क दर्घटनाएं राष्ट्रीय राज्य मार्ग 23 एवं 32 पर हो रही है

सड़क दर्घटनाएं राष्ट्रीय राज्य मार्ग 23 एवं 32 पर हो रही है। कहा कि वर्ष 21-22-23 के धार पर जिले में नये 09 ब्लैक स्पाट (43 मोड़, बाड़ी कापरेटिव मोड़, चरगी वैली, दांतू, आइटीआइ मोड़ से सीआरपीएफ कैंप मोड़, जोधाडीह मोड़ से सोलगाडीह तालाब तक, खुटरी, उतसारा एवं कांड्रा) चिन्हित किया गया है। उपायुक्त ने इन ब्लैक स्पाट का संयुक्त जांच करते हुए संबंधित एजेंसी को स्पीड ब्रेकर बनाने, साइनेज लगाने एवं ब्लिंकर लगाने का निर्देश दिया।

बैठक क्रम में उपायुक्त ने पिछले तीन माह में परिवहन एवं पुलिस विभाग द्वारा की गई कार्रवाई, ई चालान के संबंध में समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने टोटो चालकों के लाइसेंस की जांच करने का निर्देश दिया। कहा कि इसे अभियान मोड में करें।

पार्किंग स्थलों को करें चिन्हित उपायुक्त ने चास नगर निगम क्षेत्र में बेतरतीब तरीके से लगाए गए वाहनों को लेकर चिंता जताई। कहा कि कई बार इसके कारण भी दुर्घटनाएं होती है। इसलिए संबंधित क्षेत्र के थाना प्रभारी/ नगर निगम एवं परिवहन विभाग संयुक्त रूप से पार्किंग स्थल चिन्हित करें।

परिवहन विभाग द्वारा जारी गाइडलाइन का अनुपालन नहीं करने वाले दो पहिया, तीन पहिया एवं बड़े वाहनों के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई करने का उपायुक्त ने निर्देश दिया। जिला परिवहन पदाधिकारी को नियमित रूप से जांच अभियान चलाने व नियम के तहत कार्रवाई करने को कहा। आयोजित करें जागरूकता कार्यक्रम

उपायुक्त ने जिले के स्मार्ट क्लास वाले सरकारी विद्यालयों एवं निजी विद्यालयों में सप्ताह में एक दिन रोड सेफ्टी डे घोषित कर सड़क सुरक्षा से संबंधित आडियो – विजुअल क्लिप संचालित करने, बच्चों को प्रतियोगिता के माध्यम से सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने को कहा। अगली बैठक में इसका कैलेंडर प्रस्तुत करने को कहा।

हाई मास्क लाइट टावर का करें अधिष्ठापन

बैठक में उपायुक्त ने चास नगर निगम एवं बीएसएल प्रबंधन को शहरी क्षेत्रों के महत्वपूर्ण स्थानों पर हाई मास्क लाइट टावर का अधिष्ठापन करने को लेकर कार्रवाई का निर्देश दिया। बैठक में बीएसएल प्रबंधन की ओर से कोई उपस्थित नहीं रहने को लेकर उपायुक्त ने नाराजगी जताई, उन्होंने इसको लेकर डीटीओ को कारणपृछा का निर्देश दिया।

बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी ने वाहन जांच, उत्पाद विभाग एवं पुलिस विभाग (यातायात) द्वारा वाहन जांच से वसूले गए जुर्माना राशि की जानकारी समिति को दी। बैठक में पुलिस विभाग द्वारा सड़क दुर्घटना में घायलों का ब्लड एनालाइजर रिपोर्ट प्राप्त होने में परेशानी की बात कहीं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा इसकी व्यवस्था नहीं कि जाती है, इस पर उपायुक्त ने विभाग को इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मौके पर सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, उत्पाद सदर निरीक्षक संजीत देव, ट्रैफिक पुलिस निरीक्षक, कार्यपालक अभियंता पथ प्रमंडल, ग्रामीण कार्य, राष्ट्रीय राज्यमार्ग, सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य आदि उपस्थित थे।

पीसीपीएनडीटी टीम ने किया अल्ट्रासाउंड क्लीनिकों का निरीक्षण, किया सील

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार बुधवार को चास स्थित संचालित विभिन्न अल्ट्रासाउंड मशीन और क्लीनिकों का पीसीपीएनडीटी की टीम ने निरीक्षण किया। टीम का नेतृत्व चास अनुमंडल पदाधिकारी ओम प्रकाश गुप्ता एवं सिविल सर्जन डा. दिनेश कुमार ने किया। मौके पर सदर अस्पताल उपाधीक्षक डा. अरविंद कुमार,नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, जिला डाटा प्रबंधक कंचन कुमारी, एनजीओ प्रतिनिधि प्रगति शंकर समेत अन्य उपस्थित थे।

इसी क्रम में टीम ने चास के जोधाडीह मोड़ स्थित कुमार डायग्नोस्टिक का औचक निरीक्षण किया। टीम ने सेंटर में भारी अव्यवस्था पाया। मरीजों की विवरणी का संधारण सही से नहीं पाया गया। एसडीओ – सीएस ने अल्ट्रासाउंड मशीन, कम्प्यूटर, सीसीटीवी मशीन के हार्ड डिस्क, एएनसी रजिस्टर, चिकित्सक के रिकार्ड का भी मिलान किया। मामले में गड़बड़ी को देखते हुए त्वरित कार्रवाई करते हुए कुमार डायग्नोस्टिक के अल्ट्रासाउंड कमरे को सील कर दिया गया। अल्ट्रासाउंड क्लिनिक संचालन में पीसीपीएनडीटी के नियमों का अनुपालन नहीं किया जा रहा था, अब अधिनियम के तहत सेंटर संचालक के विरूद्ध आगे कार्रवाई की जाएगी।

अनुमंडल पदाधिकारी चास ओम प्रकाश गुप्ता ने कहा कि आगे भी टीम अल्ट्रासाउंड क्लीनिकों का निरीक्षण करेगी। जहां नियमों का अनुपालन नहीं पाया जाएगा कार्रवाई की जाएगी।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी- सह-उपायुक्त ने जानकारी को साझा किया

साहेबगंज। उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में समहरणालय सभागार में द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2024 #Naamjancho अभियान से संबंधित अभियान से संबंधित बैठक एवं प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई।

बैठक में बताया गया कि फोटो युक्त मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम निश्चित है। जिममे मतदाता सूची का प्रारूप प्रकाशन की तिथि 25 जुलाई को किया जाएगा। दावा एवं आपत्ति दाखिल करने की तिथि 25 जुलाई से 09 अगस्त तक किया जाना है। विशेष अभियान की तिथि 29 जुलाई से 02 अगस्त तक चलाया जाएगा। दावा एवं आपत्ति के निष्पादन की तिथि 19 अगस्त को किया जाना है। डाटाबेस का अधतीकरण अनुरूपक सूची तैयार एवं मुद्रण की तिथि 19 अगस्त तक किया जाना है फोटो युक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन की तिथि 20 अगस्त को किया जाएगा ।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड, रांची के आदेशानुसार दिनांक 25 जुलाई को पूर्वाहन 12:00 बजे से 01:00 बजे के बीच #Naamlancho अभियान चलाने का निर्देश है।

इस अभियान के तहत् सभी मतदान केन्द्रों पर ELC चुनाव पाठशालाओं स्कूल/कॉलेजों एवं सभी अधिनिष्ठ कार्यालयों में बूथ स्तर पर कराया जाना है। सभी आम नागरिकों से अपील है कि दिनांक 25 जुलाई को अपने मतदान केन्द्रों पर जाकर मतदाता सूची में नाम जाँच करते हुए #NaamJancho अभियान से जुड़ना सुनिश्चित करेंगे।

स्वच्छ, समावेशी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची के निर्माण के लिए सभी पात्र नागरिकों का निबंधन एवं मतदाता सूची का शुद्धिकरण किया जाना आवश्यक है। उक्त उद्देश्यों के पूर्ति हेतु विशेषकर Third Gender, Particularly Vulnerable Tribal Groups (PVTGS) Sex Worker, 85+ आयु वर्ग, दिव्यांगजन, आश्रय गृहों में निवास करने वाले सभी पात्र नागरिकों का मतदाता सूची में शत्-प्रतिशत निबंधन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निर्धारित अभियान दिवस को समावेशी सप्ताह (Inclusive Week) का आयोजन करने का निर्णय लिया गया है।

दिनांक 20 जुलाई को PVTGs एवं दूरस्त क्षेत्रों में रहने वाले जनसमूह को अभियान के तहत मतदाता सूची में निबंधन की कार्रवाई की जाय। इस कार्य में अनुसूचित जनजाति / अनुसूचित जाति/अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याग विभाग तथा आदिवासी कल्याण आयुक्त को नियंत्राधीन क्षेत्रीय कार्यालयों का सहयोग प्राप्त किया जाय।

सर्वश्री ओएनजीसी-सीआइएल कंसोर्टियम के पक्ष में निष्पादित हुआ पेट्रोलियम खनन पट्टा

जिले के झरिया सीबीएम ब्लाक के 39.48 वर्ग कि.मी. क्षेत्र में फैला हुआ है दायरा

झारखंड राज्य में पहला पेट्रोलियम खनन पट्टा का संविद बोकारो जिले में हुआ निष्पादित बोकारो।जिले के लिए बुधवार का दिन विशेष रहा, बोकारो जिला झारखंड राज्य में पेट्रोलियम खनन पट्टा संविद करने वाला पहला जिला बन गया है।

समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आज सर्वश्री ओएनजीसी - सीआइएल कंसोर्टियम (ONGC-CIL Consortium) को झरिया सीबीएम ब्लाक (Block) बोकारो जिला के 39.48 वर्ग कि0मी0 क्षेत्र के लिए पेट्रोलियम खनन पट्टा की स्वीकृति हेतु दाखिल पट्टा संविद का निष्पादन उपायुक्त विजया जाधव द्वारा किया गया। उक्त पेट्रोलियम खनन पट्टा कोल बेड मीथेन (Coal Bed Methane) जो एक प्राकृतिक गैस है, के दोहन हेतु सर्वश्री ओएनजीसी-सीआइएल कंसोर्टियम (ONGC-CIL Consortium) को झारखण्ड सरकार द्वारा 20 वर्षों के लिए स्वीकृत किया गया है। मौके पर अपर समाहर्त्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला खनन पदाधिकारी रवि कुमार सिंह, ओ.एन.जी.सी. के बोकारो जिला के सीबीएम ऐसेट मैनेजर ओएनजीसी (CBM Asset Manager ONGC), सीआइएल के प्रतिनिधि व अन्य उपस्थित थे।

क्या है सीबीएम गतिविधि मीथेन जो कोयला निर्माण प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होती है और 'सोखना' द्वारा अपनी आणविक संरचना के भीतर बरकरार रहती है, उसे आम तौर पर 'कोल बेड मीथेन' कहा जाता है।

उपायुक्त के समक्ष इंडियन रेड क्रॉस सोसाईटी के नवनिर्वाचित प्रबंध समिति सदस्यों ने ली शपथ

प्रबंध समिति की हुई पहली बैठक, कार्यकारिणी समिति के सदस्यों का हुआ चयन

अभियान चलाकर रेड क्रास समिति में नये सदस्यों को जोड़ने का लिया गया निर्णय बोकारो।समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बुधवार को उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव के समक्ष इंडियन रेड क्रॉस सोसाईटी, बोकारो इकाई के नव निर्वाचित प्रबंध समिति के सदस्यों ने शपथ ग्रहण किया। मौके पर उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी श्रीमती श्वेता गुड़िया, जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रीमती शालिनी खालखो आदि उपस्थित थे।

इस दौरान इंडियन रेड क्रॉस सोसाईटी, बोकारो इकाई के प्रबंध समिति की बैठक हुई। जिसमें कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया। सर्व सहमति से उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विजया जाधव को अध्यक्ष, उप विकास आयुक्त गिरजा शंकर प्रसाद को उपाध्यक्ष, श्री वासुदेव मिश्रा को सभापति, अली इमाम अंसारी को उप सभापति, सुरेश कुमार बुधिया को कोषाध्यक्ष एवं एस एन राय को सचिव बनाया गया।

बैठक में सरकार की ओर से नामित विभागीय सदस्यों का निर्धारण किया गया। जिसमें पुलिस अधीक्षक बोकारो, सीआइएसएफ कमांडेन्ट, अनुमण्डल पदाधिकारी चास, असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा हैं। वहीं, *आमंत्रित सदस्य के तहत जेनरल मैनेजर ई.डी (पी एण्ड ए) बी०एस०एल, जेनरल मैनेजर ओ.एन.जी.सी एवं जेनरल मैनेजर सीसीएल हैं।

वहीं, बैठक में सदस्य वृद्धि पर विचार-विमर्श किया गया। बताया गया कि इंडियन रेड क्रॉस सोसाईटी जिला शाखा बोकारो के वर्तमान में 457 सदस्य है, जिसमें अधिकांश सदस्य मृत अथवा शिफ्टेड हो गये है। जिला शाखा को पुर्नगठित एवं क्रियाशील बनाने हेतु, समिति में सक्रिय नये सदस्य को जोड़ने की आवश्यकता है। इसके लिए आगामी माह में वृहद स्तर पर सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया।

वहीं, सदस्यता वृद्धि अभियान के क्रियान्वयन हेतु एक कोर टीम का गठन किया गया। जिसमें अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी अध्यक्ष, जिला सहकारिता पदाधिकारी सचिव, कार्यकारिणी सदस्य आर.के. दत्ता, ओ.पी. अग्रवाल, असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, राणा रमेश कुमार सिंह सह.प्र.पदा. चास एवं जितेन्द्र सिंह देव सह.प्र. पदा. हैं।

सेल के प्रस्तावित कोल वॉशरी प्लांट की स्थापना के लोकसुनवाई का लोगों का मिला समर्थन

3.5 मिलियन टन क्षमता की वाशरी निर्माण का है लक्ष्य। वाशरी के कुल क्षेत्रफल का 33 % क्षेत्र ग्रीन बेल्ट के लिए है आरक्षित। दिनांक 24 जुलाई 2024 को सेल के टासरा कोकिंग कोल वॉशरी प्लांट स्थापना हेतु आर्य समाज परिसर में पर्यावरण स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई का आयोजन श्री विनोद कुमार, अपर समाहर्ता धनबाद की अध्यक्षता में तथा झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के श्री राम प्रवेश कुमार, श्रीमती अमृता मिश्रा, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र धनबाद के महाप्रबंधक श्री राजेंद्र प्रसाद, की उपस्थिति में किया गया। उक्त लोकसुनवाई में सर्वप्रथम सेल के EIA कंसल्टैंट ने परियोजना का सार पढ़ कर सुनाया तत्पश्चात पर्यावरण अधिकारी ने ग्रामीणों को पर्यावरण से संबंधित अपने मंतव्य रखने के लिए आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम में रोहड़ाबांध के मिहिर मंडल ने कहा कि हम कोल वाशरी प्लांट की स्थापना का समर्थन करते हैं परन्तु अधिक से अधिक रोजगार स्थानीय ग्रामीणों को मिले। कार्यक्रम में उपस्थित जोगेंदर महतो ने सेल के टसरा ओपन कास्ट परियोजना का एक साथ अधिग्रहण के मुद्दे पर अपनी बात रखी। टसरा निवासी देवेंद्रनाथ मंडल ने राजस्व अधिकारीयों को रैयतों की भूमि म्युटेशन समस्या हेतु कैंप लगा कर निराकरण करने की मांग रखी। कार्यक्रम में उपस्थित संतोष सिंह ने पर्यावरण सरंक्षण में स्थानीय प्रजातियों जैसे चिरायता के पौधों के सरंक्षण पर जोर दिया। अधिकतर ग्रामीणों ने कोल वाशरी का समर्थन करते हुवे रोजगार से संबंधित मुख्य मुद्दे पर अपना विचार व्यक्त किए। अंत में सेल के महाप्रबंधक शिबराम बनर्जी ने पर्यावरण सरंक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताते हुवे स्थानीय लोगों को प्राथमिकता के आधार पर नियोजन दिलाने की बात कही। अपर समाहर्ता धनबाद श्री विनोद कुमार द्वारा ग्रामीणों के मंतव्य को पढ़कर सुनाया गया एवं ग्रामीणों द्वारा रखे गए मांगों को सेल प्रबंधन को विचार करने हेतु समझाइश देते हुवे कार्यक्रम उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणजन, सेल के मुख्य महाप्रबंधक श्री संजय तिवारी एवं महाप्रबंधक श्री शिबराम बनर्जी एवं अन्य सेल अधिकारी , कर्मचारी एवं मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

गया के शेरघाटी कोर्ट में फायरिंग, गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्राया पूरा इलाका

सिंदरीः बी.टेक पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए बीआईटी सिंदरी में 24 जुलाई को पहले दौर की काउंसलिंग के बाद दाखिला लिया गया है। यह प्रक्रिया निदेशक डॉ. पंकज राय और निम्नलिखित संकाय सदस्यों की देखरेख में संपन्न हुईः संकायाध्यक्ष डॉ. डी. के. तांती, प्रभारी पदाधिकारी डॉ. डी. महतो, डॉ. जे. एन. महतो, डॉ. आर.के. वर्मा, डॉ. प्रशांत कुमार सिंह, प्रो. प्रवीण कुमार।

अन्य पदाधिकारीः डॉ. मनोज मिश्रा, डॉ. राजेंद्र मुर्मू, डॉ. राहुल कुमार, डॉ. राजेश नारायण देव, डॉ. सुमित कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, प्रो. मनीष कुमार।

कर्मचारीः श्री अभिषेक कुमार, श्री सत्री भूषण, श्री सत्री कुमार, श्री मुकेश कुमार सिंह, श्री सुमित सौरभ, श्री पी. के. मिश्रा, श्री बिनेश्वर प्रसाद।

धनबाद जिला श्रमिक मित्र संघ के सदस्यों ने आज झरिया विधायक श्रीमती पूर्णिमा नीरज सिंह के रघुकुल सरायढेला

धनबाद जिला श्रमिक मित्र संघ के सदस्यों ने आज झरिया विधायक श्रीमती पूर्णिमा नीरज सिंह के रघुकुल सरायढेला स्थित आवास पर गुलदस्ता एवं मोमेंटो देकर सम्मानित किया। बताते चलें की विधायक महोदय द्वारा श्रम भवन में उच्च अधिकारियों से वार्ता कर श्रमिक मित्रों के स्थाई तौर पर विभाग में रखने और श्रमिकों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की पहल की थी । जिसके उपरांत श्रमिक मित्रों को स्थाई तौर पर विभाग द्वारा रखा गया एवं श्रमिकों का कल्याणकारी योजनाओं के लाभ चालू किया गया। इसके लिए धनबाद जिला श्रमिक संघ ने माननीय विधायक महोदय को धन्यवाद दिया। विधायक महोदय द्वारा आश्वासन दिया गया कि विधानसभा के मॉनसून सत्र में आप लोगों की बात सदन में रखी जाएगी ताकि आप लोगों की समस्या पर सरकार चिंतन कर समस्या का समाधान करे। मौके पर शैलेंद्र सिंह, साधू महतो, उमेश राय, असीम बावरी, रोहन महतो, अभिमन्यु सिंह, शेखर कुमार, लक्ष्मण शर्मा, विपिन कुमार, अशोक रविदास, लखन कुमार, गौतम बाऊरी, प्रदीप ओझा मौजूद थे।

चूट्टू के आलिम ए दिन हजरत मौलाना इलियास कासमी का निधन,चूट्टू कब्रिस्तान में हुए सुपर्द खाक

ओरमांझी: चूट्टू के महान अलीम ए दिन हजरत मौलाना इलियास कासमी 60 वर्षीय का मंगलवार की दोपहर लगभग तीन बजे अपने घर में ही निधन हो गया। जनाज़े की नमाज़ बुधवार सुबह 10:30 बजे चुट्टू के कब्रिस्तान में अदा की गई। और चुट्टू कब्रिस्तान में सुपर्द ए खाक किया गया। जनाज़े की नमाज़ उनका पुत्र हाफिज अतिकूर रहमान ने पढ़ाई। मरहूम इलियास कासमी ने अपने पीछे पत्नी व 3 बेटे एवं 1 बेटी सहित भरा पूरा खानदान छोड़ गए हैं। जनाज़े की नमाज़ में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से सैंकड़ो की संख्या में लोगों ने शिरकत की। ज्ञात हो कि इलियास कासमी का पिछले दो सालों से मेदांता अस्पताल ईरबा में किडनी का ईलाज डायलिसिस द्वारा चल रहा था। उनके निधन पर चुट्टू अंजुमन इस्लामिया के अध्यक्ष हाजी हयात अन्सारी,कारी शिबली कमर,झामुमो के प्रखण्ड अध्यक्ष जावेद अख्तर, कांग्रेस पार्टी के एसटी मोर्चा के जिला अध्यक्ष शिव टहल नायक, कांग्रेस के महासचिव अनवारूल अंसारी, मेसरा हॉस्पिटल के निर्देशक जावेद अंसारी,जहांगीर अंसारी, अब्दुस सलाम,मोद्दासिर, मिन्हाज आलम सहित अन्य ने शोक व्यक्त किया है।

झारखण्ड किसान महासभा का प्रतिनिधि मण्डल छावनी परिषद रामगढ़ के सीईओ अनंत आकाश से मुलाक़ात की

रजरप्पा झारखण्ड किसान महासभा का प्रतिनिधि मण्डल ज़िला अध्यक्ष अशोक महतो के नेतृत्व में छावनी परिषद रामगढ़ के सीईओ अनंत आकाश से मिला और रामगढ़ डेली मार्केट में किसानों को परेशान किए जाने और वहाँ से हटाए जाने के सहित अन्य असुविधाओं के ख़िलाफ़ माँगपत्र सौंपा। ज्ञात हो कि झारखंड किसान महासभा के द्वारा कृषि उत्पाद समिति, रामगढ़ के प्रांगण में दिनांक 21/07/2024 को "किसान महाजुटान" का आयोजन किया गया। जिसमे रामगढ़ ज़िले के विभिन्न गांवों से सैकड़ों किसानों ने भाग लिया और इस महाजुटान में डेली मार्केट रामगढ़ के किसानों को वहाँ से हटाये जाने सहित कई प्रमुख मांगों को लेकर आंदोलन करने की रणनीति बनायी गई थी। उसी क्रम में कल किसानों का प्रतिनिधिमंडल रामगढ़ उपायुक्त चंदन कुमार से भी मिलकर माँगपत्र सौंपा था। बुधवार रामगढ़ छावनी परिषद के सीईओ से निम्न मुद्दों पर बात रखी गई- 1- रामगढ़ शहर के वर्तमान डेली मार्केट के निर्माण का उद्देश्य (झारखण्ड राज्यपाल द्वारा निर्देशित झारखंड राज्य सरकार के संबंधित विभाग द्वारा अधिसूचना संख्या विविध-17/01-955 वर्ष 2001 एवं अधिसूचना संख्या 14-04/02/2003) क्षेत्रीय किसानों के लिए कृषि उत्पाद बिक्री हेतु सुगम स्थान उपलब्ध कराना है, लेकिन समूचे सब्जी मंडी में पूर्ण रूप से बिचौलियों का कब्जा हो गया है। इसे तत्काल प्रभाव से मुक्त करा कर सार्वजनिक रूप से सभी किसानों के लिए उपलब्ध करवाया जाये। 2- रामगढ़ डेली मार्केट सब्जी मंडी को उच्चस्तरीय मॉडल सब्जी मंडी बनाया जाये और इसमें किसानों और ख़रीदारों के लिए सभी मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था की जाये। 3- जबतक ये (डेली मार्केट) मॉडल सब्जी मंडी बनकर तैयार न हो जाय तबतक किसानों को पुराने स्थान पर ही मंडी लगाने से न रोका जाय। 4. किसानों के बैठने के लिए अतिरिक्त शेड आधारित चबूतरों का निर्माण एवं सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण और दुरुस्तीकरण किया जाये।साथ ही साथ इनका संचालन सुचारू रूप से हो। माँग पत्र सौंपने के बाद जेबीकेएसएस नेता संतोष महतो ने कहा कि उपरोक्त माँगो को लेकर छावनी परिषद के सीईओ ने तत्काल रामगढ़ उपायुक्त और एसपी से टेलीफ़ोनिक बात किया और डेली मार्केट में कब्जा किए दबंगों को हटाने और डेली मार्केट जो आम किसानों के लिए बनाया गया है उसके वापस यथावत किए जाने की बात की।साथ पुलिस बल हेतु मदद के लिए दोनों प्रमुख पदाधिकारियों को तत्काल पत्र लिखने का और इसकी प्रति झारखंड किसान महासभा को भी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।रामगढ़ सीईओ ने पूरे बात को ध्यान से समझा और आश्वस्त किया कि डेली मार्केट आम किसानों का है और किसी भी हालत में इसको क़ब्ज़ामुक्त करके आम किसानों को सौंपा जाएगा।महासभा के ज़िला अध्यक्ष अशोक महतो ने स्पष्ट किया है कि उक्त मुद्दे पर हमलोग किसानों के साथ दृढ़ संकल्प के साथ खड़े हैं।

केंद्र और बिहार पिछड़ी जातियों का आरक्षण बढ़ाने के पक्ष में नहीं

पटना: लोकसभा चुनाव के बाद बिहार में जाति आधारित आरक्षण पर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। विपक्षी पार्टियां इसे लेकर नीतीश सरकार और केंद्र सरकार पर हमला कर रही हैं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) का आरोप है कि केंद्र और राज्य सरकार नहीं चाहती कि बिहार में पिछड़ी जाति के आरक्षण को बढ़ाया जाए। भाकपा विधायक अजीत कुशवाहा ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार आज कल किसी भी विषय पर गुस्सा हो जाते हैं। जातिगत आरक्षण के सर्वे में यह बात सामने आई की अभी भी बहुत सारी जातियों को उनका अधिकार नहीं मिला है।

उन्होंने कहा कि इसके लिए आरक्षण का दायरा 65 प्रतिशत तक बढ़ाया गया, लेकिन इससे पहले दक्षिण के कई राज्यों में आरक्षण का दायरा 50 प्रतिशत तक बढ़ाया जा चुका है। केंद्र सरकार पहले ही आरक्षण को बढ़ा चुकी है, लेकिन हाईकोर्ट ने इस पर रोक लगा दी। अदालत में बिहार का पक्ष नहीं रखा गया और अब बिहार सरकार इसे सुप्रीम कोर्ट ले जाने की बात कह रही है। आखिर इस बात की नौबत ही क्यों आई ? उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार केंद्र सरकार के साथ मिलकर सरकार चला रहे हैं। केंद्र सरकार ने इसे 9वीं सूची में नहीं डाला।

झारखण्ड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्री उज्ज्वल प्रकाश तिवारी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

जिले में संचालित सभी बार एवं रेस्टोरेंट में 21 वर्ष से कम आयु वर्ग वाले युवाओं के प्रवेश पर रोक का निर्देश मादक पदार्थों के सेवन से युवाओं पर होने वाले दुष्प्रभाव से संबंधित जागरूकता अभियान चलाये जाने का निर्देश आज दिनांक 24 जुलाई 2024 का श्री उज्ज्वल प्रकाश तिवारी, सदस्य, झारखण्ड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग, रांची की अध्यक्षता में बाल अधिकार एवं सुरक्षा से संबंधित बैठक आयोजित की गयी। समाहरणालय भवन, ब्लॉक-ए स्थित कमरा संख्या-207 में आयोजित बैठक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी, सहायक आयुक्त उत्पाद, बाल कल्याण समिति, श्रम अधीक्षक-2, रांची/सीएसआर एवं अन्य संबधित पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बाल संरक्षण के मुद्दों पर संबंधित पदाधिकारियों के साथ विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए श्री उज्ज्वल प्रकाश तिवारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिए गये।

सहायक आयुक्त उत्पाद, राँची को जिले में संचालित सभी बार एवं रेस्टोरेंट में नियमानुसार 21 वर्ष से कम आयु वर्ग वाले युवाओं का प्रवेश वर्जित करने तथा कृत कार्रवाई प्रतिवेदन आयोग को उपलब्ध कराये जाने का निदेश दिया गया। साथ ही जिले में मादक पदार्थों के सेवन से युवाओं पर होने वाले दुष्प्रभाव से संबंधित जागरूकता अभियान चलाये जाने का निर्देश श्री उज्ज्वल प्रकाश तिवारी, सदस्य, झारखण्ड राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा दिया गया।

बैठक में उपस्थित शिक्षा विभाग के प्रतिनिधि को जिले में संचालित विद्यालयों/महाविद्यालयों में सहायक आयुक्त उत्पाद, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी एवं जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी से समन्वय स्थापित कर नशे के प्रकोप से युवाओं पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव से संबंधित जागरूकता अभियान चलाये जाने का निदेश दिया गया। साथ ही जिले में संचालित गैर-सरकारी विद्यालय में कार्यरत सभी कर्मियों को आचरण प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराये जाने का भी निदेश दिया गया।

श्री उज्ज्वल प्रकाश तिवारी द्वारा जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी को जिले में संचालित बालगृह हेतु सिविल सर्जन, राँची को बच्चों के आकस्मिक चिकित्सा सुविधा हेतु 108 एंबुलेंस 24 घंटे उपलब्ध कराये जाने हेतु पत्राचार करने का निदेश दिया गया।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, राँची को जिले में दिव्यांग बालिकाओं हेतु एक बालगृह के संचालन हेतु आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई किये जाने का निर्देश दिया गया। साथ ही श्रम अधीक्षक-02, राँची को जिले में बालश्रम से मुक्त कराये गये बाल श्रमिकों की विगत 01 वर्ष पूर्व से विवरणी उपलब्ध कराये जाने तथा दिये जाने वाली मुआवजा राशि से संबंधित विवरणी आयोग को उपलब्ध कराये जाने का निर्देश श्री उज्ज्वल प्रकाश तिवारी द्वारा दिया गया।

रांची स्मार्ट सिटी में बनेगा होटल ताज:400 करोड़ रुपए होंगे खर्च, 2028 तक बन कर होगा तैयार, टाटा ग्रुप को दी छह एकड़ जमीन

रांची वर्ल्ड क्लास होटल ताज अब झारखंड के रांची शहर में होगा। यह होटल रांची स्मार्ट सिटी कैंपस में छह एकड़ जमीन में बनेगा। इसके लिए आज सीएम हेमंत सोरेन की मौजूदगी में नगर विकास एवं आवास विभाग और द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (ए टाटा एंटरप्राइजेज) के बीच हुआ एमओयू हस्ताक्षर किए गए। इस कार्यक्रम के दौरान टाटा स्टील के सीईओ और एमडी टी वी नरेंद्रन मौजूद रहे।

400 करोड़ रुपए खर्च कर बनेगा होटल

द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (ए टाटा एंटरप्राइजेज) रांची में अगले चार साल (2028 तक) में इस विश्वस्तरीय होटल को बनाने का टारगेट रखा है। इसके लिए कुल 400 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। बनने वाले इस होटल में 200 के आसपास रूम होंगे। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से 1000 से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से रोजगार मिलेगा। **अगले चार साल में बन कर होगा तैयार** इस होटल के लिए 8 जनवरी 2024 को कैबिनेट की बैठक में ताज होटल निर्माण के लिए टाटा ग्रुप को करीब 6 एकड़ जमीन लीज पर देने की स्वीकृति मिली थी। रांची में इस होटल का निर्माण झारखंड टूरिज्म पॉलिसी के तहत होगा। **झारखंड से हमारा सौ साल पुराना संबंध** एमओयू हस्ताक्षर कार्यक्रम के दौरान टाटा स्टील के सीईओ और एमडी टी वी नरेंद्रन ने कहा कि झारखंड का टाटा के संबंध कोई नया है। यह संबंध 100 साल से भी पुराना है। झारखंड देश का एक ऐसा राज्य है जहां टाटा ग्रुप पिछले कई सालों से माइनिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पिछले कई सालों से रांची में ताज होटल खोले जाने को लेकर प्रयासरत थे। आज यह पूरा होता दिख रहा है। इसके लिए उन्हें धन्यवाद।

इस प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए चार सौ करोड़ रुपए होंगे खर्च देश दुनिया में झारखंड की अलग पहचान वहीं सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि पिछले कई सालों से वे इसके लिए प्रयासरत थे। झारखंड की देश दुनिया में एक अलग पहचान है। केवल जमीन के अंदर खनन ही नहीं बल्कि जमीन के ऊपर की संपति से भी है। उन्होंने कहा कि जब से हमारी सरकार आई है तब से हर वर्ग के लिए काम किया गया है। राज्य बनने के बाद नीति निर्माण की कमी थी जिसके कारण यह राज्य विकास के सही पायदान को छू नहीं पाया है। आज भी यह देश एक मजदूर प्रधान बन कर रह गया है। राज्य में रोजगार को लेकर हमारी सरकार लगातार प्रयासरत है। पलायन करने वाले मजदूरों के लिए रोजगार की व्यवस्था कर रहे हैं।

एक हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से मिलेगा रोजगार सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि टाटा समूह के साथ हमारा रिश्ता जो कई साल पुराना है, वह आगे भी इसी तरह बने रहे। सरकार का यह प्रयास रहा है कि टाटा ग्रुप के साथ कदम से कदम मिला कर चलते रहे। उन्होंने इस बात जोर देते हुए कहा कि झारखंड के लोग अगर अपनी मुट्ठी बंद कर लें तो देश के समक्ष संकट खड़ा हो जाएगा। लेकिन यहां के लोग ऐसा नहीं चाहते हैं। मेरी इच्छा है कि राज्य में एक ऐसी अर्थव्यवस्था खड़ी हो जिससे युवाओं का विकास हो।

दक्षिण अफ्रीका के कैमरून से लौटे झारखंड के मजदूर:27 मजदूरों की हुई वतन वापसी, मुख्यमंत्री ने खुद कर रहे थे मॉनिटरिंग

गिरिडीह रोजगार की तलाश में दक्षिण अफ्रिका के कैमरून में फंसे झारखंड के 27 मजदूरों की वापसी हो गई। इसमें गिरिडीह के 4, हजारीबाग के 5 और बोकारो जिला के 18 मजदूर शामिल हैं। सभी 27 मजदूर बॉम्बे मेल ट्रेन से आज अहले सुबह गिरिडीह के पारसनाथ स्टेशन पहुंचे। जहां श्रम सचिव और डीसी ने सभी मजदूरों को फूल माला पहनाकर सकुशल वतन वापसी होने पर स्वागत किया। **मुख्यमंत्री ने खुद कर रहे थे मॉनिटरिंग** मौके पर श्रम सचिव मुकेश कुमार ने बताया कि जैसे ही मजदूरों का वीडियो श्रम विभाग को मिला तो तुरंत एक्शन लिया गया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद इस पूरे मामले की मॉनिटरिंग करते रहे। वहीं विदेश मंत्रालय, जिन कंपनियों द्वारा श्रमिकों मजदूरों को काम पर रखा गया था, एलएंडटी और विनायका कंस्ट्रक्शन उनके प्रतिनिधियों से भी लगातार बात की गई। सरकार और विभाग के स्तर से लगातार संपर्क किया गया। जिसका परिणाम है कि सभी मजदूरों की सकुशल वापसी हुई है। उन्होंने कहा कि दूसरे देश से वापसी के मामले में बहुत लंबा वक्त लग जाता है लेकिन राज्य सरकार की दृढ़ इच्छा ही रही कि विदेश से ये लोग सकुशल वापस आ सके। **आज सभी को दिया जाएगा चेक, मंत्री मिलेंगे** बता दें कि सभी कैमरून में फंसे मजदूरों की सकुशल वापसी होने पर श्रम नियोजन मंत्री सत्यानंद भोक्ता, शिक्षा मंत्री बैद्यनाथ राम, महिला बाल विकास व सामाजिक सुरक्षा मंत्री बेबी देवी, गिरिडीह सदर विधायक सुदिव्य कुमार सोनू और गांडेय विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन आदि सभी मजदूरों से मिलेंगे और उनके बीच चेक का वितरण करेंगे। इधर, सकुशल झारखंड लौटे सभी मजदूरों ने राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया है। कहा कि मुख्यमंत्री के त्वरित कार्रवाई एवं सतत प्रयास से हमलोग आज अपने घर सकुशल लौट हैं।29 मार्च को पहुंचे थे कैमरून मजदूरों ने बताया कि सभी 27 मजदूर 29 मार्च को कैमरून पहुंचे थे। एलएनटी कंपनी की ओर से उनके आने के लिए टिकट और वीजा दिया गया। यहां आने के बाद पता चला कि हमे ठेकेदार के अंदर लाया गया है। इसके बाद भी हमलोग काम कर रहे हैं। जहां काम कर रहे हैं वहां न ठेकेदार आ रहा है और न ही कंपनी। गिरिडीह : सरिया थाना के चिचकी के सुकर महतो, डुमरी थाना क्षेत्र के अतकी के रमेश महतो, विजय कुमार महतो और दूधपनिया के दौलत कुमार महतो। हजारीबाग : विष्णुगढ़ अचलजामु के बिसुन, जोबार के टेकलाल महतो, खरना के छत्रधारी महतो, भीखन महतो और चानों के विंतामण महतो। बोकारो : नारायणपुर थाना क्षेत्र के कडरूखुटा के मोहन महतो, डेगलाल महतो, गोविंद महतो, चुरामन महतो, जगदीश महतो, मुरारी महतो, लखीराम, पुसन महतो, गोनियाटो के कमलेश कुमार महतो, महेश कुमार महतो, दामोदर महतो, मुकुद कुमार नायक, नारायणपुर के परमेश्वर महतो, रालीबेडा के सितल महतो और कुलदीप हांसदा।

स्कूल के टीचर ने टूर्नामेंट में असफल रहे छोटे-छोटे बच्चों को डंडे व बेल्ट से पीटा

रांची। गांधीनगर का मामला। स्कूल के स्पोर्ट्स टीचर के द्वारा बच्चों को पीटने के बाद मामला तूल पकड़ लिया है। इसको लेकर बच्चों के पैरेंट्स काफी गुस्से में हैं। 22-23 जुलाई को बोकारो में आयोजित खेलकूद प्रतियोगिता में असफल रहे स्कूल के छोटे छोटे बच्चों को स्पोर्ट्स टीचर ने बुरी तरह से पीटकर घायल कर दिया। बच्चों के परिजनों ने बताया कि टूर्नामेंट में बच्चों के द्वारा अच्छा परफॉर्मेंस नहीं करने के बाद कमरा को बंद करके पीटा गया। सीसीटीवी कैमरा को रुमाल से ढंककर बच्चों को डंडा व बेल्ट से बुरी तरह पीटा गया। बच्चों को इतना मारा गया कि शरीर के कई हिस्से में निशान भी आ गए। बच्चों ने जब इसकी जानकारी अपने परिजनों को दी तो परिजन स्कूल में जाकर जमकर हंगामा किए। हंगामा को बढ़ता देख स्कूल के प्रिंसिपल ने स्पर्ट्स टीचर व बच्चों के परिजन से सारी जानकारी हासिल की। स्कूल के प्रिंसिपल ने बच्चों के परिजनों को कहा कि आयुष पर जरुर कार्रवाई की जाएगी। बच्चों को किसी भी हाल में मारना नहीं चाहिए था।

स्पोर्ट्स टीचर घर में ताला लगाकर भागा

बुधवार सुबह गोंदा थाना में स्पोर्ट्स टीचर आयुष कुमार सिन्हा के खिलाफ मामले की जानकारी थाने को दी गई। गोंदा थाना की ओर से बच्चों का मेडिकल चेकअप भी कराया गया है। बच्चों के परिजन कह रहे हैं कि जिस तरह से आयुष ने बच्चों को पीटा है उसे तुरंत गिरफ्तार कर जेल भेजा जाये। 10-12 साल के बच्चों को स्पोर्ट्स टीचर ने मारा। जब परिजन आयुष से मिलने गए तो उसके घर में ताला लगा था। परिजनों ने बताया कि आयुष घर में ताला लगाकर भाग गया है।

नीलगाय को शिकार बनाकर जंगल से निकला टाइगर:टेरिटरी के लिए भटक रहा व्यस्क बाघ, बेतिया के पास वनकर्मियों की दो टीम कर रही मॉनिटरिंग

बेतिया एक बाघ भटक कर करतहा नदी के रास्ते चनपटिया के पुरैना पहुंच गया। बुधवार की सुबह पुरैना शिव मंदिर के पास लोगों ने बाघ को देखा है। उसे देखने के बाद लोगों में दहशत का माहौल है। जंगल से बाहर निकलने से पहले उसने नीलगाय को शिकार बनाया था। डीएफओ के अनुसार बाघ ने अभी तक किसी पर हमला नहीं किया है। टेरिटरी के लिए एक व्यस्क बाघ जंगल से बाहर आया है। उसकी मॉनिटरिंग की जा रही है। बाघ पर नजर रखने के लिए 24 घंटे 15-15 सदस्यों की दो टीम काम कर रही है।

फिलहाल पुलिस माइकिंग कर लोगों को सतर्क कर रही है। सरेह की तरफ जाने से वन कर्मियों ने लोगों को मना कर दिया है। बाघ मैनाटांड़ के पूरैनिया में एक नीलगाय को शिकार करने के बाद लिपनी पहुंचा और उसके बाद भटकते हुए करताहा नदी के रास्ते चनपटिया के पिपरा गांव के सरेह होते हुए पुरैना पहुंच गया है। गन्ने की खेत में बाघ को देखने के बाद किसानों में दहशत का माहौल है। मंगुराहा वन रेंजर सुनील पाठक भी मौके पर पहुंचे हुए हैं। बृजेश सिंह वार्ड सदस्य ने कहा कि सुबह बाघ ने महिलाओं पर हमला किया था। हम भी गए तो बाघ ने अटैक करने की कोशिश की लेकिन मैं वहां से भाग आया। वन विभाग की टीम रेस्क्यू करने पहुंची है।

चाकू मारा, गला घोंटा, फिर तेजाब डालकर हत्या:भागलपुर में 36 घंटे बाद नाबालिग का शव बरामद, पिता बोले- प्रेमिका से मिलने गया था

भागलपुर भागलपुर में 36 घंटे से लापता सुमन कुमार (17) का शव घर से दस किलोमीटर दूर विक्रमशिला पुल के नीचे लहूलुहान स्थिति में मिला है। मामला परबत्ता थाना क्षेत्र का है। सोमवार की रात बाइक से सुमन अपने दोस्त लवकुश मंडल के साथ छोटी परबत्ता में रहने वाली प्रेमिका के घर की तरफ निकला था। प्रेमिका के गांव में पहुंचने से पहले सुमन अपने दोस्त लवकुश को बाइक लेकर वापस खगड़ा भेज दिया। परिजनों ने मंगलवार से सुमन की खोज खोजबीन शुरू की। सुमन का फोन भी स्वीच ऑफ आ रहा था। परिजन अपने स्तर से छानबीन करते रहे। वहीं बुधवार को सुमन का शव लहूलुहान स्थिति में विक्रमशिला पुल के नीचे किसानों ने शव देखा। इसके बाद परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और शव की पहचान किया। मृतक की पहचान खगड़ा दियारा निवासी अरुण मंडल के बेटे सुमन कुमार (17) के रूप में हुई है। मृतक के पिता का कहना है कि पहले चाकू मारकर घायल किया गया है। इसके बाद गला घोंटकर उसकी हत्या की गई। शरीर पर कई जख्म के निशान हैं। हत्या के बाद बदमाशों ने तेजाब डालकर उसे जलाने की भी कोशिश की। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

मृतक के पिता अरुण मंडल ने बताया कि सोमवार की रात सुमन अपने दोस्त लव कुश मंडल के साथ बाइक पर छोटी परबत्ता की तरफ निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। घर से निकलने से पहले उसने किसी को कुछ नहीं बताया। पिछले चार महीने से उसका परबत्ता की ओर आना-जाना था। मंगलवार की सुबह जब खोजबीन होने लगी तो लव कुश के घर सुमन की बाइक मिली। पूछने पर उसने बताया कि सुमन ने मुझे बुलाया था। फिर बाइक ले जाने के लिए कहा, तो मैं बाइक लेकर घर चला आया। मैने लगातार उसे कॉल किया, लेकिन उसका नंबर स्वीच ऑफ आ रहा था। रिश्तेदारों के घर भी पता लगाया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। बुधवार को लहूलुहान स्थिति में उसका शव देखा। सुमन की किसी से दुश्मनी नहीं थी।

गया के शेरघाटी कोर्ट में फायरिंग, गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्राया पूरा इलाका

गया: बिहार के शेरघाटी कोर्ट कैंपस में दिनदहाड़े गोलीबारी की घटना हुई है। गोलियों की तड़तड़ाहट से कोर्ट परिसर थर्रा उठा। अंधाधुंध फायरिंग में दो लोगों को गोली लगने की भी सूचना है। शेरघाटी स्थित कोर्ट कैंपस में अचानक फायरिंग से भगदड़ की स्थिति बन गई। गोलीबारी की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची शेरघाटी पुलिस टीम मामले के छानबीन में जुटी हुई है। अपराधियों की सुराग के लिए सीसीटीवी फुटेज को खंगाला जा रहा है। **बिहार के शेरघाटी कोर्ट परिसर में फायरिंग** बिहार के शेरघाटी कोर्ट परिसर में फायरिंग हुई है। बताया जा रहा है कि पेशी के लिए कोर्ट आए फोटू खान को दो गोलियां लगी है। इस गोलीबारी में एक पुलिसकर्मी भी घायल हुआ है। गया कोर्ट में फायरिंग से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। गोलीबारी में घायल फोटू खान और पुलिसकर्मी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गया जिले की शेरघाटी कोर्ट कैंपस में फायरिंग से पूरे इलाक में दहशत और अफरा-तफरी का माहौल हो गया। कोर्ट की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए एक हमलावर को पकड़ लिया। घटनास्थल से तीन खोखे भी पुलिस को मिले हैं। मामले की जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया गय। शेरघाटी के एएसपी इस गोलीबारी की घटना की जांच कर रहे हैं। पेशी के लिए शेरघाटी कोर्ट आए फोटू खान के बारे में बताया रहा है कि वो अनवर खान मर्डर केस में अभियुक्त है। आज तारीख थी तो पेशी के लिए शेरघाटी कोर्ट आया था। तभी हमलावरों ने कोर्ट में कैंपस में ही उस पर धावा बोल दिया। उसकी हत्या के नीयत से हमलावरों ने फायरिंग शुरू कर दी।

सरसों-राई भरपूर मुनाफे की फसल

शीत ऋतु की तिलहनी फसलों में राई-सरसों का एक प्रमुख स्थान है। सरसों के हरे पौधे से लेकर सूखे तने, शाखायें और बीज आदि सभी भाग उपयोग में आते है। सरसों की कोमल पत्तियाँ तथा कोमल शाखायें सब्जी के रूप में (सरसों का साग) प्रयोग की जाती है। सरसों का साग और मक्के दी रोटी उत्तर भारत में चाव से खाई जाती है। सरसों राई के बीज में 37-49 प्रतिशत तेल पाया जाता है। राई-सरसों के तेल में पाये जाने वाले असंतृप्त वसा अम्ल लिनोलिक एवं लिनालेनिक अम्ल अत्यावश्यक वसा अम्ल है। राई-सरसों का तेल खाने, सब्जी पकाने, शरीर तथा सिर में लगाने के अलावा वनस्पति घी बनाने में भी लाया जाता है। अचार बनाने, सब्जियाँ बनाने व दाल में तड़का लगानें मे सरसों के तेल का प्रयोग बखूबी से किया जाता है। सरसों और तोरिया के तेल का उपयोग साबुन, रबर तथा प्लास्टिक आदि के निर्माण में किया जाता है। इस्पात उद्योग में इस्पात प्लेटों में शीघ्र शीतलन और चमड़े को मुलायम करने में भी तेल का प्रयोग किया जाता ह। सरसों की खली के लगभग 25-30 प्रतिशत प्रोटीन, 5 प्रतिशत नाईट्रोजन, 1.8-2.0 प्रतिशत फॉस्फोरस तथा 1-1.2 प्रतिशत पोटेशियम पाया जाता है। इसका प्रयोग पशुओ को खिलाने तथा खाद के रूप में किया जाता है। सरसों-राई को भूमि संरक्षक फसल के रूप में भी उगाया जाता है। सरसों के हरे पौधे, सूखी पत्तियों को जानवरो को चारे के रूप में खिलाया जाता है।

भारत में उगाई जाने वाली तिलहनी फसलों में सरसों- राई का मूँगफली के बाद दूसरा स्थान है जो कि कुल तिलहन उत्पादन का 22.9 प्रतिशत है तथा तिलहनी फसलों के कुल क्षेत्रफल का 24.7 प्रतिशत क्षेत्रफल राई - सरसों के अन्तर्गत आता है। भारत में राई- सरसों वर्ग के अन्तर्गत तोरिया, भूरी सरसों, तारामिरा, करन राई तथा काली सरसों का उत्पादन किया जाता है परन्तु राई-सरसों वर्ग की फसलों के कुल क्षेत्रफल का 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा भूरी सरसों (राई या लाहा) के अन्तर्गत आता है, जिसका अधिकांश क्षेत्रफल राजस्थान, उ.प्र., पंजाब, हरियाणा, म.प्र., बिहार, पं. बंगाल, गुजरात तथा असम में है। राई-सरसों के अन्तर्गत सर्वाधिक क्षेत्रफल वाले प्रथम तीन राज्यों में राजस्थान, उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश जबकि उत्पादन में राजस्थान, उत्तर प्रदेश एवं हरियाना अग्रणीय राज्य है। इन फसलें की अउसत उपज में पहले स्थान पर हरियाना (1738 किग्रा. प्रति हैक्टर), दूसरे पर राजस्थान (1234 किग्रा.) एवं तीसरे स्थान पर गुजरात (1136 किग्रा.) कायम रहे। मध्य प्रदेश में सरसों - राई की खेती 0.71 मिलियन हेक्टेयर में की गई जिससे 074 मिलियन टन उत्पादन दर्ज किया गया तथा औसत उपज 1034 किग्रा. प्रति हेक्टेयर रही है। छत्तीसगढ़ में राई-सरसो की खेती 160.03 हजार हैक्टर में की गई जिससे 525 किग्रा. अउसत उपज प्राप्त हुई (वर्ष 2009-10)। प्रदेश के प्रमुख राई-सरसो उगाने वार्ल जिलो में सरगुजा, जगदलपुर, कोरिया, जशपुर, कांकेर, जांजगीर, धमतरी एवं दंतेबाड़ा जिले आते है। सरसों की खेती प्रदेश में अगेती फसल के रूप में की जाती है। आदिवासी अंचल में सरसों की फसल बाड़ी में मक्का फसल लेने के बाद की जाती है। सिंचित दशा में धान के बाद भी सरसों की फसल ली जा रही है। जाड़े की अवधि कम होने तथा सिंचाई के पर्याप्त साधन न होने के कारण प्रदेश मे सरसों की औसत उपज कम ही आती है। इन फसलों की खेती शुद्ध एवं मिश्रित फसल के रूप मे होती है।

उपयुक्त जलवायु

राई तथा सरसों रबी मौसम की फसल है जिसे शुष्क एवं ठण्डी जलवायु तथा चटक धूप की आवश्यकता होती है। इसकी खेती 30 से 40 सेमी. वार्षिक वर्षा वाले क्षेत्र में सफलतापूर्वक की जा सकती है। बीज अंकुरण बुआई के समय वातावरण का तापमान तथा फसल बढ़वार के लिए तापक्रम आदर्श माना गया है। वातावरण का तापक्रम से कम या 35-40 डि सेंटीग्रेट से अधिक होने पर फसल वृद्धि रूक जाती है। बीज में तेल की अधिकतम मात्रा के लिए 10-15 डि सेग्रे तापक्रम उपयुक्त रहता है। पौधों में फूल आने और बीज पड़ने के समय बादल और कोहरे से भरा मौसम हानिकारक होता है क्योंकि ऐसे मौसम में कीट और रोगों का प्रकोप की अधिक सम्भावना होती है। पौध वृद्धि व विकास के लिए कम से कम 10 घंटे की धूप आवश्यक है।

भूमि का चयन एवं खेत की तैयारी

सभी प्रकार के सरसों के लिए दोमट जलोढ़ भूमि सर्वोत्तम है। वैसे तो उत्तम जल निकास एवं भू-प्रबन्ध के साथ सरसों एवं राई सभी प्रकार की जमीन में उगाई जा सकती है। परन्तु बुलई दोमट और दुमट मिट्टी अधिक उपयुक्त हैं। उदासीन से हल्की क्षारीय भूमि (पीएच मान 7-8) इन फसलों की खेती के लिए अच्छी मानी जाती है।

शुद्ध फसल के लिये प्रायः एक जुताई मिट्टी पलट हल से करनी चाहिए तथा 3-4 जुताइयाँ देशी हल या कल्टीवेटर से करनी चाहिए। पाटा चलाकर खेत की मिट्टी को महीन, भुरभुरी तथा समतल कर लेते हैं। इससे जमीन में आर्द्रता अधिक लम्बे समय तक के लिये संचित रहती है, जो कि सरसों व राई के उत्तम अंकुरण एवं पौध बढ़वार के लिये आवश्यक है। मिश्रित रूप में बोई जाने वाली सरसों के खेत की तैयारी प्रधान फसल की आवश्यकतानुसार ही की जाती है।

उन्नत किस्में

प्रयोगों से सिद्ध हो चुका है कि अकेले उन्नत किस्मों के प्रयोग से पुरानी प्रचलित किस्मों की अपेक्षा 20-25 प्रतिशत अधिक उपज ली जा सकती है। छत्तीसगढ़ के लिए उपयुक्त उन्नत किस्मों में छत्तीसगढ़ सरसों, वरदान, रोहिनी, एनडीटी-8501, कृष्णा, जवाहर-1(जेएमडब्लूआर 93-39), माया, स्वर्ना, ज्योति, वशुंधरा, जवाहर मस्टर्ड, झुमका । भूरी सरसों में पूसा कल्यानी।

उपर्युक्त किस्मों की खेती दोनों राज्य म.प्र. एवं छत्तीसगढ़ में की जा सकती है। जेएम -1, जेएम - 2 व जेटी-1 किस्में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय द्वारा विकसित की गई है।

छत्तीसगढ़ सरसों- इंदिरा गांधी कृषि विश्व विद्यालय द्वारा विकसित यह किस्म 99-115 दिन में पक कर तैयार होती है। सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ की सिंचित व अर्द्ध सिंचित परिस्थितियों के लिए उपयुक्त किस्म है। इसके दाने कत्थई रंग व मध्यम आकर के होते हैं। उपज क्षमता औसतन 11.80 क्विंटल प्रति हेक्टेयर होती है। इसमें सफेद किट्ट (रस्ट), चूर्णिल आसिता आल्टरनेरिया झुलसा रोग तथा एफिड कीट का प्रकोप कम होता है।

बोआई उचित समय पर

राई-सरसों की शुद्ध फसल खरीफ में खेत पड़ती छोड़ने के बाद या खरीफ में ज्वार, बाजरा लेने के पश्चात् बोई जाती है। सरसों मुख्यतः गेहूँ, जौ, चना, मसूर व शरदकालीन गन्ना के साथ मिलाकर बोयी जाती है। आलू व सरसों की सह फसली खेती 3:1 अनुपात में की जाती है । शरदकालीन गन्ने की दो पंक्तियों के मध्य एक पंक्ति सरसो की बोई जा सकती है। गेहूँ और सरसों (9:1), चना और सरसों (3:1), तथा तोरिया और मसूर (1:1) की अन्तः फसली खेती भी लाभप्रद पाई गई है।

समय पर बुआई करना खेती में सफलता की प्रथम सीढ़ी है। सरसों की बुआई का समय मुख्यतः तापक्रम पर निर्भर करता है। बुआई के समय वातावरण का तापमान 26-30 डि.से. होना आवश्यक है। सरसों और राई की बुआई अक्टूबर के प्रथम पखवारे में करना चाहिए। अधिक तापमान होने की दशा में बुआई में देरी कर देनी चाहिए। तोरिया की बोनी सितम्बर के दूसरे पखवारे में करना चाहिए। तोरिया की बुआई देरी से करने पर फसल पर एफिड कीट का प्रकोप अधिक होता है।

बीज की मात्रा एवं बीजोपचार

अच्छी उपज लेने के लिए यह आवश्यक है कि प्रति हेक्टेयर खेत में उचित पौध संख्या स्थापित हो। सरसों की शुद्ध फसल हेतु 5-6 किलो प्रति हेक्टेयर तथा मिश्रित फसल उगाने के लिए 1.5-2 किलो प्रति हेक्टेयर बीज की आवश्यकता पड़ती है। तोरिया की बीज दर 4 किग्रा. प्रति हे. रखना चाहिए। बोने के पूर्व सरसों के बीज को फफूंदीनाशक रसायन जैसे कार्बेन्डिजिम (वाविस्टिन) 2 ग्राम प्रति किग्रा. बीज या थीरम (2.5 ग्राम दवा प्रति किलो बीज के हिसाब से) उचारित करना चाहिए जिससे फसल को मृदा जनित रोगों से बचाया जा सके।

बोआई की विधियाँ

सरसों फसल की बुवाई पंक्तियों में 45 सेमी. और पौधों में 15-20 सेमी. के अन्तर से करना चाहिये। तोरिया की बुआई पंक्तियों में 30 सेमी. और पौधों में 10-15 सेमी. के अन्तर पर करना उचित रहता है। बुआई के समय यह ध्यान रखना चाहिये कि बीज उर्वरक के सम्पर्क में न आये अन्यथा अंकुरण प्रभावित होगा। अतः बीज 3-4 सेमी. गहरा तथा उर्वरक को 7-8 सेमी. गहराई पर देना चाहिए। अच्छे अंकुरण एवं उचित पौध संख्या के लिए बुआई से पूर्व बीजों को पानी में भिगोकर बोया जाना चाहिए।

खाद एवं उर्वरक की सही खुराक

सरसों भारी मात्रा में और शीघ्रता से भूमि से पोषक तत्व ग्रहण करती है। अतः खाद और उर्वरकों के माध्यम से फसल के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की प्रतिपूर्ति आवश्यक है। बुआई के 15-20 दिन पूर्व 10-15 टन सड़ी हुई गोबर की खाद खेत मे मिलाने से पउध वृद्धि और उपज में बढ़ोत्तरी होती है। राई व सरसों की सिंचित फसल में 100-120 किग्रा. नत्रजन, 40 किग्रा. स्फुर व 40 किग्रा. पोटाश प्रति हेक्टेयर प्रयोग करना चाहिए। असिंचित अवस्था में 40 किग्रा. नत्रजन, 30 किग्रा. स्फूर व 20 किग्रा. पोटाश प्रति हे. की दर से प्रयोग करना चाहिए। पोषक तत्वो की वास्तविक मात्रा का निर्धारण मृदा परीक्षण के आधार पर किया जाता है। मृदा परीक्षण नहीं किया गया है तो तोरिया की सिंचित फसल के लिए 90 किग्रा. नत्रजन 30 किग्रा. स्फुर तथा 20 किग्रा. पोटॉश प्रति हे. तथा असिंचित दशाओं में इसकी आधी मात्रा प्रयोग करनी चाहिए। सिंचित अवस्था में नत्रजन की आधी मात्रा तथा फास्फोरस व पोटाश की पूरी मात्रा बुआई के समय कूड़ो में बीज के नीचे देना चाहिए। शेष नत्रजन पहली सिंचाई के बाद देना चाहिए। भूमि मे जिंक की कमी होने पर 5-10 किग्रा. जिंक (जिंक सल्फेट के माध्यम से) बुआई के समय देना लाभप्रद पाया गया है। नत्रजन को अमोनियम सल्फेट तथा फास्फोरस सिंगल सुपर फास्फेट के रूप में देने से फसल को आवश्यक सल्फर तत्व भी मिल जाता है जिससे उपज और बीज के तेल की मात्रा बढ़ती है।

सिंचाईसे बड़े पैदावार

सरसो में सिंचाई देने से उपज मे वृद्धि होती है। अच्छे अंकुरण के लिए भूमि मे 10-12 प्रतिशत नमी होना आवश्यक रहता है। कम नमी होने पर एक हल्की सिंचाई देकर बुआई करना लाभप्रद रहता है। सरसों फसल में 2-3 सिंचाइयों की आवश्यकता होती है। इस फसल को औसतन 40 सेमी. जल की आवश्यकता होती है। पहली सिंचाई बुआई के 25-30 दिन बाद (4-6 पत्ती अवस्था) और दूसरी सिंचाई फूल आते समय (बुआई के 70-75 दिन बाद) करनी चाहिए। प्रथम सिंचाई देर से करने पर पौधों में शाखायें, फूल व कलियां अधिक बनती है। सरसों में पुष्पागम और शिम्बी लगने का समय सिंचाई की दृष्टि से क्रांतिक होता है। इन अवस्थाओं पर भूमि में नमी की कमी होने से दानें अस्वस्थ तथा उपज और दाने में तेल की मात्रा में कमी होती है।

खेत खरपतवार मुक्त रहे

राई एवं सरसों में खरपतवारों के कारण 20 - 30 प्रतिशत तक उपज मे कमी आ सकती है। फसल में बथुआ, चटरी-मटरी, सैंजी, सत्यानाशी, मौथा, हिरनखुरी आदि खरपतवारों का प्रकोप होता है। पौधों की संख्या इष्टतम होने से प्रत्येक पौधों का विकास अच्छा होता है, शाखायें अधिक निकलती है जिससे पौधों पर फलियाँ अधिक बनती है क्योंकि पौधो को उचित प्रकाश, जल और पोषक तत्व समान रूप से उपलब्ध होते है। बुआई के 15-20 दिन बाद एक निंदाई-गुड़ाई करें तथा पौधों- से-पौधें की दूरी छँटाई करके 15-20 सेमी. कर देना चाहिए। पंक्ति में घने पौधो को उखाड़कर पौध से पौध की उचित दूरी रखने को विरलन कहते है। जब फसल में पहली फूल की शाखा निकल आये तब ऊपरी हिस्सा तोड़ देने मे शाखाये, फूल व फलियाँ अधिक बनती है जिससे उपज मे वृद्धि होती है। पौधों के इस कोमल भाग को सब्जी के रूप में बाजार में बेचा जा सकता है या पशुओं को खिलाने के लिए प्रयोग मे लाना चाहिए। खरपतवारों के रासायनिक नियंत्रण के लिए पेन्डीमेथालिन (स्टाम्प) 0.5-1.5 किग्रा. या आइसोप्रोट्यूरान 1-1.3 किग्रा. प्रति हे. को 800-100 लीटर पानी में घोलकर अंकुरण से पहले छिड़काव करना चाहिए। यदि सरसों को चने क साथ लगाया गया है तब खरपतवार नियंत्रण के लिए फ्लूक्लोरालिन (बेसालिन) 0.75-1 किग्रा. प्रति हेक्टेयर को बुआई के पूर्व खेत मे छिड़कना चाहिए।

कटाई एवं गहाई पर भी ध्यान

तोरिया की फसल 90-100 दिन तथा राई की फसल 120-150 दिन में पककर तैयार हो जाती है। पकने पर पत्तियाँ पीली पड़ जाती है और बीजों का प्राकृतिक रंग आ जाता है। अपरिपक्व अवस्था में कटाई करने पर उपज में कमीं आ जाती है और तेल की मात्रा भी घट जाती है। फलियों के अधिक पक जाने पर वे चटख जाती हैं और बीज झड़ने लगते है। फल्लियों एवं पत्तियो के पील पड़ने के साथ ही फसल की कटाई हँसिये से या फिर पौधों को हाथ से उखाड़ लेना चाहिये। कटाई उपरान्त फसल को 2 - 3 सप्ताह तक खलिहाँन में सुखाया जाता है, फिर डंडो से पीटकर या बैलो की दाय चलाकर या ट्रेक्टर से मड़ाई की जाती है। आज कल मड़ाई के लिए थ्रेसर का भी प्रयोग किया जाता है। मड़ाई के बाद बीजों को भूसे से अलग करने के लिए पंखे का प्रयोग करते है या हवा में ओसाई करते है।

उपज हो भरपूर

सरसों एवं तोरिया की मिश्रित फसल से 3-5 क्विंटल तथा शुद्ध असिंचित फसल से 10-12 क्विंटल तथा सिंचिंत फसल से 12-15 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त होती है। उन्नत सस्य तकनीक अपनाकर असिंचित राई से 15-20 क्विंटल तथा सिंचित राई से 20-25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर उपज प्राप्त की जा सकती है। भूसा भी लगभग 15-20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर प्राप्त होता है। बीज को अच्छी तरह धूप में सूखाना चाहिए। सरसों के दानों में भण्डारण के समय नमी की मात्रा 7-10 प्रतिशत होना चाहिए। सरसों-राई के बीज में 38-40 प्रतिशत, तोरिया में 42-44 प्रतिशत तथा भूरी व पीली सरसो में 43-48 प्रतिशत तेल पाया जाता है ।

सरसों की खेती में कीट रोगों से बचाव के उपाय

राई की खेती में फूल आने और दाना भरने की अवस्था अधिक संवेदनशील होती है। राई में झुलसा रोग, सफेद गेरूई रोग, तुलसिता रोग, आरा मक्खी एवं मॉहू कीट आदि का प्रकोप हो जाता है, इनसे बचाव करके अच्छी उपज पाई जा सकती है। कृषि विभाग के प्रसार शिक्षा एवं प्रशिक्षण ब्यूरो से प्राप्त जानकारी के अनुसार राई में झुलसा रोग के तहत पत्तियों और फलियों पर गहरे कत्थई धब्बे बन जाते हैं जिसमें गोल गोल छल्ले स्पष्ट दिखाई देते हैं। इसके अतिरिक्त सफेद गेरूई रोग में निचली सतह पर फफोले बनते हैं और बाद में पुष्प विन्यास विकृत हो जाता है। जब कि तुलसिता रोग में निचली सतह पर सफेद रोयेन्दार फफून्दी के साथ ऊपरी सतह पर पीलापन आ जाता है। झुलसा, सफेद गेरूई एवं तुलसिता तीनों ही रोगों पर नियन्त्रण के लिए जिंक मैग्नीज कार्बोनेट 75 प्रतिशत दो किलो ग्राम या जीरम 80 प्रतिशत 2 किलोग्राम या जिनेव 75 प्रतिशत 2.5 किलोग्राम प्रति हे0 की दर से 800-1000 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। इन रोगों के अतिरिक्त आरा मक्खी कीट भी राई में लग जाते हैं। इसकी गिडार काले रंग की होती है, जो पत्तियों को बहुत तेजी से खाती है। इसकी रोकथाम के लिए इन्डोसल्फान 35 ई0सी0 1.25 लीटर पानी या मैलाथियान 50 ई0सी01.5 लीटर, क्यूनालफास 1.5 प्रतिशत धूल अथवा इण्डोसल्फान 4 प्रतिशत धूल अथवा मिथाइल पैराथियान 2 प्रतिशत धूल 25 किग्रा0 प्रति हे0 की दर से प्रयोग करें। राई में लगने वाला माहू कीट भी काफी हानिकारक होता है। यह छोटा एवं कोमल शरीर वाला हरे मटमेले भूरे रंग का कीट है, जिसके झुण्ड पत्तियों, फलों, डंठलों,फलियों आदि पर चिपके रहते हैं एवं रस चूसकर पौधों को कमजोर कर देते हैं। इसकी रोकथाम के लिए मैलाथियान 50 प्रतिशत ई0सी0 2 लीटर या इण्डोसल्फान 35 ई0सी0 1.25 लीटर मोनोक्रोटोफास 36 एस0एल0 0.75 लीट प्रति हे0 की दर से 800-1000 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।

पिज्जा हट का रेवेन्यू 56 हजार करोड़ किराए के कमरे से शुरुआत; आज दुनियाभर में 19 हजार से ज्यादा रेस्टोरेंट्स

पिज्जा हट। एक ऐसी कंपनी जो भारतीय नहीं है, लेकिन भारतीयों की पसंद जरूर है। बर्थडे पार्टी हो या फिर ऑफिस की पार्टी... पिज्जा हट का पिज्जा ज्यादातर लोगों की पहली पसंद होता है। हाल ही में सोशल मीडिया पर इजराइली सेना की तस्वीर वायरल हुई, जिसमें पिज्जा हट इजराइली आर्मी को फ्री मील्स डिलीवर करती दिख रही है।

कुछ लोग इजराइल का समर्थन करने के लिए पिज्जा हट का विरोध कर रहे हैं। 1958 में किराए की दुकान से शुरू हुई पिज्जा हट का रेवेन्यू 56 हजार करोड़ रुपए है। इजराइली सेना की पिज्जा हट के साथ ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। 1958 की बात है। अमेरिका के विशिटा शहर में कॉलेज में पढ़ने वाले दो भाई डेन और फ्रैंक कार्नी बिजनेस शुरू करने का प्लान बनाते हैं, पर कौन सा बिजनेस, ये तय नहीं कर पाते हैं। कुछ दिन बाद डेन और फ्रैंक के फैमिली फ्रेंड जॉन बेंडर उनके घर आते हैं। दोनों भाई जॉन से बिजनेस शुरू करने के बारे में बताते हैं, तो वे उन्हें पिज्जा का आइडिया देते है। डेन और फ्रैंक को जॉन का आइडिया पसंद आया। दोनों को मां की तरफ से 600 डॉलर मिले। इस अमाउंट से दोनों भाइयों ने पिज्जा हट की शुरुआत की। डेन और फ्रैंक की शुरुआती दिनों की तस्वीर, जब उन्होंने पिज्जा बेचने का बिजनेस शुरू किया था।

56 गज की किराए की दुकान और सेकेंड हैंड बर्तनों के साथ कार्नी ब्रदर्स ने पिज्जा की दुकान की शुरुआत की। दुकान के बाहर बोर्ड पर सिर्फ 8 अक्षरों की जगह थी। इसलिए दुकान का नाम Pizza Hut रखा गया। डेन और फ्रैंक ने जिस रात रेस्टोरेंट खोला, उस रात पिज्जा फ्री बांटे। लोगों ने कार्नी भाइयों के इस कदम को सराहा। धीरे-धीरे पिज्जा हट की चर्चा आस-पास के इलाकों में होने लगी और एक साल के भीतर फ्रैंक और डेन ने कंसास के टोपेका में पहली फ्रेंचाइजी खोली। विशिटा शहर में स्थित वो दुकान, जहां से पिज्जा हट की शुरुआत हुई थी। एक समय एलीट क्लास की पसंद कहलाने वाला पिज्जा कुछ ही समय में टीनएजर्स के बीच पॉपुलर हो गया। लोगों के बीच पिज्जा हट की दीवानगी सिर चढ़कर बोलने लगी और कार्नी ब्रदर्स एक के बाद एक फ्रेंचाइजी खोलने लगे। जिससे बिजनेस बढ़ने लगा। लगातार बढ़ रहे बिजनेस को देखते हुए दोनों भाइयों ने विज्ञापन करने के बारे में सोचा। इसके बाद 1967 में कंपनी ने पहला ऐड टीवी पर रिलीज किया।

पेप्सीको को बेचा बिजेनस

1977 में कार्नी ब्रदर्स ने आपसी सहमति से 2500 करोड़ में पिज्जा हट पेप्सीको को बेच दिया। 1986 में कंपनी ने डलास, टेक्सास में 5000वां रेस्टोरेंट खोला। इसी के साथ मार्केट में कंपनी के कई कॉम्पिटिटर भी आ गए। 1990 आते-आते पिज्जा हट को मैकडॉनल्ड्स और डोमिनोज टक्कर देने लगे थे।

ऑनलाइन ऑर्डर्स लेने वाली पहली पिज्जा चेन अमेरिका में 1991 में पिज्जा हट को फूड चेन कंपनी मैकडॉनल्ड्स से कड़ी टक्कर मिलने लगी। इसी के चलते साल 1994 में कंपनी ने ऑनलाइन ऑर्डर लेना शुरू किया। पिज्जा हट दुनिया की पहली कंपनी बनी , जिसने ऑनलाइन ऑर्डर्स की सेवा शुरू की। पिज्जा हट को खरीदने के साथ पेप्सीको ने रेस्टोरेंट बिजनेस में एंट्री की। कंपनी ने आने वाले सालों में केएफसी, टाको बेल जैसी कई रेस्टोरेंट कंपनियों को खरीदा। इसके बाद 1997 में पेप्सीको ने रेस्टोरेंट बिजनेस को मैनेज करने के लिए ट्रॉयकॉन इंटरनेशनल कंपनी बनाई, जिसे बाद में रिब्रांड कर यम नाम दिया। पिज्जा हट इसी यम ब्रांड के अंडर काम करता है। यम के दुनिया के अलग-अलग देशों में 43 हजार से ज्यादा रेस्टोरेंट्स हैं। कंपनी की नेटवर्थ करीब 3 लाख करोड़ रुपए और रेवेन्यू 56 हजार करोड़ रुपए है।

चांद पर पिज्जा हट एडवर्टाइजमेंट करवाना चाहती थी

पिज्जा हट एक बार चांद पर लेजर के जरिए अपने लोगो का विज्ञापन करना चाहती थी। कंपनी ने इसके लिए कई वैज्ञानिकों की टीम भी बनाई थी। लोगो अमेरिका के टेक्सास राज्य जितना बड़ा होने वाला था। जिसके लिए अरबों रुपए खर्च होने थे। जिसके बाद पिज्जा हट ने इस आइडिया को ड्रॉप कर दिया। **भारत में देवयानी इंटरनेशनल चलाती है पिज्जा हट** भारत का पहला पिज्जा हट 18 जून 1996 को कर्नाटक के बेंगलुरु में खुला। कंपनी भारत में देवयानी इंटरनेशनल कंपनी के साथ मिलकर बिजनेस चलाती है। देवयानी इंटरनेशल पिज्जा हट के अलावा टॉको बेल्स और केएफसी को भी कंट्रोल करती है। कंपनी के भारत में 530 से ज्यादा रेस्टोरेंट हैं। रिसर्च फर्म स्टेटिस्टा की रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत में इस कंपनी की 43 प्रतिशत ग्रोथ हुई है। पिज्जा हट ने पिछले साल भारत में 7000 करोड़ रुपए का रेवेन्यू जनरेट किया है।

पिज्जा बनाने में किए कई बदलाव लोगों की पसंद और बदलते ट्रेंड का पिज्जा हट ने हमेशा ध्यान रखा। कंपनी के नए स्टफ्ड क्रस्ट पिज्जा और पैन पिज्जा लोगों के बीच बेहद पॉपुलर हैं। इसी के साथ कंपनी ने अलग अलग देशों के लिए अपने रेस्टोरेंट्स के मेन्यू में भी कई बदलाव किए हैं। भारत की बात करें तो कंपनी ने मेन्यू में तंदूरी मशरूम पिज्जा, स्पाइस्ड पिज्जा और पनीर क्लासिकल पिज्जा को रखा है।

चाइल्डहुड ट्रॉमा भी हो सकता है हार्ट-अटैक का कारण

इंडियन हार्ट एसोसिएशन की हाल ही में एक रिपोर्ट आई। इस रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय पुरूषों में हार्ट अटैक के कुल मामलों में 50% केस 50 साल से कम उम्र में होते हैं। युवाओं में हार्ट अटैक के मामले बढ़ने के पीछे यह तर्क दिया जाता है कि इसके लिए बदलती लाइफस्टाइल, अनहेल्दी फूड और वर्क लोड जिम्मेदार है। एक हद तक यह बात ठीक भी है। मगर क्या हो अगर हम ये कहें कि युवावस्था में हार्ट अटैक के लिए उनका बचपन भी जिम्मेदार हो सकता है। मुमकिन है आप यकीन न करें, लेकिन यह एक कड़वा सच है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के जर्नल में इसी को लेकर एक स्टडी छपी है। स्टडी के अनुसार, जिन बच्चों को घर-परिवार या आसपास के माहौल से ज्यादा तनाव झेलना पड़ता है, उनमें बड़े होने पर कार्डियोमेटाबॉलिक सिंड्रोम बढ़ जाता है। इस सिंड्रोम की वजह से दिल की बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। जर्मनी के चाइल्ड साइकोलॉजिस्ट एलिस मिलर अपनी किताब 'प्रिजनर्स ऑफ चाइल्डहुड' में लिखती हैं कि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान 12 साल से कम उम्र के बच्चे अपनी एडल्ट लाइफ में गंभीर मानसिक और शारीरिक परेशानियों के शिकार हुए। अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन की एक स्टडी के अनुसार, बचपन में किसी तरह के ट्रॉमा से गुजरने वाले बच्चों में आत्महत्या करने और ड्रग्स लेने की आशंका 5 हजार गुना बढ़ जाती है। बच्चे इस ट्रॉमा की वजह से कई तरह की बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। बचपन की कुछ बीमारियां भी अकसर उम्र भर उनका पीछा नहीं छोड़तीं। तनाव यानी डिप्रेशन किसी भी उम्र में हो सकता है। आज बच्चों में भी तनाव बड़ी समस्या है। ट्रॉमा झेलने वाले बच्चों में कई तरह के मानसिक और शारीरिक बदलाव आते हैं। अगर आपको अपने बच्चे में ये बदलाव दिखे तो सतर्क हो जाएं। जैसेकि- बच्चे का किसी से घुलना-मिलना पसंद न करना। ज्यादातर अकेले, गुमसुम और उदास रहना। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करना। बच्चे का नाखून चबाना या 5 साल की उम्र के बाद भी बिस्तर गीला करना। बच्चे की भूख खत्म हो जाना या बहुत ज्यादा खाना। बच्चे का बार-बार मूड स्विंग होना। मनोचिकित्सक डॉ. आस्था सक्सेना बताती हैं कि बच्चों को किसी भी तरह के ट्रॉमा से निकालने के लिए अच्छी परवरिश बहुत जरूरी है। कई बार ट्रॉमा के पीछे माता-पिता का बच्चों के साथ व्यवहार भी जिम्मेदार होता है। किसी भी बच्चे के लिए जीवन के शुरूआती 14 साल बेहद महत्वपूर्ण होते हैं। यह बच्चे की लाइफ के लिए नींव का काम करते हैं। बच्चा अपने माता-पिता या आसपास के माहौल से जो कुछ भी सीखता-समझता है, वह उसके आने वाले जीवन पर असर डालता है। क्योंकि इस दौरान बच्चे के बर्ताव और उसकी सोचने-समझने की क्षमता में भी बदलाव होता है। इसलिए माता पिता को इस उम्र तक बच्चों का खास ध्यान रखना चाहिए। अमेरिकन साइकोलॉजिस्ट डायना बॉमरिंड ने 1965 में बच्चों की परवरिश को लेकर पेरेंटिंग के तीन तरीके बताए, जिसमें बाद के मनोवैज्ञानिकों ने और भी तरीके जोड़े। आइए बच्चों की परवरिश को लेकर साइकोलॉजिस्ट्स द्वारा बताए गए इन्हीं चार तरीकों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

1-अथॉरिटेटिव पेरेंटिंग- अथॉरिटेटिव पेरेंटिंग में बच्चा किसके साथ खेलता है, किस तरह का व्यवहार करता है या पढ़ाई में कैसा प्रदर्शन कर रहा है, इन सबकी पूरी खबर पेरेंट्स रखते हैं। अगर बच्चा कुछ गलत करता है तो उसे पनिशमेंट भी देते हैं। बच्चों के लिए कुछ रूल्स भी बनाते हैं। कुल मिलाकर इस तरीके में पेरेंट्स बच्चों के गलत व्यवहार पर रोक-टोक भी लगाते हैं और अच्छा करने पर शाबाशी भी देते हैं। पेरेंटिंग के इस तरीके से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है। बच्चे को किसी भी तरह का तनाव होने की बेहद कम संभावना होती है।

2-अथॉरिटेरियन पेरेंटिंग- पेरेंटिंग के इस तरीके में माता-पिता बच्चों के साथ बहुत सख्त व्यवहार करते हैं। जो बच्चों से कह दिया जाता है, उन्हें वही मानना होता है। किसी भी बात को लेकर बच्चों की कोई सफाई नहीं सुनी जाती है। ऐसे में बच्चे की मेंटल ग्रोथ पर नकारात्मक असर पड़ता है। बच्चा अपनी बात तक नहीं रख पाता, जिससे वह तनावग्रस्त हो सकता है। ऐसी परवरिश में बच्चे आगे चलकर बहुत ज्यादा एग्रेसिव हो जाते हैं या दूसरों पर बहुत ज्यादा निर्भर।

3. परमिसिव पेरेंटिंग- इस पेरेंटिंग में बच्चों को मनमाफिक काम करने की खुली छूट होती है। वो सही या गलत कुछ भी करें, उन्हें बिल्कुल टोका नहीं जाता। पेरेंट्स उसकी हर डिमांड को तुरंत पूरा कर देते हैं। इसके रिजल्ट बहुत खराब होते हैं क्योंकि इस तरह की पेरेंटिंग में बच्चों में सेल्फ कंट्रोल नहीं आ पाता। वह घर-परिवार या आसपास के लोगों के साथ सही बर्ताव नहीं करते।

4. अनइंवॉल्वड पेरेंटिंग- इस पेरेंटिंग में माता-पिता बच्चों पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं देते। वह न तो बच्चों से बहुत ज्यादा प्यार जताते हैं और न ही उनके लिए किसी भी तरह के रूल्स बनाते हैं। ऐसी पेरेंटिंग में ज्यादातर माता-पिता खुद की उलझनों में फंसे रहते हैं। उनके पास बच्चे के लिए समय ही नहीं होता। इसमें बच्चा खाना-पीना, पढ़ना-लिखना खुद ही तय करता है। वह किसी पर भी निर्भर नहीं रहता। इस पेरेंटिंग में ज्यादातर बच्चों के भविष्य पर खराब असर पड़ता है।

मेटाबॉलिज्म बिगड़ना बीमारियों की जड़ स्मार्ट वॉच या फिटनेस बैंड से जानें बॉडी का मेटाबॉलिक रेट

आज के युवा आकर्षक दिखने के साथ-साथ सेहत पर निगरानी के लिए स्मार्ट वियरेबल गैजेट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। वो स्मार्ट वॉच, फिटनेस बैंड, ट्रैकिंग डिवाइस जैसे वियरेबल गैजेट्स पहन रहे हैं। आमतौर पर लोग हजारों रूपए के इन स्मार्ट गैजेट्स को हार्ट-बीट्स या स्टेप कांउट्स करने के लिए पहनते हैं, लेकिन इनका काम सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। ये कई तरह की बीमारियों के बारे में जानकारी भी दे सकते हैं। जिससे कोई भी समय रहते सचेत हो सकता है। अमेरिका में सर्च इंजन गूगल ने इसी को लेकर एक हेल्थ स्टडी की है।

WEAR-ME नाम की इस स्टडी में फिटनेस बैंड या स्मार्ट वॉच पहनने वाले 21 से 80 साल के 1500 लोगों को शामिल किया गया। स्टडी में पाया गया कि स्मार्ट वॉच, फिटनेस बैंड, ट्रैकिंग डिवाइस जैसे स्मार्ट वियरेबल गैजेट्स मेटाबॉलिज्म रेट में होने वाले बदलावों को ट्रैक कर सकते हैं। जिसकी वजह से कई गंभीर बीमारियों का पता पहले ही लग जाता है।

क्या होता है मेटाबॉलिज्म शरीर को कामकाज के लिए एनर्जी की जरूरत होती है। इसके लिए हम खाना खाते हैं। इस खाने को पचाकर एनर्जी में बदलने की प्रक्रिया ही 'मेटाबॉलिज्म' है। यह कभी बंद नहीं होती। शरीर के सभी अंगों को किसी भी काम के लिए एनर्जी मेटाबॉलिज्म ही देता है।

यह उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार, हर किसी का अलग-अलग होता है। 40 की उम्र के बाद मेटाबॉलिज्म कम होता जाता है।

बॉडी फंक्शन के लिए कम से कम जितनी मात्रा में कैलोरी की जरूरत होती है। उसे मेटाबॉलिक रेट कहा जाता है।

बॉडी का मेटाबॉलिज्म कैसे कर रहा काम, सेंसर्स बताते हैं

स्मार्ट वॉच, फिटनेस बैंड, ट्रैकिंग डिवाइस जैसे सभी वियरेबल गैजेट्स ब्लड प्रेशर मापने के लिए सेंसर और एल्गोरिदम का प्रयोग करते हैं। इन डिवाइस में सेंसर्स कलाई की आर्टरीज में ब्लड फ्लो में होने वाले बदलाव का पता लगाते हैं। ब्लड फ्लो में कमी या इजाफा, दोनों ही स्थितियों में ये शरीर के लिए ठीक नहीं है। ये बताता है कि कहीं कुछ तो गड़बड़ चल रही है। अब सावधान हो जाना चाहिए या डॉक्टर से कंसल्ट करना चाहिए। वहीं, ये स्मार्ट गैजेट्स एक्सरसाइज के दौरान पसीने में पाए जाने वाले ग्लूकोज और लैक्टेट जैसे बायोमार्कर मॉलिक्यूल्स को भी ट्रैक करते हैं, जो बताता है कि आपका ग्लूकोज मेटाबॉलिज्म कितनी अच्छी तरह काम कर रहा है। अगर बॉडी लैक्टेट या ग्लूकोज ज्यादा सोख रही है तो इसका मतलब है कि लिवर और मसल्स को यह नुकसान पहुंचा सकता है।

मेटाबॉलिक रेट बिगड़ने के नुकसान फिजिशियन डॉ. अकबर नकवी बताते हैं कि पाचन तंत्र में मौजूद कुछ केमिकल्स और एंजाइम्स हमारे खाने को ग्लूकोज में बदलने का काम करते हैं। शरीर इससे मिलने वाली एनर्जी का या तो तुरंत उपयोग कर लेता है, या फिर फैट के रूप में जमा कर लेता है। ऐसे में मेटाबॉलिज्म के बिगड़ने पर शरीर में कई तरह की बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है।

मेटाबॉलिज्म दो तरह के होते हैं- स्लो मेटाबॉलिज्म- खाने में प्रोटीन या कैलोरी की मात्रा कम होने से मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है, जिससे शरीर सुस्त पड़ने लगता है। इससे ब्लड प्रेशर कम, हाई कोलेस्ट्रॉल, जोड़ों में दर्द या कमजोरी महसूस होती है। साथ ही डिप्रेशन में जाने का खतरा भी रहता है। हाई मेटाबॉलिज्म- हाई मेटाबॉलिज्म किन्ही खास दवाओं, ब्रेन के फंक्शन में बदलाव या थायराइड की वजह से हो सकता है। इसमें व्यक्ति को भूख ज्यादा लगती है। साथ ही दिल से जुड़ी बीमारियां होने का खतरा बढ़ जाता है। **मेटाबॉलिज्म की निगरानी जरूरी क्यों है** शरीर में ग्लूकोज एनर्जी का मुख्य सोर्स है। मेटाबॉलिज्म टेस्ट के जरिए शरीर को पर्याप्त मात्रा में ग्लूकोज मिल रहा है या नहीं, यह चेक किया जा सकता है।

पुरुष शराब दुकान पर सबसे ज्यादा जाते हैं:डॉक्टर के पास जाने में सबसे पीछे, क्या सच में मर्द को दर्द नहीं होता

पुरुष पब और बार में जाते हैं। पुरुष दारू के ठेके पर जाते हैं। पुरुष होटल, रेस्तरां में खाना खाने जाते हैं। पुरुष सिनेमा हॉल में फिल्म देखने जाते हैं। इन सारी जगहों पर पुरुष महिलाओं से कहीं ज्यादा बड़ी संख्या में जाते हैं। qucit में प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक पूरी दुनिया में सार्वजनिक जगहों पर महिलाओं और पुरुषों की मौजूदगी का अनुपात 3:7 का है। यानी हर 7 पुरुष पर 3 महिलाएं। पुरुष सबसे ज्यादा घरों से निकलते हैं और बाहर की दुनिया में हर जगह जाते हैं। लेकिन एक जगह है, जहां वो सबसे कम जाते हैं- डॉक्टर के पास। हालांकि कबीर के "बरसे कंबल भीगे पानी" की तरह इसमें भी एक उलटबांसी है। अस्पतालों में और डॉक्टरों के पास यूं तो पुरुष सबसे ज्यादा जाते हैं, लेकिन फिर भी सबसे कम जाते हैं। आप सोचेंगे कि इसका क्या मतलब हुआ भला। कहने का आशय ये है कि अपनी डायबिटीज को लास्ट स्टेज तक पहुंचाकर, किडनी को पूरी तरह खराब करके, लिवर के 80 पर्सेंट डैमेज होने के बाद या हार्ट अटैक के बाद पुरुष सबसे ज्यादा डॉक्टर के पास जाते, माफ कीजिएगा, जाते नहीं, बल्कि ले जाए जाते हैं। लेकिन ऐसी नौबत आने से पहले, शरीर में थोड़ी भी दिक्कत या असुविधा होने पर वे डॉक्टर के पास नहीं जाते। हालांकि इस मामले में पुरुषों से कहीं बेहतर हैं महिलाएं। चाहे शरीर की तकलीफ हो या मन की, वो डॉक्टरी सलाह और मदद लेने में पुरुषों से कहीं आगे हैं। ये बात अलग है कि मेडिकल साइंस में औरत की सेहत पर रिसर्च के लिए ग्रांट किया जा रहा फंड, मेन्स हेल्थ के लिए आ रहे फंड के मुकाबले एक तिहाई है। यह मैं नहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन के ग्लोबल सर्वे की एक रिपोर्ट कह रही है। अमेरिका के क्लीवलैंड, ओहायो में स्थित क्लीवलैंड क्लिनिक ने 2016 से लेकर 2019 तक हर साल यह सर्वे किया कि क्रॉनिक हेल्थ कंडीशन के बिना रेगुलर हेल्थ चेकअप और मामूली परेशानी के लिए अस्पताल और डॉक्टर के पास जाने वालों का जेंडर अनुपात क्या है।

सर्वे में शामिल 72% पुरुषों ने कहा कि वे डॉक्टर के पास जाना पसंद नहीं करते। 60% ने कहा कि उन्हें डॉक्टर की जरूरत ही नहीं है। 20% ने माना कि वो डॉक्टर से सब सच नहीं बताते या झूठ बोलते हैं कि उनकी सेहत के साथ सब चंगा है। कहने की जरूरत नहीं कि आखिरी मौके तक डॉक्टर के पास जाना अवॉइड करने, मदद न मांगने, भीतर कमजोर होते जाने और बाहर से ताकतवर बने रहने का नतीजा ये होता है कि एक दिन उन्हें स्ट्रेचर पर बिठाकर अस्पताल ले जाया जाता है। सर्वे और आंकड़े जिस तथ्य की ओर इशारा कर रहे हैं, थोड़ा उसकी तह में उतरकर देखने की जरूरत है। उसकी समाजशास्त्रीय पड़ताल करने की। मेरे एक करीबी रिश्तेदार जिंदगी में कभी डॉक्टर के पास नहीं गए। इस बात को वो बड़े गर्व से महानता के मेडल की तरह अपनी छाती पर टांगकर घूमते थे। अपनी पत्नी को यह कहकर चिढ़ाते कि ये तो जरा सी छींक आने पर डॉक्टर साहब से नुस्खा पूछने पहुंच जाती हैं। उनकी जिंदगी के आखिरी दस साल एक्यूट अल्जाइमर्स के साथ गुजरे। जब तक उन्हें डॉक्टर के पास ले जाते, डिमेंशिया चौथे स्टेज पर पहुंच चुका था। दवाइयों से स्थिति को नियंत्रित किए जा सकने की नियंत्रण रेखा के पार। घर के एक और पुरुष सदस्य के कैंसर का पता तब चला, जब वह आखिरी स्टेज पर पहुंच गया। कैंसर पेट का था, जिसके लक्षण पहली स्टेज से ही दिखाई देने लगते हैं। बशर्ते कोई यह स्वीकार तो करे कि हां मुझे दिक्कत है, हां मुझे मदद की जरूरत है। यह बड़ा अजीब सा अंतर्विरोध है। जिनकी सेहत, इलाज और उससे जुड़ी रिसर्च पर पूरी दुनिया की सरकारों ने सबसे ज्यादा पैसा खर्च किया है, उनका अपने ही इलाज को लेकर ऐसा खतरनाक रवैया है। और इसकी जड़ें छिपी हैं उसी टॉक्सिक मैस्क्यूलिनिटी में। मुझे लगता है कि पुरुषों की जिंदगी का सबसे डरावना पहलू यही है कि उन पर ताकतवर होने और दिखने का बहुत ज्यादा दबाव है। वो किसी हाल में कमजोर नहीं हो सकते। न मन से, न शरीर से। बीमार पड़ना उन्हें कमजोरी की निशानी लगती है। डॉक्टर के पास जाना, मदद मांगना तो ऐसा है कि मानो उन्हें नहीं, उनको मर्दानगी को ही कोई बीमारी लग गई है।

मर्द होने का मतलब है कि वह हमेशा छाती तानकर ही खड़ा रहेगा। हमेशा हिम्मत से सिर ऊंचा ही रखेगा। उसकी भुजाएं हमेशा दंभ से फड़फड़ाती ही रहेंगी। वो ये नहीं कह सकता कि आज मेरे सिर में दर्द है। मेरे शरीर में तकलीफ है। मुझे बुखार है, इसलिए आज मैं ऑफिस नहीं जाऊंगा, घर पर ही आराम करूंगा। मुझे डॉक्टर के पास ले चलो क्योंकि अच्छा नहीं लग रहा। अरे, ऐसे कैसे। वो मर्द ही क्या, जो बुखार और सिरदर्द से घबरा जाए। बीमारी की ऐसी मजाल कि वो मर्द की मर्दानगी को हरा दे। मर्द बुखार के इशारे पर नहीं, बल्कि बुखार उनके इशारे पर नाचता है। इसलिए तो पुरुष बुखार में पैरासिटामॉल खाकर, थ्रोट इंफेक्शन से परेशान होते हुए भी दिन भर ऑफिस में बैठकर फाइलों में सिर गड़ाए रहेंगे, चार घंटे मीटिंग में बैठे रहेंगे, लेकिन ये स्वीकार नहीं करेंगे कि उनके शरीर को इस वक्त आराम की जरूरत है। और मेरे उन रिश्तेदार की तरह इसे बहादुरी के मेडल की तरह अपने सीने पर टांगे रहेंगे। कितने कमाल की बात है कि मर्द न कमजोर पड़ते हैं, न बीमार। वो दारू के ठेके से लेकर दोस्त की बारात तक हर जगह जाते हैं, बस अस्पताल नहीं जाते। और इस न जाने के बावजूद सबसे ज्यादा वही जाते हैं क्योंकि चाहे डायबिटीज हो, हाई बीपी और कोलेस्ट्रॉल हो, हार्ट अटैक हो, किडनी-लिवर ट्रांसप्लांट हो, अल्जाइमर्स या ब्रेन हैमरेज, सबसे ज्यादा उन्हीं को होता है। पूरी दुनिया में सब्सटेंस अब्यूज कैंसर के 10 में से 9 मरीज पुरुष हैं।

थ्रोट इन्फेक्शन के लिए 5 घरेलू नुस्खे:6 लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से मिलें, खुद हकीम न बनें

सर्दी-गर्मी के बीच बदलते मौसम में खांसी-जुकाम होना आम बात है। सुबह की तेज धूप और रात में एकदम से तापमान गिरने से मौसम में बदलाव होता है, जिससे गले में दर्द, खराश और इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। आमतौर पर लोग गले से जुड़ी परेशानियों को नॉर्मल समझकर इग्नोर कर देते हैं। ऐसे में काफी समय तक परेशानी का सामना करना पड़ता है। अगर आप या आपके घर में किसी को गले में कोई भी परेशानी है तो लापरवाही न बरतें और उसे गंभीरता से लें। गले में लंबे समय तक खराश, दर्द और चुभन बने रहना कुछ गंभीर बीमारियों के संकेत भी हो सकते हैं, जिनका समय रहते इलाज होना जरूरी है।

गले में इन्फेक्शन आम समस्या है। इससे रेस्पिरेटरी सिस्टम प्रभावित होता है। ये वायरस, बैक्टीरिया या एलर्जी की वजह से हो सकता है। इसके अलावा कई बार मौसम का बदलाव और फ्लू की वजह से भी गले में इन्फेक्शन होता है। हमारे शरीर का एंट्री पॉइंट नाक और गला है। प्रदूषित वातावरण में सांस लेते समय वायरस और बैक्टीरिया शरीर में प्रवेश करते हैं। जैसे ही मौसम में ठंडक आती है, शरीर के अंदर मौजूद बैक्टीरिया सक्रिय हो जाते हैं। आयुर्वेद में इसका कारण वात, पित्त और कफ का असंतुलित होना बताया गया है। जब शरीर में कफ और वात दूषित हो जाते हैं, तब गले में इन्फेक्शन की परेशानी होती है। गले में इन्फेक्शन के लक्षण जितनी जल्दी पता चल जाएं, उतनी जल्दी इसका इलाज किया जा सकता है। अब जानते हैं कि गले में इन्फेक्शन किन कारणों से होता है। कई लोग अपनी सेहत का ख्याल किए बिना सर्दियों में आइसक्रीम खाते हैं, ठंडी कोल्ड ड्रिंक पीते हैं। तब भी गले में दिक्कत होने लगती है। इसके अलावा भी कई कारण जिम्मेदार हैं। इसे नीचे लगे ग्राफिक से समझते हैं-

पुरानी कहावत है कि इलाज से बेहतर रोकथाम है। जैसे ही आपको लगे कि गले में किसी तरह की कोई दिक्कत है या गले में इन्फेक्शन महसूस हो तो गर्म चीजों का सेवन करें क्योंकि बैक्टीरिया ज्यादा गर्माहट सहन नहीं कर पाता है। इसके अलावा सामान्य थ्रोट इंफेक्शन के लिए आप ये 5 घरेलू नुस्खे भी आजमा सकते हैं। नमक के पानी से गरारे करें: गर्म पानी में नमक मिलाकर गरारे और कुल्ला करें। इससे खराश और दर्द से राहत मिलती है।

एक गिलास गुनगुने पानी में सेंधा नमक या सादा नमक डालकर गार्गल करें। गुनगुने नमक-पानी का घूंट मुंह में लें, गर्दन पीछे झुकाएं और गार्गल करें। गार्गल करते समय पानी मुंह में दस सेकेंड से ज्यादा नहीं रखें। गार्गल के पूरे प्रोसेस को तीन से चार बार दोहराएं। गार्गल करने के बाद सीधे खुली हवा या एसी में न जाएं। गले को कपड़े से अच्छी तरह ढककर रखें। अदरक वाली गर्म चाय पिएं: अदरक वाली गर्म चाय से गले को राहत मिलती है। अदरक में बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने की क्षमता होती है। सेब का सिरका: गरम पानी में 2 चम्मच सेब का सिरका डालकर पिएं। इसमें मौजूद अम्लीय गुण गले के बैक्टीरिया को खत्म करता है। रात को हल्दी वाला दूध पिएं: गर्म दूध में एक चम्मच हल्दी डालकर पीने से दर्द, सूजन और इन्फेक्शन से छुटकारा मिलेगा। हल्दी में इन्फेक्शन को दूर करने की ताकत होती है। तुलसी का काढ़ा: दो गिलास पानी में 5-7 तुलसी की पत्तियां, 4-5 काली मिर्च को कूटकर, दालचीनी का एक टुकड़ा और गुड़ मिलाकर काढ़ा बना लें। दिन में दो बार इस काढ़े को पिएं। तुलसी में एंटी ऑक्सीडेंट और एंटी बायोटिक गुण पाए जाते हैं। ध्यान दें- शुरूआती लक्षण दिखने पर ये 5 घरेलू उपाय अपना सकते हैं। ज्यादा दिन होने या स्थिति गंभीर होने पर खुद हकीम न बनें। डॉक्टर से कंसल्ट करें। गले में किसी तरह का इन्फेक्शन न हो, इसलिए बरतें ये सावधानियां ठंडे मौसम से खुद का बचाव करें। गर्म कपड़े पहनें। विटामिन सी युक्त मौसमी फल-सब्जियां डाइट में लें। ठंडा पानी, फ्रिज में रखी ठंडी चीजें न खाएं-पिएं। रात में सोने से 2 घंटे पहले डिनर कर लें। ठंडा बासी खाना न खाएं। खाना खाने से पहले साबुन से हाथों को जरूर धोएं। बाहर की ऑयली और मसालेदार चीजें न खाएं। गर्म के बाद ठंडी और ठंडी के बाद गर्म चीजों का सेवन न करें। स्मोकिंग और अल्कोहल से दूर रहें। गले में लगातार लंबे समय तक परेशानी होने पर इन 4 बीमारियों का रिस्क

टॉन्सिल में इन्फेक्शन: टॉन्सिल्स में इन्फेक्शन होने पर भी गले में लंबे समय तक परेशानी हो सकती है। इसमें टॉन्सिल्स में सूजन आ जाती है, जिससे खाना निगलने में परेशानी होती है। गले में दर्द, खराश और चुभन जैसी प्रॉब्लम भी हो सकती है।

गले में कैंसर: गले में लंबे समय तक दर्द, चुभन, जलन और खराश बने रहना थ्रोट कैंसर का संकेत हो सकता है। इन लक्षणों के लगातार बने रहने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह लें।

एसिड रिफ्लेक्स: पेट और डाइजेशन से जुड़ी परेशानी होने पर भी गले में दिक्कत हो सकती है। इसकी वजह से गले में जलन, दर्द, चुभन और खराश महसूस होती है। इन लक्षणों के दिखने पर बिना देर किए डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

डिस्फेजिया: डिस्फेजिया की परेशानी में पेशेंट को गले में दर्द और खाना निगलने में दिक्कत होती है। इसके अलावा मुंह से लार आना, अजीब बदबू और स्वाद का अनुभव हो तो फौरन डॉक्टर को दिखाएं।

रिलेशनशिप- 2024 में बनना चाहते हैं ऑफिस में बॉस:जानिए लीडर और फॉलोवर ब्रेन में 4 अंतर, अपनाएं 7 आदतें

प्रसिद्ध अमेरिकन बिजनेसमैन अरनॉल्ड ग्लासगो का एक कथन है, "एक सच्चा लीडर हमेशा अपनी टीम को प्रोटेक्ट करता है, सफलता का श्रेय टीम को देता है और गलतियों की जिम्मेदारी खुद लेता है।" यह संकीर्ण मन और दिमाग वाले लोगों का लक्षण है, अगर वो दूसरों के श्रम और आइडिया का क्रेडिट खुद लें और गलतियों की जिम्मेदारी दूसरों पर डाल दें।

ऑफिस में प्रमोशन पाना और लीडरशिप पोजीशन हासिल करना। क्या यह आपके नए साल के रेजोल्यूशंस में से एक है। आपने अपनी डायरी में पर्सनल गोल्स और एंबीशंस की जो लिस्ट बनाई है, उसमें एक लक्ष्य ये भी है। अगर हां, तो अब आपके सामने अगला सवाल ये होना चाहिए कि यह लक्ष्य हासिल कैसे होगा।

जो लोग पहले से लीडरशिप भूमिकाओं में हैं और जो उस जगह पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं, उन दोनों के लिए साल 2024 काफी चुनौतीपूर्ण होने वाला है। उसकी कुछ खास वजहें भी हैं। जैसेकि- 1. कोविड के बाद से मार्केट का स्वभाव और स्ट्रक्चर तेजी के साथ बदला है। 2. हाइब्रिड वर्किंग कामकाजी लोगों की दुनिया में नया टर्म है।

3. आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, जो महज दो साल पहले तक दूर की कौड़ी जान पड़ती थी, अब वह हमारे बहुत करीब आ गया है। 4. कोविड महामारी ने पूरी दुनिया में काम और निजी जिंदगी के संतुलन को लेकर लोगों का नजरिया बदला है। जाहिर है, बदलती दुनिया के मुताबिक लीडरशिप स्किल और क्वालिटीज में भी बदलाव की जरूरत है। दुनिया की जानी-मानी मोटिवेशनल स्पीकर और लीडरशिप कोच बर्नी ब्राउन की किताब 'डेयर टू लीड' न्यूयॉर्क टाइम्स बेस्टसेलर है। इस किताब में बर्नी उन सॉफ्ट स्किल्स की बात करती हैं, जो लीडरशिप के लिए जरूरी है। फर्ज करिए कि आप एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं तो आपको कोडिंग तो आती ही होगी। एडिटर हैं तो खबरों की समझ होगी ही। मार्केटिंग में हैं तो सामान बेचना आता होगा। लेकिन अपनी कंपनी में टॉप पर पहुंचने के लिए अपने काम से जुड़ी यह बुनियादी स्किल काफी नहीं है। उसके लिए जरूरी है सॉफ्ट स्किल्स। लोगों से जुड़ाव, इंसानी मनोविज्ञान की समझ, टीम वर्क, लोगों से काम करवाने की कला। हालांकि इस किताब में बताई गई बातें सिर्फ ऑफिस में लीडरशिप रोल पाने में ही मददगार नहीं हैं, बल्कि जीवन में सफल रिश्तों और दोस्तियों के लिए भी उतनी ही जरूरी हैं। तो आइए बात करते हैं उन लीडरशिप स्किल्स के बारे में, जो इस नए साल में आपको सीखने की जरूरत है। 1. इमोशनल इंटेलीजेंस बर्नी ब्राउन कहती हैं कि दुनिया के सभी सफल लीडरों में एक कॉमन क्वॉलिटी होती है। उनका EQ यानी इमोशनल कोशंट उनके IQ यानी इंटेलीजेंस कोशंट से ज्यादा होता है। बुद्धिमान तो वो होते ही हैं, लेकिन उससे कहीं ज्यादा इमोशनली लोगों को समझने वाले और उसके मुताबिक व्यवहार करने वाले होते हैं। 70-80 के दशक में वर्कप्लेस पर इमोशन दिखाना बुरा माना जाता था। लेकिन दो साल पहले आई हार्वर्ड की एक स्टडी कहती है कि दफ्तर में रोने और इमोशंस शो करने वाले लोग ज्यादा प्रोडक्टिव होते हैं। तो अगर आप लीडरशिप भूमिका में अपने आपको देखते हैं तो नीचे ग्राफिक में दी गई बातों का ख्याल रखें- 2. लीडर का दिमाग प्रॉब्लम नहीं, सॉल्यूशन देखता है बर्नी ब्राउन कहती हैं कि लीडर और फॉओअर ब्रेन में एक बुनियादी फर्क होता है। फॉलोअर ब्रेन को प्रॉब्लम दिखाई देती है और लीडर ब्रेन को सॉल्यूशन। लीडर ब्रेन समस्याओं का रोना नहीं रोता, वो उनका हल ढूंढने की कोशिश करता है। अल्बर्ट आइंस्टीन का एक फेमस कोट है, "जिस दिमाग ने समस्या पैदा की है, वही दिमाग उसका हल नहीं ढूंढ सकता।" एक अच्छा और सफल लीडर ऐसा वर्क इनवायरमेंट बनाता है, जो इंक्लूसिव हो। इंक्लूसिविटी का अर्थ है कि जहां हर व्यक्ति के लिए समान जगह और समान अवसर है। जेंडर, कास्ट, क्लास, अपीयरेंस, सोशल स्टेटस या और किसी भी आधार पर कर्मचारियों के साथ कोई भेदभाव नहीं किया जाता है। इंक्लूसिविटी का सीधा संबंध प्रोडक्टिविटी और वर्क क्वालिटी से है। एक इंक्लूसिव वर्कप्लेस पर हर व्यक्ति बेहतर काम करने का मोटिवेशन महसूस करता है क्योंकि उसे यकीन है कि उसे इस काम कर रिवॉर्ड भी मिलेगा। उसके साथ सिर्फ इस वजह से भेदभाव नहीं किया जाएगा कि वह बॉस का फेवरेट नहीं है। 4. हर काम के पीछे है स्ट्रेटजी और प्लानिंग एक सफल लीडर के काम को जो चीज बाकियों से अलग बनाती है, वो है उसकी स्ट्रेटजी और प्लानिंग। ये हुनर एकदम बुनियादी है। अगर आप ऑफिस में लीडरशिप पोजीशन पर पहुंचना चाहते हैं तो आपको अपने रोजमर्रा के कामों को बेहतर प्लानिंग और स्ट्रेटजी के साथ करना होगा। अगर आपके काम में अभी भी बिखराव है और दिन खत्म होने के बाद भी आपके बहुत से जरूरी काम अधूरे रह जाते हैं तो आज से ही अपने डेली रूटीन में ये बदलाव करें-

ड़ने से पहले सोचें कि आज का आपका सबसे जरूरी टास्क क्या है। 2. चाय-कॉफी के साथ दिन भर के टास्क की लिस्ट बनाएं। 3. उस लिस्ट की प्रायॉरिटी तय करें। टॉप 3 काम, जो सबसे पहले करने जरूरी हैं। 4. रात में सोने से पहले लिस्ट रिव्यू करें और उस दिन का सक्सेस रेट लिखें। 5. जैसेकि अगर आपकी लिस्ट में 6 काम थे और आप उसमें से 3 कर पाए तो आपका सक्सेस रेट 50% है। 6. कोशिश करें कि रोज का यह सक्सेस रेट कम से कम 70 से 80 पर्सेंट हो। लक्ष्य इसे 100% पर पहुंचाना है। 5. गलती बॉस की, सफलता टीम की प्रसिद्ध अमेरिकन बिजनेसमैन अरनॉल्ड ग्लासगो का एक कथन है, "एक सच्चा लीडर हमेशा अपनी टीम को प्रोटेक्ट करता है, सफलता का श्रेय टीम को देता है और गलतियों की जिम्मेदारी खुद लेता है।" यह संकीर्ण मन और दिमाग वाले लोगों का लक्षण है, अगर वो दूसरों के श्रम और आइडिया का क्रेडिट खुद लें और गलतियों की जिम्मेदारी दूसरों पर डाल दें। कई बार ऐसे लोग भी बॉस बन जाते हैं, लेकिन याद रहे कि इस राह में वो बहुत लंबी दूरी नहीं तय कर सकते, न ही बतौर लीडर सम्मान अर्जित कर सकते हैं। अगर आप लीडर हैं तो आपके मातहत कर्मचारी आपका सम्मान करेंगे ही।

ETF में निवेश से मोटी कमाई करें:4 तरीके आपको बनाएंगे स्मार्ट, 7 फायदे मिलेंगे, इनकम टैक्स में छूट भी

नौकरी से आप अपनी जरूरत पूरी कर सकते हैं, लेकिन अगर आपको दौलतमंद बनना है तो सिर्फ नौकरी करते रहना काफी नहीं होगा। इसके लिए आपको शेयर मार्केट में निवेश भी करना होगा। मगर, हममें से ज्यादातर लोग ऐसे होते हैं, जो रोज शेयरों की खरीद-बिक्री नहीं सकते हैं। वो चाहते हैं कि उनका पैसा तेजी से बढ़े। ऐसे में अगर आप लंबे समय के निवेश में बेहतर रिटर्न चाहते हैं तो एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ETF) में इन्वेस्टमेंट एक बेहतर विकल्प हो सकता है। ETF शेयर बाजार में सूचीबद्ध होते हैं और शेयर की तरह ही इनकी खरीद बिक्री होती है। मगर इसमें म्यूचुअल फंड की तरह एक्टिव पोर्टफोलियो मैनेजमेंट की जरूरत नहीं पड़ती है। इसलिए इसे एक निष्क्रिय इक्विटी इन्वेस्टमेंट माना जाता है। आपका बटुआ में आज जानेंगे कि ETF क्या होते हैं। ये कैसे काम करते हैं। साथ ही इसके फायदे-नुकसान पर फाइनेंशियल एक्सपर्ट से बात करेंगे।

क्या है ETF, पहले इसे समझते हैं

ETF एक प्रकार का निवेश है, जिसे स्टॉक एक्सचेंजों पर खरीदा और बेचा जाता है। ईटीएफ ट्रेडिंग शेयरों में ट्रेडिंग के समान है। ETF में बांड या स्टॉक खरीदे-बेचे जाते हैं। एक एक्सचेंज ट्रेडेड फंड एक म्यूचुअल फंड की तरह है, लेकिन म्यूचुअल फंड के विपरीत, ईटीएफ को ट्रेडिंग अवधि के दौरान किसी भी समय बेचा जा सकता है।

ऐसे काम करते हैं ईटीएफ

ईटीएफ फंड सभी प्रमुख स्टॉक एक्सचेंजों पर सूचीबद्ध होते हैं। उन्हें इक्विटी ट्रेडिंग के दौरान जरूरत के अनुसार खरीदा और बेचा जा सकता है। ईटीएफ की शेयर कीमत में परिवर्तन रिसोर्सेज के पूल में मौजूद मूलभूत एसेट की लागतों पर डिपेंड करता है। अगर एक या अधिक एसेट्स की कीमत बढ़ती है तो ईटीएफ की शेयर कीमत भी आनुपातिक रूप से बढ़ती है और कीमत घटने पर घटती है।

ईटीएफ के शेयरधारकों द्वारा प्राप्त लाभांश की वैल्यू संबंधित ईटीएफ कंपनी के प्रदर्शन और एसेट्स के प्रबंधन पर निर्भर करती है। कंपनी के नियमों के अनुसार वे सक्रिय या निष्क्रिय रूप से मैनेज होते हैं।

निवेश के लिए खोलना होता है डीमैट अकाउंट

ETF को शेयरों की तरह स्टॉक मार्केट में खरीदा और बेचा जाता है। ETF खरीदने के लिए आपको अपने ब्रोकर के माध्यम से डीमैट अकाउंट खोलना होता है। एक ETF की कीमत रीयल टाइम में घट या बढ़ सकती है। यह एक म्यूचुअल फंड के यूनिट की कीमत के विपरीत होता है, जिसे सिर्फ एक ट्रेडिंग सेशन के अंत में तय किया जाता है।

ये हैं ईटीएफ की खूबियां

ETF के मूल्य वास्तविक समय में पता चल जाते हैं। यानी लेनदेन के समय ही इनके दामों का भी पता लग जाता है, जबकि म्यूचुअल फंडों के एनएवी के साथ यह नहीं होता है। एनएवी का कैलकुलेशन दिन के अंत में होता है। ETF पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करने का किफायती और कारगर विकल्प हैं। कारण है कि ये तमाम इंडेक्स, सेक्टर, देश और एसेट क्लास को कवर करते हैं। आमतौर पर शेयर मार्केट में पांच तरह के ईटीएफ देखने को मिलते हैं। ये हैं- गोल्ड ETF, इंडेक्स ETF, बॉन्ड ETF, सिल्वर ETF और इंटरनेशनल ETF।

गोल्ड ETF: एक से दूसरे मार्केट में बेचने पर लाभ

गोल्ड ईटीएफ के जरिए निवेशक इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सोना खरीद या बेच सकते हैं। इसे एक मार्केट से खरीदकर दूसरे मार्केट में बेचने पर लाभ ले सकते हैं। भारत में गोल्ड ईटीएफ 2007 से चल रहे हैं और एनएसई और बीएसई में रेगुलेटेड इंस्ट्रूमेंट्स हैं। गोल्ड ईटीएफ स्टॉक एक्सचेंज में एक ग्राम के यूनिट आकार में ट्रेड किए जाते हैं। इसकी कीमत में होने वाला बदलाव मार्केट में फिजिकल गोल्ड की कीमत में होने वाले उतार-चढ़ाव से जुड़ा होता है। सिल्वर ETF एक एक्सचेंज ट्रेडेड फंड है, जो अपने एसेट्स को चांदी और चांदी से बनी चीजों में निवेश करता है।

ETF पोर्टफोलियो अपने कॉर्पस का 95 फीसदी तक फिजिकल सिल्वर में इन्वेस्ट करता है, जो तिजोरियों या एक्सचेंज ट्रेडेड कमोडिटी डेरिवेटिव्स (ETCDs) में होता है। हालांकि फंड हाउस सिल्वर ECTD में केवल 10 फीसदी तक ही इन्वेस्ट कर सकता है। इंडेक्स ETF में निफ्टी या सेंसेक्स जैसे इंडेक्स होते हैं और उनकी कीमत में होने वाला उतार-चढ़ाव उसके अन्तर्निहित इंडेक्स में होने वाले उतार-चढ़ाव के समान होता है। उदाहरण के लिए एक बैंकिंग ETF, एक बैंकिंग इंडेक्स के अनुसार काम करता है और उसकी कीमत उस बैंकिंग इंडेक्स में होने वाले उतार-चढ़ाव के अनुसार घटेगी या बढ़ेगी। एक बॉन्ड ETF के पैसे उन बॉन्ड्स में इन्वेस्ट किए जाते हैं, जो उसके अन्तर्निहित इंडेक्स के कंपोनेन्ट्स से जुड़े होते हैं। यह एक ऐसा बॉन्ड ETF हो सकता है, जो किसी खास मैच्योरिटी होराइजन पर आधारित हो जैसे- शॉर्ट टर्म, लॉन्ग टर्म इत्यादि। भारत बॉन्ड ETF एक निर्धारित मेच्योरिटी पीरियड के साथ इस कैटेगरी के अंतर्गत आता है।

देश में हर पांचवां बच्चा सोशल फोबिया का शिकार लड़कियों से ज्यादा लड़कों को यह खतरा

हम क्या खाते-पीते हैं, कहां घूमने जाते हैं। इससे हमारा सोशल स्टेटस डिसाइड होता है। लेकिन अगर आपको कोई कहे कि पेट में किस तरह की चीजें हैं, यह हमारे दोस्त की संख्या और उनके साथ हमारा रिश्ता तय कर सकती हैं। तो शायद ही आप मानें। अब आयरलैंड की 'यूनिवर्सिटी ऑफ कॉर्क' में हुई एक नई रिसर्च ऐसा ही कुछ दावा कर रही है। इस रिसर्च में पाया गया कि सोशल एंग्जाइटी का सीधा संबंध हमारे पेट से है। मतलब आपका खाना-पीना आपके रिश्ते और सामाजिक रुतबे को प्रभावित करता है।

यह रिसर्च अपने आप में एक नई जानकारी है। अभी तक ऐसा माना जाता था कि कोई कितना शर्मीला होगा और उसका सोशल स्टेटस कैसा होगा, ये सारी बातें उसके बर्ताव-परवरिश पर निर्भर करती हैं। लेकिन आयरलैंड में हुई नई रिसर्च इसका संबंध पेट और खाने से जोड़ कर बताती है। आज 'सेहतनामा' में पेट और सोशल स्टेटस के इसी रिश्ते की बात करेंगे। पुरानी कहावत है कि जैसा होगा अन्न, वैसा होगा मन। यानी खाने का हमारे मन पर असर होता है। सोशल फोबिया से बचने के लिए अपने खाने में विटामिन डी, फाइबर, विटामिन बी, मैग्नीशियम और मिनिरल्स वाले फूड को ऐड करें। वहीं, कैफीन, एल्कॉहल, निकोटीन वाली खाने-पीने की चीजों से दूरी बनाएं। इस तरह की चीजें डिप्रेशन और एंग्जाइटी को बढ़ावा देंगी।

इसके अलावा और कौन सी चीजें बनाती हैं शर्मीला

'हमारा बच्चा बहुत शर्मीला है। ज्यादा किसी से घुलता मिलता नहीं है।' कुछ माता पिता से आपने यह जरूर सुना होगा। लेकिन क्या कभी इसके पीछे के साइंस को समझना चाहा। दरअसल, ऐसी बातें बच्चों के दिमाग में बचपन से बिठा दी जाती हैं। जिससे बच्चा खुद को लेकर दिमाग में एक नेगेटिव इमेज बना लेता है। यही बातें मंच पर बोलने, लोगों के साथ घुलने मिलने के दौरान दिमाग पर असर करती हैं। कई बार स्कूल कॉलेज में बुली, गाली गलौच और रैगिंग से भी बच्चे के दिमाग पर असर पड़ता है।

कोरोना के बाद 4 3% बढ़ा सोशल फोबिया

विश्व स्वास्थ्य संगठन यानी WHO की रिपोर्ट बताती है कि दुनियाभर के अलग-अलग देशों में सोशल फोबिया से करोड़ों लोग जूझ रहे हैं। भारत में, 2017 दिसबंर से जनवरी 2018 के बीच पुडुचेरी के ग्रामीण इलाके में 1018 स्कूली बच्चों पर एक स्टडी की गई। जिसमें 10 से 13 साल के 738 बच्चे सोशल फोबिया का शिकार मिले। इनमें 520 लड़के थे। मतलब लड़कियों के मुकाबले लड़कों में सोशल फोबिया का डर ज्यादा होता है। यह स्टडी यह भी बताती है कि हर पांच में से एक बच्चे में सोशल फोबिया होने का खतरा रखता है। चीन की पीकिंग यूनिवर्सिटी में कोरोना के बाद लोगों की सोशल लाइफ में आए बदलाव को लेकर एक रिसर्च की गई। जिसमें पाया गया कि कोरोना से पहले की तुलना में 43.7% लोगों में 'सोशल फोबिया' बढ़ा है। साथ ही 27.5% लोगों के जीवन में कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिला। वहीं 28.8% लोगों ने माना कि कोविड के बाद उनका 'सोशल फोबिया' कम हुआ है।

महिलाओं को ज्यादा होता सोशल एंग्जाइटी डिसऑर्डर

अमेरिका में नेशनल कॉमोर्बिडिटी सर्वे रेप्लीकेशन ने सोशल एंग्जाइटी को लेकर 2001 से 2003 तक किए एक सर्वे में पाया कि 18-29 साल के बीच के लोगों में सबसे ज्यादा सोशल एंग्जाइटी डिसऑर्डर होता है। इसी सर्वे में बताया गया कि 18 साल से अधिक उम्र की महिलाओं में भी पुरुषों के मुकाबले सोशल एंग्जाइटी डिसऑर्डर ज्यादा होता हैं। यानी युवा वर्ग नए लोगों से घुलने मिलने में खुद को पीछे रखता है।

आत्मविश्वास की कमी से होता सोशल फोबिया

मनोचिकित्सक डॉ आस्था सक्सेना बताती हैं कि बाकी लोगों के मुकाबले सोशल फोबिया के शिकार लोगों में आत्मविश्वास की कमी और डर होता है। ऐसे लोगों को कुछ भी करने से पहले एंग्जाइटी होने लगती है। यह जेनेटिक या आसपास के माहौल की वजह से भी हो सकता है। हर व्यक्ति में इसके लक्षण अलग- अलग हो सकते हैं। मनोचिकित्सक आस्था सक्सेना बताती हैं कि आमतौर पर सोशल फोबिया का शिकार लोगों के लिए दो तरह के ट्रीटमेंट होते हैं। पहला मेडिकल ट्रीटमेंट और दूसरा थेरेपी। मेडिकल ट्रीटमेंट में लोगों को दवाओं के जरिए एंग्जाइटी में कुछ समय के लिए आराम मिल सकता है। तो वहीं थेरेपी सोशल फोबिया वाले व्यक्ति के लिए काफी इफेक्टिव होती है। जिसमें एक्पोजर थेरेपी यानी मरीज को बोला जाता है कि पहले एक या दो लोगों के सामने बोल कर देखें। छोटी पार्टी में जाकर देखिए। फिर धीरे-धीरे बड़ी पार्टी में जाइए। इसके साथ ही मरीज के विचारों पर भी काम किया जाता है। सोशल फोबिया के मरीज को यही लगता है कि फलां पार्टी में सबका ध्यान मुझ पर होगा। मेरे बारे में लोग क्या सोच रहे होंगे। ऐसे में मरीज को यह भरोसा दिलाया जाता है कि आप उस पार्टी का महज एक हिस्सा भर हैं। आप उस पार्टी का सेंटर ऑफ एटेंशन नहीं हैं।

खुद को रखें रिलैक्स

सोशल फोबिया में दिमाग पूरी तरह ब्लैंक हो जाता है। दिमाग में नेगेटिव विचार बढ़ते जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि सबसे पहले खुद को रिलैक्स रखें और एक लंबी सांस लें। इससे आप खुद को शांत रख पाएंगे और दिमाग को सही इंस्ट्रक्शन दे पाएंगे।

दूसरों पर फोकस करें

लोग हमारे बारे में क्या सोच रहे होंगे इसे लेकर हम खुद के दिमाग में एक सेल्फ इमेज बना लेते हैं। हर विचार जो दूसरों से हटाकर खुद पर ही ले आता है, वह इनसिक्योर बनाता है।

ज्यादा देर यूरिन रोकना खतरनाक किडनी में पथरी, यूरिनरी ट्रैक्ट में इन्फेक्शन, 10 तरीके से होगा बचाव

कई बार लॉन्ग रूट पर वॉशरूम न मिलने से, वर्किंग प्लेस पर गंदा वॉशरूम होने की वजह से महिलाएं लंबे समय तक यूरिन रोककर रखती हैं। उन्हें ऐसा लगता है कि इससे कोई परेशानी नहीं होती है। लेकिन ये गलतफहमी बहुत घातक साबित हो सकती है। ऐसा करना आगे चलकर बीमारी की वजह बन सकती है। आज जरूरत की खबर में हम आपको बताएंगे कि यूरिन रोकने से शरीर को कौन सी परेशानी होने का रिस्क रहता है। बार-बार यूरिन इन्फेक्शन क्यों होता है, इसे रोकने के लिए और यूरिन ब्लैडर को हेल्दी रखने के लिए क्या करना चाहिए।

शरीर के टॉक्सिन, हानिकारक बैक्टीरिया और गैर जरूरी सॉल्ट यूरिन के जरिए बाहर निकलते हैं। यूरिनरी ब्लैडर के भर जाने पर दिमाग को सिग्नल जाता है, जिससे यूरिन रिलीज करने का मन होता है। लेकिन अगर कोई यूरिन रोकने की आदत बना ले, तब कई सीरियस बीमारियां होने का रिस्क होता है। इसे नीचे लगे ग्राफिक को समझते हैं- रेगुलर यूरिन रोकने की आदत से पेल्विक फ्लोर कमजोर हो जाता है। इससे ब्लैडर कमजोर होने लगता है, जिसकी वजह से यूरिन लीकेज की परेशानी हो जाती है।

यूरिन में यूरिक एसिड और कैल्शियम ऑक्सलेट नाम के मिनरल होते हैं। ऐसे में ज्यादा देर तक यूरिन को रोकने से किडनी स्टोन की परेशानी हो सकती है।

लगातार यूरिन रोकने से ब्लैडर की मांसपेशियां खींचती हैं और मसल्स कमजोर हो जाती हैं। जिस वजह से लंबे समय के बाद ब्लैडर के फटने जैसी गंभीर समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

इससे किडनी पर प्रेशर पड़ता है। लंबे समय तक यूरिन रोके रहने की आदत किडनी और ब्लैडर में दर्द की वजह बनती है। यूरिन पास करने के बाद ब्लैडर की मांसपेशियां अकड़ जाती है, जिससे पेल्विक क्रैंप की परेशानी हो जाती है।

ये वह सिचुएशन है जब यूरिनरी ब्लैडर पूरी तरह से खाली नहीं हो पाता। इसमें दर्द, जलन और यूरिन पास करने में परेशानी हो सकती है।

यूरिन रोकने से जान जाने की आशंका वैसे बहुत कम है। ज्यादा देर तक अगर आप यूरिन रोकते हैं तो ब्लैडर बिना आपकी इच्छा के लीक हो सकता है। लेकिन कुछ कंडीशन्स में लोग लंबे समय तक यूरिन रोकने के बाद उसे रिलीज नहीं कर पाते हैं। ऐसी स्थिति में ब्लैडर फट सकता है। यह सिचुएशन जानलेवा हो सकती है। हालांकि, यह स्थिति रेयर है। एक्सट्रीम कंडीशन में ही ऐसा होता है।

ट्रैवल करते समय एब्जॉर्बेंट पैड साथ लेकर चलें। जिससे इमरजेंसी की स्थिति में परेशानी का सामना न करना पड़े। यह आसानी से मेडिकल स्टोर पर आपको मिल जाएंगे। इसके साथ ही गंदे पब्लिक टॉयलेट को इस्तेमाल करने से पहले टॉयलेट सीट पर सैनिटाइजर स्प्रे का यूज कर सकते हैं। डिटॉल, सेवलॉन के साथ डिस्पोजेबल टॉयलेट सीट कवर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। यूज करने के बाद फ्लश कर सकते हैं। ऐसे में ब्लैडर को हेल्दी बनाए रखना बहुत जरूरी है, नहीं तो यह यूरिन इन्फेक्शन से लेकर डाइजेशन सिस्टम तक को प्रभावित कर सकता है। नीचे लगे ग्राफिक से समझते हैं ब्लैडर का ख्याल रखने के कुछ टिप्स। यूटीआई यानी यूरिनरी ट्रैक्ट इन्फेक्शन के कई कारण हो सकते हैं। बोलचाल की भाषा में इसे बिकोलाई या ईकोलाई के नाम से जानते हैं। बार-बार इन्फेक्शन के खतरे से बचने के लिए हम कुछ उपाय कर सकते हैं...

अपने प्राइवेट पार्ट्स को अच्छी तरह धोएं। कई लोगों को बार-बार यूरिन आने की परेशानी होती है, क्या ये कोई परेशानी है? गर्भावस्था में महिलाएं अक्सर बार-बार यूरिन रिलीज करती हैं। इसके अलावा कई दवाइयां और कुछ ड्रिंक्स भी ऐसी होती हैं, जिससे जल्दी-जल्दी यूरिन आता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर यह समस्या ज्यादा हो रही है तो कोई इन्फेक्शन या बीमारी के लक्षण हो सकते हैं। इसलिए डॉक्टर की सलाह लें।

गले की खराश को चुटकियों में दूर करेंगे ये 5 नुस्खे, जरूर आजमाएं

शरीर में वायरल या बैक्टीरियल इंफेक्शन की शुरुआत अक्सर गले की खराश से होती है। इस आर्टिकल में गले की खराश, दर्द व चुभन से राहत दिलाने के लिए कुछ घरेलू नुस्खों के बारे में जानेंगे। वैसे तो गले में खराश होना एक बहुत कॉमन प्रॉब्लम है। लेकिन इसमें गले में होने वाला दर्द, खुजली व चुभन काफी इरिटेट करते हैं। इतना ही नहीं कई बार खाना निगलना तक दुश्वार हो जाता है। इसका मुख्य कारण सर्दी या फ्लू के कारण होने वाले वायरल इंफेक्शन को माना जाता है। कुछ लोगों में इसकी शिकायत बैक्टीरिया या एलर्जिक रिएक्शन के कारण हो सकता है। कुछ मामलों में गले की खराश दो से तीन दिन में खुद-ब-खुद ठीक हो जाती है। वहीं, कई लोगों में हील होने में समय लग सकता है। इस आर्टिकल में हम आयुर्वेदिक डॉक्टर दीक्षा भावसार द्वारा गले की खराश को दूर करने के कुछ घरेलू उपाय शेयर करेंगे।

हल्दी और नमक के पानी से गरारे

एक गिलास पानी में चुटकीभर हल्द और नमक मिलाकर 5 मिनट के लिए उबाल लें। गुनगुना होने पर इससे गरारे करें। ऐसा दिन में तीन से चार बार कर सकते हैं। इससे इम्यूनिटी बूस्ट होने के साथ गले की खराश से काफी हद तक राहत मिलेगी। गले की खराश को दूर करने का यह सबसे आसान तरीका है।

मुलेठी : गले की खराश व चुभन को दूर करने के लिए मुलेठी का इस्तेमाल कई तरीकों से कर सकते हैं। मुलेठी को सादा चबा सकते हैं या फिर एक चम्मच पाउडर मुलेठी को शहद में मिलाकर दिन में दो बार लें। चाहें तो मुलेठी पाउडर को गुनगुने पानी में मिलाकर गरारे भी कर सकते हैं। इससे भी आपको आराम मिलेगा।

आंवला जूस : पौराणिक समय से गले की खराश के लिए आंवला जूस का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके लिए एक चम्मच आंवला जूस में एक चम्मच शहद को मिलाकर लेने की सलाह दी जाती है। बता दें, आंवला जूस में विटामिन-सी होता है। वहीं, शहद एंटीबैक्टीरियल और एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होती है।

मेथीदाना : मेथी दाने में एंटी बैक्टीरियल और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होते हैं, जो गले में खराश की समस्या से लड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए एक गिलास पानी में एक चम्मच मेथी दाने को तब तक उबालें जब तक पानी का रंग बदल न जाए। इसके बाद पानी के ठंडे होने पर इसे छानकर पी सकते हैं नहीं तो गरारे कर सकते हैं।

पार्टनर के साथ तो हैं लेकिन उससे लगाव नहीं, तो समझ जाएं कि अपनी शादी को बचाने का वक्त आ गया

शादीशुदा रिश्तों में सांठ-गांठ और हंसी मजाक होना बहुत जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि रिश्तों में इन चीजों के अभाव से कभी-कभी स्थिति ऐसी पैदा हो जाती है कि वो संभालने लायक नहीं बचती।

किसी ने बिल्कुल ठीक कहा है कि शादीशुदा रिश्ता वही फल-फूलता है, जिसमें प्यार-विश्वास, रोमांस और समझदारी होती है। नहीं तो रिश्ते बेजान-बेमानी और महज एक फॉर्मेलिटी ही महसूस होते हैं। हालांकि, यह सब रातों-रात पैदा नहीं होता। प्यार वाले रिश्तों को एक बगीचे की तरह पनपने के लिए पोषण और देखभाल की जरूरत होती है, जो शुरूआती दिनों में तो अपने चरम पर होती है, लेकिन बढ़ती जिम्मेदारियों के चलते धीरे-धीरे उनका उत्साह कम हो जाता है। ऐसे में हमसफर के प्रति जज्बात तो रहते हैं, लेकिन वो खिंचाव महसूस नहीं होता, जो उन्हें एक-दूसरे के नजदीक लाता है, जिसका नतीजा कपल्स के बीच दूरियां बढ़ने लगती हैं और उनके रिश्ते में रोमांस की चिंगारी पूरी तरह खत्म हो जाती है। इस दौरान दो प्यार करने वाले लोग हमेशा-हमेशा के लिए अलग हो जाते हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या आप भी बिल्कुल ऐसे ही मोड़ से गुजर रहे हैं, जहां हमसफर का साथ तो है, मगर लगाव नहीं, तो हम बता रहे हैं, वो बातें जिनकी मदद से आप अपनी शादी को खत्म होने से बचा सकते हैं।

सबसे पहले जल्दबाजी में कोई फैसला न लें हम मानते हैं कि जब दो लोगों के बीच मन-मुटाव बढ़ता है, तो उनका साथ रहना मुश्किल हो जाता है। इस दौरान सबसे ज्यादा जरूरी यही है कि अपने पार्टनर की कमियों को नजरअंदाज करते हुए उसकी अच्छाइयों पर भी ध्यान दें। हर समय एक दूसरे में कमी निकालना रिश्तों को खोखला बनाने का काम करता है। ये हालात रिश्तों में आपसी प्यार की कमी को दर्शाते हैं। ऐसे नाजुक समय में जल्दबाजी में लिया गया फैसला आपको बाद में पछताने पर मजबूर कर सकता है। रिश्ते को लंबा चलाने और आपसी बॉन्डिंग को मजबूत करने के लिए अपने साथी से जुड़े रहना बहुत जरूरी है।

खुलकर अपनी बात रखे क्या आपको देर रात की वो दिलकश बातें और हंसी याद है, जब आप दोनों केवल एक-दूसरे के प्यार में पागल थे। अगर नहीं, तो आपको अपने रिश्ते में एक बार फिर उसे दोहराने की जरूरत है। दरअसल, अमेरिका की प्रसिद्ध मनोचिकित्सक एमिली एच सैंडर्स कहती हैं कि आपके दिल में जितना प्यार है, पार्टनर को उतना ही महसूस होगा, जब आप उसे अपने साथी के सामने जाहिर करेंगे। प्यार दिखाएंगे तो पार्टनर उसे निखारकर वापस करेगा और ज्यादा प्यार दिखाएगा। ये सिलसिला चलता रहेगा और रिलेशनशिप बॉन्डिंग मजबूत होती जाएगी।

हेल्दी टॉक न करें अवॉइड

बहुत बार देखा गया है कि जब दो लोग एक-दूसरे से नाराज होते हैं या एक-दूसरे से परेशान रहने लगते हैं, तो वह आपस में बात करना पूरी तरह बंद कर देते हैं, जोकि बहुत ही गलत तरीका है। दरअसल, जिन रिश्तों में कम्युनिकेशन मिसिंग होता है, उनका ज्यादा दिन सांस लेना मुश्किल हो जाता है। रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए हेल्दी टॉक बहुत ज्यादा जरूरी है। स्ट्रांग बॉन्डिंग के लिए पॉर्टनर के साथ अच्छा मेल-जोल बढ़ाएं। उसे इस बात का एहसास दिलाएं कि आप दोनों के बीच कुछ नहीं बदला है। आप अभी भी पहले की तरह उनकी हर बात सुनने के लिए तैयार हैं।

इंटिमेसी को भी करें शामिल

रिलेशनशिप में एक-दूसरे के लिए प्यार बनाए रखना यानी फिजिकल इंटिमेट होना प्यार जताने का सबसे कॉमन और ट्रेडिशनल तरीका है। अगर इस समय इंटिमेसी आपके रिश्ते में नहीं है, तो आपको उसे फिर से जगाने की जरूरत है।

एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल पर GST हटाया गया, शराब की कीमतों पर क्या होगा असर?

Budget 2024 में केंद्रीय जीएसटी कानून में बदलाव करके एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल (Extra Neutral Alcohol (ENA) को जीएसटी के दायरे से बाहर कर दिया गया। इसका असर शराब उत्पादन की लागत और कीमत पर पड़ेगा। लागत कम होने से शराब की कीमतें घट सकती हैं।

नई दिल्लीः केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण (Nirmala Sitharaman) ने कल संसद में पेश किए गए बजट में कुछ ऐसे प्रावधान किए हैं, जिससे शराब सस्ती हो सकती है। जी हां, बजट 2024 में शराब बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले कच्चे माल 'एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल' (ENA) पर लगने वाले GST को हटा दिया गया है। इसके लिए सरकार ने सेंट्रल जीएसटी लॉ के सेक्शन 9 में संशोधन किया है। इससे शराब बनाने की लागत कम होगी और ग्राहकों को सस्ती शराब मिल सकेगी। लेकिन, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा नहीं होगा और शराब की कीमतें और बढ़ सकती हैं।

अभी तक जीएसटी लगता था हमारे सहयोगी ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक अब तक ENA पर GST लगता था, लेकिन शराब पर नहीं। इससे शराब बनाने वाली कंपनियों को दिक्कत हो रही थी, क्योंकि उन्हें कच्चे माल पर GST देना पड़ता था, लेकिन वो उसका लाभ नहीं ले पाते थे। अब केंद्र सरकार ने ENA को GST के दायरे से बाहर कर दिया है। इसका मतलब है कि अब राज्य सरकारें इस पर टैक्स लगा सकेंगी। कुछ विशेषज्ञ का मानना है कि इससे शराब बनाने की लागत कम होगी। लेकिन, कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसा नहीं होगा। उनका कहना है कि अलग-अलग राज्यों में ENA पर अलग-अलग टैक्स लगेंगे, जिससे शराब की कीमतें और बढ़ सकती हैं।

जीएसटी कानून में बदलाव

बजट 2024 में केंद्रीय GST कानून, खासकर धारा 9 में बदलाव किए गए हैं। इन बदलावों से एक्स्ट्रा न्यूट्रल अल्कोहल (ENA) को केंद्रीय GST कानून के दायरे से बाहर कर दिया गया है। इस प्रकार के अल्कोहल का उपयोग मादक पेय बनाने में किया जाता है। वित्त मंत्री ने IGST अधिनियम और UTGST अधिनियम में भी इसी तरह के बदलावों का सुझाव दिया। एक्स्ट्रा-न्यूट्रल अल्कोहल (ENA) मानव उपभोग के लिए शराब के उत्पादन में महत्वपूर्ण है। दरअसल, बजट 2024 में इस संशोधन से पहले एक समस्या मौजूद थी। हालांकि कुछ आपूर्तिकर्ताओं द्वारा ENA पर GST लगाया जा रहा था, लेकिन तैयार उत्पाद शराब पर GST नहीं लग रहा था। सिरमैक कंसल्टेंसी सर्विसेज (लॉ फर्म) के सीनियर एसोसिएट एडवोकेट अपूर्व फिलिप्स कहते हैं। "इससे उत्पादन की लागत बढ़ रही थी क्योंकि कच्चे माल की लागत (ENA) अधिक हो रही थी क्योंकि उस पर GST लगाया जा रहा था। अब, चूंकि केंद्र सरकार ने ENA पर टैक्स को समाप्त करने का फैसला किया है, इसलिए अब राज्यों पर निर्भर है कि वे इस कच्चे माल पर टैक्स लगाएं, जिस पर राज्य समान दर से नहीं लगा सकते हैं।"

20 दिन में पैसा डबल, दो दिन में 20% रिटर्न... बजट में एक घोषणा से इस शेयर को लग गए पंख

बजट पेश होने के बाद से लेकर अब तक शेयर मार्केट लगातार गोते लगा रही है। वहीं एक शेयर ऐसा है जिसने दो दिन में ही निवेशकों को मालामाल कर दिया है। कल बजट में एक घोषणा से यह ऐसा दौड़ा कि 10 फीसदी का उछाल आ गया। आज भी इसमें करीब 10 फीसदी का उछाल आया।

नई दिल्लीः वित्त मंत्री निर्मता सीतारमण कल यानी मंगलवार को जब बजट पेश कर रही थीं तो शेयट मार्केट गिर रहा था। बजट पेश करने के बाद शेयर मार्केट में करीब 1000 अंकों की गिरावट आ गई थी। इसी दौरान IEC एजुकेशन लिमिटेड कंपनी का शेयर करीब 10 फीसदी का उछाल मार चुका था। यह उछाल वित्त की उस घोषणा से आई जिसमें उन्होंने हायर एजुकेशन के लिए घरेलू संस्थानों में पढ़ाई करने वाले स्टूडेंट्स को 10 लाख रुपये तक का लोन देने का बात कही थी। दरअसल, IEC कंपनी भी एजुकेशन से जुड़ी है। आज भी इस कंपनी के शेयरों में करीब 10 फीसदी का उछाल देखने को मिला। ऐसे में इस कंपनी में मात्र दो दिन में ही 20 फीसदी का रिटर्न दे दिया है। यह पेनी स्टॉक है जिसकी कीमत 4 रुपये से भी कम है। गिरते बाजार में देश के सबसे महंगे शेयर को खरीदने की मची लूट, क्यों पीछे पड़े हैं इनवेस्टर्स?

एक महीना भी नहीं लगा पैसा दोगुना करने में

इस कंपनी के शेयर ने मात्र 20 दिन में ही निवेशकों की रकम दोगुनी से ज्यादा कर दी है। वहीं अगर पिछले 5 दिनों की बात करें तो इसने 70 फीसदी से ज्यादा रिटर्न दिया है। 4 जुलाई को इस कंपनी का शेयर 1.77 रुपये पर था। आज यानी बुधवार को यह 3.87 रुपये पर रहा। ऐसे में इसने मात्र 20 दिनों में ही करीब 118 फीसदी का रिटर्न दिया है। अगर आपने 20 दिन पहले इसमें एक लाख रुपये निवेश किए होते तो यह रकम बढ़कर 2.18 लाख रुपये हो चुकी होती। ऐसे में आपको 1.18 लाख रुपये का प्रॉफिट हो चुका होता। 6 करोड़ रुपये से कम है कंपनी का मार्केट कैप IEC एजुकेशन लिमिटेड कंपनी का मार्केट कैप अभी 5.91 करोड़ रुपये है। कंपनी की स्थापना साल 1994 में हुई थी। पेनी स्टॉक में निवेश करना काफी जोखिमभरा होता है। काफी एक्सपर्ट पेनी स्टॉक में निवेश की सलाह नहीं लेते और इनसे दूर रहने को कहते हैं। इसका कारण है कि ये शेयर जितनी तेजी से बढ़ते हैं, उतनी ही तेजी से नीचे गिरते हैं।

आज मार्केट में आई गिरावट बुधवार को भी शेयर मार्केट में गिरावट आई। सेंसेक्स में करीब 231 अंकों और निफ्टी में करीब 40 अंकों की गिरावट देखी गई। सबसे ज्यादा गिरावट बैंकिंग सेक्टर में देखने को मिली। एक समय सेंसेक्स में 600 अंकों से ज्यादा की गिरावट आ गई थी। हालांकि बाद में मार्केट कुछ बेहतर हुई जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने बढ़त बनाई।

जमीन की खरीद-फरोख्त में अब नहीं होगी नींद हराम, सरकार कर रही पक्का इंतजाम

जमीन की खरीद-फरोख्त में धोखाधड़ी की खबरें अक्सर आती रहती हैं। कई बार तो एक ही प्लॉट कई लोगों को बेच दिया जाता है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। सरकार हर प्लॉट के लिए आधार नंबर देने जा रही है।

नई दिल्लीः दुनिया में ज्यादातर झगड़े जमीन को लेकर होते हैं। साथ ही जमीन की खरीद-फरोख्त में भी फर्जीवाड़े की खबरें सामने आती रहती है। कई बार एक ही प्लॉट कई लोगों को बेच दिया जाता है। लेकिन अब सरकार इससे निपटने के लिए पक्का इंतजाम करने जा रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को पेश बजट में ग्रामीण क्षेत्रों में सभी प्लॉट के लिए 'भू-आधार' नंबर देने की घोषणा की है। यह आधार की तरह एक विशिष्ट पहचान संख्या होगी। साथ ही 2027 तक शहरी इलाकों में जमीन के रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण की योजना है। इस रिफॉर्म को रफ्तार देने के लिए केंद्र सरकार राज्यों को वित्तीय सहायता देगी। माना जा रहा है कि इस कदम से ग्रामीण क्षेत्रों में क्रेडिट फ्लो और एग्रीकल्चरल सर्विसेज से जुड़ी दूसरी सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही इससे कस्बों और शहरों में जमीन की खरीद-फरोख्त में धोखाधड़ी रोकने और प्रॉपर्टी टैक्स कलेक्शन में सुधार करने में मदद मिलेगी। सीतारमण ने अपने बजट भाषण में कहा कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में भूमि से संबंधित सुधार और एक्शन के दायरे में लैंड एडमिनिस्ट्रेशन, प्लानिंग एंड मैनेजमेंट और अर्बन प्लानिंग, यूसेज और बिल्डिंग्स से जुड़े नियम आएंगे। उन्होंने कहा कि उचित वित्तीय सहायता के माध्यम से इन्हें अगले तीन वर्षों के भीतर पूरा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

इस सरकारी कंपनी को बजट से मिली छप्परफाड़ रकम, शेयर बन गया रॉकेट, सीधे अपर सर्किट पर जाकर रुका

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में सरकारी दूरसंचार कंपनियों के लिए भी पिटारा खोला है। इसके लिए 1.28 लाख करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव रखा गया है। इससे BSNL और MTNL की सेवाओं में विस्तार होगा। इस ऐलान के बाद बुधवार सुबह मार्केट खुलते ही MTNL के शेयर में 5% की तेजी आ गई।

नई दिल्लीः देश की सरकारी दूरसंचार कंपनियों BSNL और MTNL के अच्छे दिन शुरू होने वाले हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कल बजट में दूरसंचार मंत्रालय के तहत दूरसंचार परियोजनाओं और सार्वजनिक क्षेत्र की फर्मों के लिए 1.28 लाख करोड़ रुपये के आवंटन का प्रस्ताव किया। इसमें से अधिकांश रकम सरकारी स्वामित्व वाली BSNL के लिए निर्धारित की गई है। बजट के इस ऐलान के बाद बुधवार को MTNL के शेयर में तेजी देखी गई। इस कंपनी के शेयर में 5 फीसदी का अपर सर्किट लग गया। इस तेजी के साथ यह शेयर 88.06 रुपये पर पहुंच गया है। बता दें कि MTNL शेयर मार्केट में लिस्टेड कंपनी है। लाख करोड़ रुपये से अधिक BSNL और MTNL से संबंधित खर्चों के लिए है। सरकार के इस कदम से इन कंपनियों की दूरसंचार सेवाएं और ज्यादा बेहतर होंगी। बजट में जो आवंटन का प्रस्ताव किया है, उसमें बीएसएनएल की टेक्नॉलजी को अपग्रेड करने और बीएसएनएल में पुनर्गठन के लिए 82,916 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। **ग्रामीण इलाकों में तेजी से फैलेगा इंटरनेट का जाल** बजट डॉक्यूमेंट्स में कहा गया है कि बजट अनुमान 2024-25 में इस मांग के लिए कुल शुद्ध आवंटन 1,28,915.43 करोड़ रुपये (1,11,915.43 करोड़ रुपये प्लस 17 हजार करोड़ रुपये) है। 17 हजार करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रावधान यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड के तहत उपलब्ध शेष राशि से पूरा होगा। इसका इस्तेमाल विभिन्न योजनाओं जैसे- दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को मुआवजा देने, भारतनेट और रिसर्च और डिवेलपमेंट जैसी योजनाओं के लिए किया जाएगा। भारतनेट सरकार की वह योजना है जिसके अंतर्गत ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट का जाल फैलाया जाएगा।

कर्मचारियों की मिलेगा पेंशन का लाभ बजट में बीएलएनएल और एमटीएनएल के कर्मचारियों समेत दूरसंचार विभाग के सभी कर्मचारियों का भी ध्यान रखा गया है। कर्मचारियों की पेंशन लाभ के लिए बजट में 17,510 करोड़ रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव किया गया है। पेंशन का यह लाभ 1 अप्रैल 2014 से प्रभावी माना जाएगा। सरकार ने एमटीएनएल बॉन्ड की मूल राशि के भुगतान के लिए 3,668.97 करोड़ रुपये आवंटित करने का प्रस्ताव किया है।

घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने पर जोर बजट में दूरसंचार से जुड़ी चीजों के घरेलू मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा पर जोर दिया गया। इसके लिए सरकार ने बजट में मदरबोर्ड पर इंपोर्ट ड्यूटी में 5 फीसदी की वृद्धि की है। मदरबोर्ड को तकनीकी भाषा में प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (PCB) कहा जाता है। बजट में पीसीबीए (प्रिंटेड सर्किट बोर्ड असेंबली) पर बेसिक कस्टम्स ड्यूटी को 10 फीसदी से बढ़ाकर 15 फीसदी करने का प्रस्ताव किया गया है।

बजट के दिन मुकेश अंबानी को 9,206 करोड़ का फटका

बजट के दिन मंगलवार को शेयर बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। एक समय बीएसई सेंसेक्स 1500 अंक तक गिर गया था लेकिन बाद में यह संभल गया। अंत में यह मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ।

नई दिल्लीः वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को फाइनेंशियल ईयर 2024-25 का फुल बजट पेश किया। इस दौरान शेयर मार्केट में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। एक समय बीएसई सेंसेक्स 1500 अंक तक गिर चुका था लेकिन बाद में इसने पलटी मारी और 70 अंक की मामूली गिरावट के साथ बंद हुआ। देश की सबसे वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (Reliance Industries) का शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि अडानी ग्रुप (Adani Group) के कई शेयरों में तेजी रही। रिलायंस के शेयरों में गिरावट से कंपनी के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ में 1.1 अरब डॉलर यानी करीब 9,206 करोड़ रुपये की गिरावट आई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ 112 अरब डॉलर रह गई है। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस अंबानी की नेटवर्थ में इस साल 16 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर बने हुए हैं। इस बीच अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में मंगलवार को 75.1 करोड़ डॉलर की तेजी आई। वित्त मंत्री जब बजट पेश कर रही थीं तो अडानी ग्रुप के शेयरों में पांच फीसदी तक तेजी आई थी। अडानी 102 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 14वें नंबर पर बने हुए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 17.8 अरब डॉलर की तेजी आई है। रिटेल का किंग कौन... मुकेश अंबानी और राधाकिशन दमानी को फिर से टक्कर देंगे बियाणी

टॉप 10 अमीर दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में मंगलवार को 3.67 अरब डॉलर की गिरावट आई जबकि जेफ बेजोस की नेटवर्थ 3.71 अरब डॉलर बढ़ गई। मस्क 262 अरब डॉलर के साथ टॉप पर और बेजोस 209 अरब डॉलर के साथ दूसरे नंबर पर हैं। फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड अरनॉल्ट (196 अरब डॉलर) के साथ तीसरे, मार्क जकरबर्ग (174 अरब डॉलर) चौथे, लैरी पेज (162 अरब डॉलर) पांचवें, बिल गेट्स (159 अरब डॉलर) छठे, लैरी एलिसन (158 अरब डॉलर) सातवें, स्टीव बालमर (153 अरब डॉलर) आठवें, सर्गेई ब्रिन (152 अरब डॉलर) नौवें और वॉरेन बफे (137 अरब डॉलर) दसवें नंबर पर हैं। दुनिया के 10 टॉप अमीरों में नौ अमेरिका के हैं।

कौन हैं ईशा अंबानी के पति आनंद पीरामल, क्या करते हैं और कितनी है संपत्ति

भारत के सबसे अमीर शख्स मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी के बारे में मीडिया में बहुत कुछ छपते रहता है। लेकिन, उनके पति आनंद पीरामल लाइमलाइट से दूर रहना पसंद करते हैं। 25 अक्टूबर 1985 को जन्मे आनंद पीरामल, अजय और स्वाति पीरामल के बेटे हैं और वह पीरामल ग्रुप के एक्जीक्यूटिव डाइरेक्टर हैं।

पीरामल ग्रुप के ईडी आनंद पीरामल और ईशा अंबानी की शादी साल 2018 में हुई थी। उस समय उसकी शादी को दुनिया की सबसे महंगी शादियों में से एक कहा जाता था। अब तो ईशा के भाई अनंत अंबानी की शादी ने सबको पीछे छोड़ दिया है। ईशा और आनंद की शादी के चार साल बाद, नवंबर 2022 में, उन्हें जुड़वां बच्चे हुए। उनके बेटे का नाम कृष्णा और बेटी का नाम आदिया है। हम बता रहे हैं आनंद पीरामल के बारे में सबकुछ।

कौन हैं आनंद पीरामल आनंद पीरामल मूल रूप से राजस्थान के झुंझुनू के बगड़ कस्बे के रहने वाले हैं। उनके पिता का नाम अजय पीरामल है। पीरामल परिवार का बगड़ पैतृक गांव है। इस गांव के रहने वाले सेठ पीरामल चतुर्भुज मखारिया बगड़ कस्बे से सन 1920 में महज 50 रुपये लेकर बॉम्बे आए थे। आज उनका बिजनेस एम्पायर 67 हजार करोड़ से ज्यादा का है।

आनंद पीरामल क्या काम करते हैं आनंद पीरामल, पीरामल समूह के वित्तीय सेवा व्यवसायों के प्रमुख हैं, जिसे भारत में सबसे बड़ी और विविध एनबीएफसी में से एक कहा जाता है। पीरामल की कंपनी लेंडिंग, कंस्ट्रक्शन फाइनेंस आदि क्षेत्रों में काम करती है। वह पीरामल रियल्टी का भी नेतृत्व करते हैं, जो मुंबई के प्रमुख डेवलपर्स में से एक है। इसके अलावा, आनंद समूह के वैकल्पिक व्यवसायों की भी देखरेख करते हैं, जो अपोलो, बेन कैपिटल, आईएफसी आदि के साथ साझेदारी में हैं। आनंद ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी काम करते हैं। उन्होंने स्टार्ट-अप 'पीरामल ई-स्वास्थ्य' की स्थापना की, जो देश में सबसे बड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल पहल में से एक है।

कहां तक पढ़े हैं आनंद आनंद पीरामल ने पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय से अर्थशास्त्र में कला स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद, उन्होंने हार्वर्ड बिजनेस स्कूल से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) में मास्टर डिग्री हासिल की। उन्हें इंडियन मर्चेंट चैंबर्स की यूथ विंग के सबसे युवा अध्यक्षों में से एक के रूप में भी चुना गया है। **आनंद पीरामल नेट वर्थ** जबकि आनंद पीरामल की सटीक कुल संपत्ति के बारे में रिपोर्ट सामने नहीं आई है। फोर्ब्स के अनुसार उनके पिता अजय पीरामल भारत के 56वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। फोर्ब्स की 23 जुलाई, 2024 को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, अजय पीरामल की कुल संपत्ति लगभग तीन अरब डॉलर है।

महाराष्ट्र की इकॉनमी पाकिस्तान से बड़ी, दिल्ली की कमाई दक्षिण अफ्रीका जैसी... 11 दिलचस्प आंकड़े देखिए

भारत विविधताओं से भरा देश है। यही विविधता राज्यों की इकॉनमी में भी देखने को मिलती है। महाराष्ट्र की इकॉनमी पाकिस्तान से बड़ी है जबकि पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम की इकॉनमी का साइज महज 0.3 लाख करोड़ है। यहां हम राज्यों के बारे में 11 दिलचस्प आंकड़े बता रहे हैं...

महाराष्ट्र की इकॉनमी पाकिस्तान से बड़ी, दिल्ली की कमाई दक्षिण अफ्रीका जैसी... 11 दिलचस्प आंकड़े देखिए देश के विभिन्न राज्यों की इकॉनमी में काफी असमानता देखने को मिलती है। दिल्ली, गोवा और सिक्किम की प्रति व्यक्ति आय जहां दक्षिण अफ्रीका के बराबर है वहीं उत्तर प्रदेश की स्थिति दुनिया के सबसे गरीब देशों में शामिल सोमालिया और रवांडा के समान है। इसी तरह शिशु मृत्यु दर के मामले में मिजोरम और केरल की स्थिति अमेरिका और यूके की तरह है जबकि मध्य प्रदेश की हालत अफगानिस्तान की तरह है। यहां हम आपको राज्यों के बारे में 11 दिलचस्प आंकड़े बता रहे हैं... **हरियाणा vs बिहार** साल 1980 से 1984 के बीच देश के बड़े राज्यों में पंजाब सबसे समृद्ध था। तब हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय पंजाब के 86% के बराबर थी। 2020-22 में हरियाणा देश का सबसे समृद्ध राज्य बन गया। पंजाब की प्रति व्यक्ति आय हरियाणा की 63% रह गई है। बिहार की प्रति व्यक्ति आय हरियाणा के मुकाबले 20% है। **दिल्ली वर्सेज यूपी**

सिक्किम, गोवा और दिल्ली की प्रति व्यक्ति आय दक्षिण अफ्रीका के बराबर है। बिहार और यूपी जैसे बड़े राज्यों की प्रति व्यक्ति आय रवांडा और सोमालिया जैसे गरीब देशों के बराबर है। प्रति व्यक्ति आय के मामले में सिक्किम, गोवा, दिल्ली, तेलंगाना और कर्नाटक टॉप पर हैं। वहीं मेघालय, झारखंड, मणिपुर, उत्तर प्रदेश और बिहार सबसे नीचे हैं।

NPS नियमों में बदलावः सैलेरीड को मिलेगा ज्यादा टैक्स सेविंग का लाभ

बजट 2024 ने नई कर व्यवस्था में NPS को और आकर्षक बना दिया है। नियोक्ता द्वारा कर्मचारी के NPS टियर-I खाते में योगदान पर अब 14% तक की कटौती का दावा किया जा सकता है। यह बदलाव सामाजिक सुरक्षा को मजबूत करने और करदाताओं को अधिक बचत करने में मदद करेगा।

नई दिल्लीः नेशनल पेंशन स्कीम (National Pension Scheme) यानी एनपीएस दिनों-दिन लोकप्रिय होता जा रहा है। पहले इसमें सरकारी क्षेत्र के कर्मचारी जुड़े। अब इससे प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारी भी जुड़ रहे हैं। पहले इसमें सरकारी क्षेत्र के कर्मचारियों में नियोक्ता के योगदान की सीमा को 10 फीसदी से बढ़ा कर 14 फीसदी कर दिया था। अब इस सुविधा का लाभ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों को भी दे दिया गया है। जानते हैं इस बारे में विस्तार से। **क्या हुआ है बदलाव** सरकार ने NPS में निवेश करने वालों के लिए टैक्स बेनिफिट बढ़ा दिया है। अब प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों के लिए NPS में नियोक्ता के योगदान की सीमा 10% से बढ़ाकर 14% कर दी गई है। यानी अब आपकी सैलरी का ज्यादा हिस्सा टैक्स फ्री होकर NPS में जाएगा और आपका रिटायरमेंट फंड और भी मजबूत बनेगा।

किन्हें मिलेगा लाभ यहां एक बात ध्यान रखने वाली बात है। यह फायदा सिर्फ नई टैक्स व्यवस्था चुनने वालों को ही मिलेगा। ओल्ड रिजीम चुनने वालों को इसका कोई लाभ नहीं मिलेगा। इस बदलाव से पहले तक यह सुविधा केवल सरकारी कर्मचारियों के लिए ही उपलब्ध थी। इस बार इसमें बच्चों के लिए वात्सल्य अकाउंट की भी सुविधा दी गई है।

क्या है NPS Vatshalya इस योजना में नाबालिगों के लिए माता-पिता या कानूनी अभिभावक अशंदान कर सकेंगे। नाबालिग के वयस्क होने पर योजना को सामान्य एनपीएस खाते में परिवर्तित किया जा सकता है। बच्चे के अडल्ट होने पर इस योजना को आसानी से नॉर्मल NPS अकाउंट (NPS Account) में बदला जा सकेगा।

NPS क्या है? NPS यानी नेशनल पेंशन सिस्टम। यह भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक पेंशन योजना है। यह योजना विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के कर्मचारियों और स्व-नियोजित व्यक्तियों के लिए डिज़ाइन की गई है। हालांकि, यह योजना सभी भारतीय नागरिकों के लिए खुली है। NPS में निवेश करने पर आपको दो अकाउंट मिलते हैं - टियर 1 और टियर 2. क्या है टियर 1 एवं टियर 2 अकाउंट

एक नजर.....

अमेरिकी चुनाव में 5 दशक बाद पहली बार दिखेगा बदलाव, बैलेट पर नहीं होगा बुश, क्लिंटन या बाइडन का नाम

बाइडन ने चुनावी रेस से हटने का फैसला अपनी उम्र और सेहत पर उठी चिंताओं के बाद लिया है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि यह मेरी पार्टी और देश के सर्वोत्तम हित में है कि मैं पद छोड़ दूं। बाइडन का राजनीतिक करियर करीब 50 साल का है और उनका हटना एक युग की समाप्ति है।

***वॉशिंगटनः** अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को कहा कि वह इस साल होने वाले चुनाव में डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार नहीं होंगे। बाइडन के राष्ट्रपति पद की रेस से हटने के ऐलान के साथ ही अमेरिका की राजनीति में एक 'बदलाव' आना तय हो गया है। अमेरिका में बीते करीब पांच दशक से हर राष्ट्रपति चुनाव में तीन नाम (सरनेम) जरूर शामिल रहे हैं। ये नाम हैं- बुश, क्लिंटन और बाइडन। 1976 के बाद हुए सभी इलेक्शन में ये नाम राष्ट्रपति या उपराष्ट्रपति पद के लिए मतपत्र पर दिखाई देते रहे हैं। ऐसा इस बार नहींम होने जा रहा है। अमेरिका में 1976 के चुनाव के बाद इन नामों की एंट्री बैलेट पर हुई थी। साल 1980 में हुए चुनाव में रोनाल्ड रीगन और जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश चुनाव मैदान में थे। 1984 में भी ऐसा ही हुआ और इस चुनाव में रीगन प्रेसीडेंट और बुश उपराष्ट्रपति चुने गए। इसके बाद साल 1988 के इलेक्शन में बुश राष्ट्रपति बन गए। 1992 में जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश फिर से चुनाव मैदान में थे लेकिन वह बिल क्लिंटन से हार गए। बिल क्लिंटन 1996 में फिर लड़े और राष्ट्रपति चुने गए। इसके बाद भी बुश नाम राजनीति में छाया रहा। इसके बाद जॉर्ज डब्ल्यू बुश 2000 और 2004 में अमेरिका के राष्ट्रपति बने। **ओबामा के साथ बाइडन बने उपराष्ट्रपति** अमेरिका में 2008 के चुनाव में बुश मतपत्र से हटे लेकिन बाइडन और क्लिंटन शामिल रहे। 2008 से 2020 तक हर राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन या हिलेरी क्लिंटन शामिल रहे हैं। बराक ओबामा और जो बाइडन ने 2008 और 2012 के चुनाव में हिस्सा लिया। बाइडन ने इस दौरान उपराष्ट्रपति का पद संभाला। हिलेरी क्लिंटन 2016 में डोनाल्ड ट्रंप के सामने लड़ीं और हार गईं। इसके बाद जो बाइडन ने 2020 में ट्रंप को राष्ट्रपति चुनाव में हराया। चुनाव की रेस से हटने पर डोनाल्ड ट्रंप ने दिया पहला रिएक्शन।*

भारत ने पड़ोस में दी चीन को बड़ी मात, बांग्लादेश के अहम बंदरगाह पर मिला संचालन का अधिकार, बदल जाएगा खेल

हाल के वर्षों में ये तीसरा विदेशी बंदरगाह है जिस पर भारत ने नियंत्रण हासिल किया है। इसके पहले ईरान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार पोर्ट और म्यांमार के सिटवे बंदरगाह पर भारत ने संचालन का अधिकार हासिल किया था। अब मोंगला बंदरगाह पर पहुंच के साथ भारत की तीन देशों में उपस्थिति हो गई है।

ढाकाः बांग्लादेश में अपना असर बढ़ाने में जुटे चीन को भारत ने अपनी एक चाल से करारी मात दे दी है। भारत ने बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह के एक टर्मिनल पर संचालन का अधिकार हासिल कर लिया है। हिंद महासागर और बांग्लादेश में चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच विश्लेषक इसे भारत की रणनीतिक जीत बता रहे हैं। भारत ने हाल के दिनों में वैश्विक समुद्री दौड़ में चीन का मुकाबला करने के लिए विदेशी बंदरगाहों पर नियंत्रण हासिल करने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। मोंगला बंदरगाह पर भारत की पहुंच इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह चटगांव के बाद बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है। मोंगला पोर्ट के सौदे का विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है।

हाल के वर्षों में ये तीसरा बंदरगाह है, जिसके संचालन का अधिकार भारत को हासिल हुआ है। इसके पहले भारत ने ईरान के चाबहार और म्यांमार के सिटवे बंदरगार पर परिचालन का अधिकार हासिल किया है। इनमें से चाबहार बंदरगाह का पूरा विकास ही भारत ने किया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बोंगला पोर्ट के टर्मिनल का संचालन इंडियन पोर्ट ग्लोबल लिमिटेड (IGPL) के माध्यम से किया जाएगा।

मोंगला भारत के लिए अवसर पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारी कोमोडोर सी उदय भास्कर ने साउथ चाइन मॉर्निंग पोस्ट को बताया कि मोंगला भारत के लिए एक संभावित बड़ा अवसर है, जिसके वह हिंदमहासागर के तटीय क्षेत्रों के लिए एक बंदरगाह पार्टनर के रूप में अपनी विश्वसनीयता स्थापित कर सके। दिल्ली स्थित थिंक टैंक सोसाइटी फॉर पॉलिसी स्टडीज के निदेशक उदय भास्कर ने बताया कि कंटेरन यातायात के आधार पर भारत दुनिया के शीर्ष 10 बंदरगाहों में शामिल नहीं है, जबकि चीन के छह बंदरगाह इस सूची में शामिल है।

चीन से है भारत का मुकाबला भास्कर ने आगे बताया कि जब बंदरगाहों की बात आती है, तो वैश्विक स्तर पर भारत अभी छोटा देश है और पिछले कुछ सालों में ही इस क्षेत्र की तरफ ध्यान दिया गया है। भास्कर ने कहा कि वैश्विक स्तर पर प्रमुख बंदरगाहों पर नियंत्रण किसी देश की अपनी समुद्री शक्ति की क्षमता को बढ़ा सकता है। उन्होंने चीन का उदाहरण देते हुए बताया कि 63 देशों में 100 से अधिक बंदरगाहों में उसका स्पष्ट निवेश है। मोंगला बंदरगाह सौदा पिछले महीने बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की दो दिवसीय भारत यात्रा के बाद हुआ है। इस यात्रा के दौरान उन्होंने अपने भारतीय समकक्ष नरेंद्र मोदी से मुलाकात की थी। दोनों देशों ने समुद्री क्षेत्र सहित कई सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

दाईं ओर झुका और जमीन से टकराते ही... नेपाल में कैसे पलक झपकते ही आग का गोला बना प्लेन

काठमांडू में हादसे का शिकार हुए विमान में 19 लोग सवार थे। इनमें से 18 लोगों की जान चली गई है। प्लेन के कैप्टन को विमान से जिंदा निकाला गया है। कैप्टन को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों की एक टीम घायल कैप्टन का इलाज कर रही है।

काठमांडूः काठमांडू के त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) पर बुधवार को उड़ान भरने के दौरान एक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, यह घटना सुबह करीब 11 बजे हुई, जब सौर्य एयरलाइंस का पोखरा जाने वाला विमान रनवे से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के प्रवक्ता प्रेमनाथ ठाकुर ने इस बात की जानकारी दी। नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) ने बताया कि विमान में सवार 19 लोगों में से 18 के शव बरामद कर लिए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, विमान के कैप्टन मनीष शाक्य को बचा लिया गया है। उन्हें अस्पताल ले जाया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद विमान जमीन पर गिर गया और आग के गोले में बदल गया। अग्निशमन दल, नेपाल पुलिस और नेपाली सेना बचाव अभियान चला रही है। हादसे का एक वीडियो सामने आया है जिसमें दिख रहा है कि विमान ने रनवे से उड़ान भरी, तब तक सब कुछ ठीक नजर आ रहा था। लेकिन कुछ ही मिनट में विमान का संतुलन बिगड़ गया। वीडियो में देखा जा सकता है कि विमान एक ओर झुक गया, विमान के दाईं ओर झुकने के कुछ ही पल में ये रनवे से कुछ दूरी पर गिर गया। जमीन से टकराते ही विमान में आग लग गई और धुएं का गुबार एयरपोर्ट पर फैल गया। आग इतनी भयावह थी कि इसकी चपेट में विमान में सवार सभी लोग आ गए। जानकारी के मुताबिक, विमान ने ये उड़ान टेस्ट के लिए भरी थी। परीक्षण उड़ान होने की वजह से इसमें कोई नियमित यात्री नहीं था बल्कि कंपनी के ही 19 कर्मचारी बैठे थे। एयरलाइन अपने कर्मचारियों और इंजीनियरों सहित 19 लोगों को विमान से पोखरा ले जा रही थी।

भारत ने पड़ोस में दी चीन को बड़ी मात, बांग्लादेश के अहम बंदरगाह पर मिला संचालन का अधिकार, बदल जाएगा खेल

हाल के वर्षों में ये तीसरा विदेशी बंदरगाह है जिस पर भारत ने नियंत्रण हासिल किया है। इसके पहले ईरान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण चाबहार पोर्ट और म्यांमार के सिटवे बंदरगाह पर भारत ने संचालन का अधिकार हासिल किया था। अब मोंगला बंदरगाह पर पहुंच के साथ भारत की तीन देशों में उपस्थिति हो गई है।

ढाकाः बांग्लादेश में अपना असर बढ़ाने में जुटे चीन को भारत ने अपनी एक चाल से करारी मात दे दी है। भारत ने बांग्लादेश के मोंगला बंदरगाह के एक टर्मिनल पर संचालन का अधिकार हासिल कर लिया है। हिंद महासागर और बांग्लादेश में चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच विश्लेषक इसे भारत की रणनीतिक जीत बता रहे हैं। भारत ने हाल के दिनों में वैश्विक समुद्री दौड़ में चीन का मुकाबला करने के लिए विदेशी बंदरगाहों पर नियंत्रण हासिल करने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। मोंगला बंदरगाह पर भारत की पहुंच इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह चटगांव के बाद बांग्लादेश का दूसरा सबसे बड़ा बंदरगाह है। मोंगला पोर्ट के सौदे का विवरण अभी सार्वजनिक नहीं किया गया है। हाल के वर्षों में ये तीसरा बंदरगाह है, जिसके संचालन का अधिकार भारत को हासिल हुआ है। इसके पहले भारत ने ईरान के चाबहार और म्यांमार के सिटवे बंदरगार पर परिचालन का अधिकार हासिल किया है। इनमें से चाबहार बंदरगाह का पूरा विकास ही भारत ने किया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बोंगला पोर्ट के टर्मिनल का संचालन इंडियन पोर्ट ग्लोबल लिमिटेड (IGPL) के माध्यम से किया जाएगा। पूर्व भारतीय नौसेना अधिकारी कोमोडोर सी उदय भास्कर ने साउथ चाइन मॉर्निंग पोस्ट को बताया कि मोंगला भारत के लिए एक संभावित बड़ा अवसर है, जिसके वह हिंदमहासागर के तटीय क्षेत्रों के लिए एक बंदरगाह पार्टनर के रूप में अपनी विश्वसनीयता स्थापित कर सके। दिल्ली स्थित थिंक टैंक सोसाइटी फॉर पॉलिसी स्टडीज के निदेशक उदय भास्कर ने बताया कि कंटेरन यातायात के आधार पर भारत दुनिया के शीर्ष 10 बंदरगाहों में शामिल नहीं है, जबकि चीन के छह बंदरगाह इस सूची में शामिल है जब बंदरगाहों की बात आती है, तो वैश्विक स्तर पर भारत अभी छोटा देश है ।

नेपाली लड़कियों के लिए नरक बन गया है चीन, शादी के नाम पर खरीदकर ले जा रहे चीनी एजेंट, फिर करा रहे गंदा धंधा

नेपाल में चीनी एजेंट का बड़ा गिरोह सक्रिय है, जो नेपाली लड़कियों को शादी का झांसा देकर उन्हें अपने साथ ले जाता है। जब ये लड़कियां चीन पहुंचती हैं, तो इन्हें सच्चाई पता चलती है, लेकिन वहां से वापसी का कोई रास्ता नहीं होता। इनमें से कुछ लड़कियां किसी तरह बचकर वापस नेपाल पहुंची हैं।

काठमांडूः नेपाली लड़कियों और महिलाओं को तस्करी करके चीन के विभिन्न स्थानों पर ले जाया जा रहा है। नेपाली मीडिया आउटलेट डीएमएन न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में इसकी जानकारी देते हुए बताया है कि नेपाल में बड़ी संख्या में चीनी गिरोह सक्रिय हैं। इन महिलाओं को चीनी पुरुषों के साथ शादी का लालच देकर फंसाया जाता है। चीन पहुंचने के बाद इन लड़कियों का शारीरिक और यौन शोषण किया गया। तमाम महिलाओं और लड़कियों को चीन लेकर वेश्यावृत्ति कराई जा रही है। रिपोर्ट में कई पीड़ित लड़कियों से बात करके इस गंदे धंधे के बारे में विस्तार से बताया गया है। **उत्पीड़न की कंपा देने वाली कहानी** इन लड़कियों को चीनी गिरोह तक पहुंचाने में नेपाली दलाल मदद करते हैं, जिन्हें इस काम के लिए मोटी रकम दी जाती है। कई महिलाओं और लड़िकयों ने अपनी दुख भरी कहानी बताई है। निम्न मध्यम वर्गीय परिवार की समझना उन्हीं लड़कियों में हैं। हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद वे एक कैफे में काम कर रही थीं, ज एक परिचित ने उनके सामने चीनी व्यक्ति से शादी का प्रस्ताव रखा। उन्हें बताया गया कि शादी के 5 साल बाद उन्हें चीनी नागरिकता मिल जाएगी। एक रेस्टोरेंट में उनकी चीनी व्यक्ति और उसके परिवार से मुलाकात कराई गई। उन्होंने 27 मार्च 2023 को अपनी शादी को पंजीकृत कराया। **चीन पहुंचने के बाद अत्याचार** शादी के बाद वो शख्स उन्हें लेकर दक्षिणी चीन के शहर जिंगताई ले गया। 10-12 दिन के बाद ही उनके साथ अत्याचार शुरू हुआ। समझाना ने बताया कि उनका पति सेक्स का लती थी और दवाएं लेकर उनके साथ संबंध बनाता था। विरोध करने पर उन्हें वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया गया। बात में समझना को पता चला कि उस शख्स के साथ 5 लाख नेपाली रुपये में उसका सौदा हुआ था। किसी तरह बीजिंग में नेपाल दूतावास से संपर्क होन पर उसे बचाया जा सका, लेकिन सभी लड़कियों की किस्मत ऐसी नहीं है। **रोशना को जब दोस्त ने फंसाया** रोशना की कहानी भी कुछ ऐसी है। वे अपने परिवार में आर्थिक तंगी का सामना कर रही थी। नेपाल के ललितपुर स्थित च्यासल में उनकी मुलाकात चीनी पर्यटकों के लिए गाइड का काम करन वाली किरण तमांग से हुई। किरण ने उन्हें बताया कि वह चीन में ज्यादा कमा सकती है और उसकी यात्रा का इंतजाम करने की पेशकश की। किरण ने सारा इंतजाम किया और उसे लेकर चीन गई। वहां, उसने अपने एक चीनी दोस्त से

रोशना की मुलाकात कराई। यहां से रोशना को चीनी व्यक्ति अपने साथ लेकर हेज शहर गया। कुछ ही दिनों में उसके साथ मारपीट शुरू हो गई। इस बीच किरण ने उसे हर जगह से ब्लॉक कर दिया था। रोशना को पता चला कि उसे 80 हजार रुपये में बेचा गया है। उसने टिकटॉक पर एक महिला से मदद मांगी, जिसने नेपाली दूतावास को सूचित किया।

शनि का चंद्र ग्रहणः आज आसमान में देखा जा सकेगा अनोखा नजारा, चांद के पीछे आ जाएगा शनि ग्रह

24-25 जुलाई की मध्य रात्रि को शनि का चंद्र ग्रहण हो रहा है। इसे एशिया और अफ्रीका के लोग देख सकेंगे। वैज्ञानिकों और खगोल विज्ञान में दिलचस्पी रखने वाले उत्साही लोगों के लिए चंद्रमा और शनि का एक सीध में आना एक खास घटनी होगी। एक्सपर्ट को खासतौर से इस घटना का इंतजार रहेगा।

वॉशिंगटनः खगोल विज्ञान में दिलचस्पी रखने वाले लोगों की निगाहें बुधवार रात (24 और 25 जुलाई की मध्य रात्रि) को आसमान में होगी। इसकी वजह ये है कि बुधवार रात को शनि का चंद्र ग्रहण होने जा रहा है। भारत में करीब 18 साल बाद शनि का चंद्र ग्रहण देखने को मिलेगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि 24 और 25 जुलाई की मध्य रात्रि में रात में कुछ घंटों के लिए इसे नंगी आंखों से देखा जा सकेगा, जब दो खगोलीय पिंड- चंद्रमा और शनि आमने-सामने आ जाएंगे। चंद्रमा शनि ग्रह को कुछ घंटों के लिए एशिया और अफ्रीका के आसमान पर ढकता हुआ दिखाई देगा। टीओआई की रिपोर्ट के मुताबिक, शनि चंद्र ग्रहण तब होता है, जब चांद अपनी ओट में शनि को छिपा लेता है। शनि के चंद्रमा के पीछे छिप जाने से चंद्रमा के किनारे से शनि के रिंग (छल्ले) नजर आते हैं। इस खगोलीय घटना को वैज्ञानिकों ने लूनर ऑकल्टेशन ऑफ सैटर्न का नाम दिया है। एक्सपर्ट के मुताबिक, शनि चंद्र ग्रहण 25 जुलाई को सुबह 01:03 बजे शुरू होगा और करीब दो घंटे यानी रात 02:56 बजे तक जारी रहेगा। वैज्ञानिक नजरिए ये ये एक दुर्लभ घटना होती है, जो चार साल के अंतराल पर हर 18 महीने में होती है। यह वैज्ञानिकों और इस क्षेत्र में दिलचस्पी रखने वालों को चंद्रमा और शनि ग्रह के इस मिलन पर अध्ययन करने का मौका देती है। यह घटना चंद्रमा की टोपोग्राफी और शनि की वायुमंडलीय स्थिति के बारे में बहुत कुछ बता सकती है। इस घटना को देखने का सबसे अच्छा समय शुरुआत और अंत में होता है।

इंडिया के सामने हम कुछ नहीं... भारत का बजट देख पाकिस्तानी हैरान, अपने ही देश को बताने लगे फिसड्डी

भारत के बजट में 90 हजार करोड़ रुपये स्वास्थ्य क्षेत्र पर खर्च के लिए रखा गया है। इसे देखने के बाद पाकिस्तानी लोग हैरान हैं। पाकिस्तानियों ने भारत के बजट के बाद अपने देश में स्वास्थ्य सेवाओं की भयावह सच्चाई बताई। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का भारत से कोई मुकाबला ही नहीं है।

इस्लामाबादः भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 23 जुलाई मंगलवार को बजट 2024-25 पेश किया। नरेंद्र मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल का ये पहला आम बजट है। इस बजट में स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए 90 हजार करोड़ रुपये तो शिक्षा के लिए 1.25 लाख करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। भारत के भारी भरकम बजट को देखकर पड़ोसी पाकिस्तान के लोगों को हैरान कर दिया है। भारत का बजट देखकर पाकिस्तान के लोगों ने अपनी ही सरकार को कोसना शुरू कर दिया है। पाकिस्तान के यूट्यूबर सोहैब चौधरी ने भारत के बजट को लेकर पाकिस्तानी लोगों से बात की और उनकी राय जानने की कोशिश की। सोहैब से बात करते हुए हमजा ने बताया कि पाकिस्तान में तो बच्चा पैदा करने पर सरकारी अस्पताल परिजनों को लूट लेते हैं। हमजा ने कहा कि भारत तो छोड़िए पाकिस्तान तो बांग्लादेश से भी पीछे हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल तो छोड़ दीजिए, उनके घर में बिना एसी चलाए 28 हजार रुपये हर महीने का बिल आता है। अस्पताल के बाहर खड़े लोगों से जब सोहैब ने पूछा तो हर किसी ने बताया कि एक भी दवा अस्पताल में नहीं मिलती है। **भारत के नेताओं की तारीफ** पाकिस्तान की तुलना करते हुए हमजा ने कहा कि आप भारत का क्या मुकाबला करेंगे। उनकी शिक्षा देख लीजिए। एक अन्य शख्स ने कहा कि हम किसी मामले में भारत के सामने नहीं खड़े हो सकते। उन्होंने बताया कि उनका मरीज सरकारी अस्पताल में भर्ती है लेकिन एक-एक इंजेक्शन के लिए अस्पताल से बाहर भेजा जाता है। हमजा ने बताया कि भारत में आप नेताओं को देख लीजिए। उनके नेताओं के बाहर दूसरे देशों में घर नहीं होते, बाहर बिजनेस नहीं करते। वो अपने ही देश में रहते हैं। पाकिस्तान के नेताओं को लंदन, दुबई में फ्लैट हैं।

पाकिस्तान में क्यों महंगी हैं दवाएं? फार्मा सेक्टर में काम करने वाले बिलाल ने बताया कि पाकिस्तान में जो दवाइयां मिलती हैं, उनके निर्माण की सारी सामग्री बाहर से आती हैं। इस वजह से दवाओं की कीमत बढ़ी रहती है।

नेपाल के सौर्य एयरलाइन का प्लेन 21 साल था पुराना, 18 कर्मचारियों की मौत, काठमांडू में विमान हादसे की पूरी कहानी

नेपाल की राजधानी काठमांडू में हादसे का शिकार हुए विमान में एक ही कंपनी के कर्मचारी सवाल थे। त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान भरने के दौरान ये हादसा हुआ और विमान में आग लग गई। धू धू जलते विमान की आग को फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत के बाद काबू किया।

काठमांडूः नेपाल में बुधवार को उस समय एक विमान हादसे का शिकार हो गया, जब उड़ान भरते ही उसमें आग लग गई। आग लगने के बाद विमान जमीन पर गिरा और धू-धू कर जल उठा। नेपाल पुलिस ने बताया है कि ये विमान सौर्य एयरलाइन का था और इसमें इसी एयरलाइन के कुल 19 लोग सवार थे। हादसे के बाद 18 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। 18 शवों को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा चुका है। सिर्फ प्लेन के कैप्टन को घटनास्थल से जिंदा निकाला गया है। कैप्टन का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे का शिकार हुए विमान के बारे में सामने आया है कि ये 21 साल पुराना था। नेपाल ने इसे कनाडा से खरीदा था। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, सौर्य एयरलाइंस का ये विमान बुधवार सुबह नेपाल की राजधानी काठमांडू में त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट (टीआईए) पर 11 बजे दुर्घटनाग्रस्त हुआ, जब विमान में भीषण आग लग गई। बताया गया है कि उड़ान भरने के दौरान विमान रनवे पर फिसला था, जो आग लगने और हादसे की वजह बना। दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई और धुएं का गुबार आसमान में छा गया। ये प्लेन काठमांडू से पोखरा के लिए प्रस्थान कर रहा था। विमान ने ये उड़ान टेस्ट के लिए भरी थी। परीक्षण उड़ान होने की वजह से इसमें कोई नियमित यात्री नहीं था बल्कि कंपनी के ही 19 कर्मचारी बैठे थे। एयरलाइन अपने कर्मचारियों और इंजीनियरों सहित 19 लोगों को विमान से पोखरा ले जा रही थी। दुर्घटना के बाद विमान में लगी आग को बुझाने के लिए अग्निशमन कर्मियों और सुरक्षा कर्मियों की एक टीम तैनात की गई। दमकलकर्मियों और पुलिस की टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाने में कामयाबी हासिल की। रानीपोखरी में काठमांडू घाटी पुलिस कार्यालय के प्रवक्ता एसएसपी दिनेश राज मैनाली ने कहा है कि 37 वर्षीय कैप्टन मनीष शाक्य को केएमसी अस्पताल ले जाया गया। बताया जा रहा है कि शाक्य की आंख में चोट लगी है। उड़ान भरने के दौरान हादसे का शिकार हुआ विमान 21 साल पुराना है। ये विमान बॉम्बार्डियर सीआरजे-200 है, जिसमें 50 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। अप्रैल 2003 में कनाडाई कंपनी बॉम्बार्डियर से नेपाल के लिए खरीदा गया ये छठा विमान था।

ठंड के मौसम में डैंड्रफ से हैं परेशान तो इन आसान उपाय को अपनाकर पाएं छुटकारा

ठंड के मौसम में डैंड्रफ होने की समस्या आम हो जाती है। ये सिर्फ हमारे बालों को नुकसान ही नहीं पहुंचाती बल्कि शर्मिंदा भी करती है। इसे दूर करने के लिए कैमिकल युक्त शैम्पू, कंडीशनर का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय कुछ अन्य उपाय किए जाएं, तो बालों को होने वाले नुकसान से बचाया जा सकता है आइए जानते हैं कुछ टिप्स.

नारियल का तेल

नारियल का तेल रूसी के लिए एक बेहतरीन उपाय है। नहाने से पहले 4-5 चम्मच नारियल के तेल से मालिश करें और 1-2 घंटे बाद बालों को धो लें। रातभर लगाकर भी छोड़ सकते हैं। इससे डैंड्रफ में राहत मिलती है। ऐसा शैम्पू भी इस्तेमाल कर सकते है जिसमें नारियल तेल हो।

शैम्पू करने से पहले डैड्रफ को साफ करने के लिए नमक बहुत कारगर है। नमक को स्कैल्प पर डालकर हल्कें हाथों से रगड़ें इससे मृत त्वचा निकलने लगेगी। कुछ देर रगड़ने के बाद शैम्पू कर लें। आप पाएंगे कि डैंड्रफ पहले से काफी कम हो रहे है। जब भी शैम्पू करें इस प्रक्रिया को अपनाएं कुछ ही समय में डैंड्रफ से काफी हद तक छुटकारा मिल जाएगा।

नींबू का रस

दो चम्मच नींबू के रस को अपने बालों के स्कैल्प पर रगड़कर इससे अच्छी तरह से मालिश करें। फिर एक कप पानी में एक नींबू का रस मिलाएं अब इस पानी से अपने बालों को साफ करें। ऐसा आप हफ्ते में 3 बार करें।

नारियल और नींबू का रस

नारियल के तेल में एक चम्मच नींबू का रस डालकर इन्हें हल्का गर्म कर लें। अब इस तेल से अपने बालों की मसाज करें। फिर शैम्पू से अपने बालों को धो लें। ये प्रक्रिया आप हफ्ते में कम से कम 2 बार जरूर करें।

कामकाजी महिलाओं को हमेशा रखना चाहिए इन बातों का ध्यान

शादी के बाद एक लड़की को अपने पति से ही नहीं बल्कि अपनी सास-ससुर से भी अच्छा तालमेल बनाने की जरूरत है। लेकिन तब क्या हो जब आप घर और ऑफिस की जिम्मेदारियों के चलते बिल्कुल भी समय नहीं निकाल पा रही हों।

वो जमाना गया जब महिलाएं घर की चार दीवारी में रहकर ही अपना पूरा जीवन काट देती थीं। आज की महिलाएं न केवल अपने अधिकारों को लेकर स्वतंत्र हैं बल्कि पुरुषों की तरह घर से बाहर निकल अपनी एक अलग पहचान बनाने में भी कामयाब हो रही हैं। हां, वो बात अलग है कि लाख-पढ़ी लिखी होने के बाद भी लड़कियों को ससुराल जैसी पारंपरिक भूमिकाओं से गुजरना पड़ता है, जिसके लिए उन्हें न केवल अपने पति के दिल में जगह बनानी होती है बल्कि अपने सास-ससुर संग एक अच्छे रिश्ते की शुरूआत करना भी उन्हीं की जिम्मेदारी में से एक है। लेकिन सबसे ज्यादा दिक्कत कामकाजी महिलाओं के साथ है, जिन्हें हर पल इस बात की चिंता सताती रहती है कि घर और ऑफिस के बीच क्या वह अपनी संतुलन भूमिकाएं निभा भी पाएंगी या नहीं?

खैर, हम इस तर्क-वितर्क से किसी नतीजे पर पहुंचें उससे पहले आपको बता दें कि जहां कुछ महिलाओं ने एक संयुक्त परिवार में रहने के कई दोष बताएं हैं तो वहीं इसके विपरीत कई कामकाजी महिलाओं का ऐसा कहना है कि एक संयुक्त परिवार में रहना आपके लिए एक मजबूत समर्थन बन सकता है बशर्ते आपको काम और घर के बीच बैलेंस बनाना आता हो। ऐसे में अगर आप भी चाहती हैं कि कम समय में ही आप सभी की लाडली बन जाए तो आपको इन बातों का हमेशा ध्यान रखें।

काम के साथ घर को भी प्राथमिकता

हम इस बात को अच्छे से समझते हैं कि एक लड़की के लिए उसका करियर कितना महत्व रखता है लेकिन शादी के बाद आपको यह भी समझना चाहिए कि अब आप अकेले नहीं है आपका अपना एक परिवार है, जिसके हिसाब से भी अब आपको चीजों को मैनेज करना होगा। शादी से पहले जहां घंटों-घंटों आप ऑफिस में काम करती थीं तो वहीं अब आपको अपने परिवार के लिए भी समय निकालना होगा साथ ही साथ घर खर्च के हिसाब से लेकर पार्टनर के माता-पिता की देखरेख करने तक आपको कई बातों को भी ध्यान रखना होगा।

सुनें और समझें

अगर आप वाकई में चाहती हैं कि आप काम के साथ-साथ अपने परिवार की भी लाडली बनी रहीं तो सबसे पहले बातों को सुनने और समझने की आदत डालें। ऐसा करने से न केवल आप अपने सास-ससुर के मन की बातों को जान पाएंगी बल्कि वह भी आपके काम के महत्व को समझेंगे। यही नहीं, अपने परिवार के हर सदस्यों को जानने की कोशिश करें। यही नहीं, साथ ही साथ उन्हें यह भी बताएं कि घर की जिम्मेदारी को निभाने में आपके लिया क्या संभव है और क्या नहीं।

पति से हो खुलकर बातचीत

किसी ने ठीक ही कहा है कि सबसे अच्छी शादी वह होती है जिसमें पति-पत्नी एक-दूसरे के सबसे अच्छे दोस्त हों। अपने सबसे अच्छे दोस्त के साथ प्यार करने से बेहतर कुछ भी नहीं है। ऐसे में कोशिश करें कि आप और आपके पति के बीच एक स्वस्थ दोस्ती का रिश्ता हो। इसके बाद आपको अपनी शादीशुदा जिंदगी में खुद फर्क समझ आ जाएगा। वह न केवल आपको समझेंगे बल्कि आपको घर-परिवार की जिम्मेदारी का एहसास होगा।

पहली मुलाकात में जानें एक-दूसरे को

जब भी कपल्स एक-दूसरे से मिलने के बारे में सोचते हैं, तो सबसे पहले जेहन में ये बात जरूर आती है कि आखिर पहली मुलाकात में हम बात क्या करेंगे? यही सवाल हमें परेशान करता रहता है और वैसे भी पहली-पहली मुलाकात तो बहुत खास होती है, जो हमेशा याद रहती है।

लेकिन इस मुलाकात में हम एक-दूसरे से बात ही न कर पाएं या यूं कहें कि उस समय क्या बात करें? ये समझ ही न आए तो क्या करें? क्योंकि हमने आमतौर पर देखा है कि हमारे मन में बातें तो ढेरों रहती हैं, लेकिन पहली मुलाकात पर वे बातें जुबान पर आ ही नहीं पातीं और हम शांत बैठे रह जाते हैं। और यहां-वहां देखकर बस यही सोचते रह जाते हैं कि बातें करें तो क्या? आखिर क्या बातें फर्स्ट मीटिंग में करें? कैसे बातों से एक-दूसरे को समझने में आसानी हो सकती है? ऐसी कौन सी बातें हैं, जो आपके पार्टनर को बोर नहीं होने देंगी? आइए जानते हैं।

जब भी किसी के साथ पहली मुलाकात के लिए जाएं तो बातों की शुरुआत आप उनके प्रोफेशन से कर सकते हैं, क्योंकि अधिकतर लोगों को इसमें इंट्रेस्ट जरूर आता है। चाहे प्रोफेशन के बारे में गॉसिप अच्छी हो या बुरी, इस बारे में बात करना लोग काफी पसंद करते हैं। पार्टनर के फेवरेट एक्टर या एक्ट्रेस के बारे में आप पूछ सकते हैं या अभी रिसेंट उन्होंने कौन सी मूवी देखी है? इस बारे में भी आप बात कर सकते हैं। तारीफ किसको पसंद नहीं आती? जनाब तो कॉम्लीमेंट करना बिलकुल भी न भूलें। उन्हें नोटिस करें और उनकी तारीफ कीजिए। आप उनके ड्रेसिंग सेंस की तारीफ कर सकते हैं। दोस्तों के बारे में बात करें, क्योंकि लड़का हो या लड़की- सभी को अपने दोस्तों के बारे में बात करना पसंद आता है। तो आप पूछ सकते हैं कि आपके फ्रेंड्स कैसे हैं? किस फ्रेंड्स से अपनी बातें शेयर करते हैं? इस तरह की बातें आपकी मुलाकात को और इंट्रेस्टिंग बनाएंगी। वीकेंड के बारे में पूछें कि उनके इस वीकेंड क्या प्लान हैं? यदि कोई प्लान नहीं हैं, तो आप प्लान कर सकते हैं जिससे कि एक-दूसरे को अच्छे से समझने के लिए और समय मिल सके। अगर बातें बोरिंग हो रही हैं तो आप हंसी-मजाक कर सकते हैं कि उनके साथ ऐसा वाकया कब हुआ, जब उनकी हंसी रुक ही नहीं रही थी। ऐसी कोई फनी बात, जो आपके साथ हुई हो तो वह बात भी आप उनसे शेयर कर सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-4-8-9

काकुरो पहेली - 3099

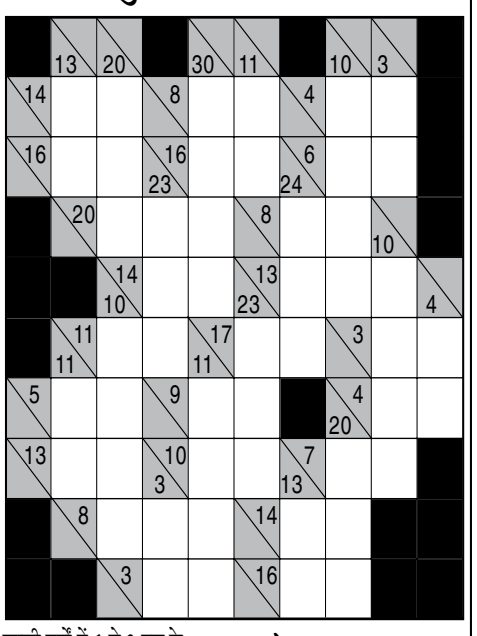

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

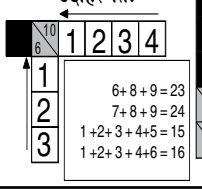

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3098 का हल

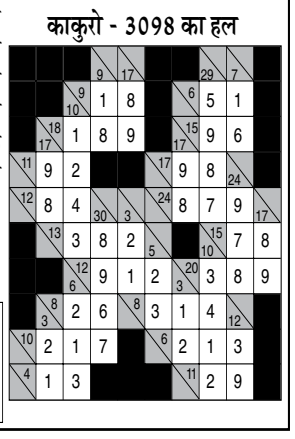

हंसी के फूव्वारें

दारोगा (रमेश से)- जब तुम्हारे यहां चोरी हुई, उस समय कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- हम पर चार लट्ठ और हमारे भाई पर दो लट्ठ बजे थे.

दारोगा (रमेश से)- अरे मै घड़ी का पूछ रहा हूं उसमे कितना बजा था?

रमेश (दारोगा से)- साहब घड़ी तो एक ही लट्ठ बजने पर टूट गई.

□ □ □

महेश (संजय से) - मुझे खुशी इस बात की है कि मेरा बॉस एक डॉक्टर है.

संजय (महेश से) - ऐसी क्या खासियत है आपके बॉस में?

महेश (संजय से) - मैं थोड़ा भी बीमार पड़ता हूं, तो वह मुझे फौरन बेड रेस्ट की सलाह दे देता है.

□ □ □

दो मूर्ख वार्तालाप कर रहे थे.

पहला बोला- 'यदि वृक्ष पर हाथी चढ़ जाए और वहां से नीचे उतरना चाहे तो उसे क्या करना चाहिए?'

दूसरा मूर्ख बोला- 'हाथी को वृक्ष की टहनी पर बैठकर पतझड़ के आने की प्रतीक्षा करनी चाहिए.'

□ □ □

राम (मोहन से)- क्या कर रहे हो?

मोहन- दोस्त को पत्र लिख रहा हूं.

राम- लेकिन तुम्हें लिखना नहीं आता.

मोहन (राम से)- तो मेरे दोस्त को कौन सा पढ़ना आता है.

फिल्म वर्ग पहेली - 3099

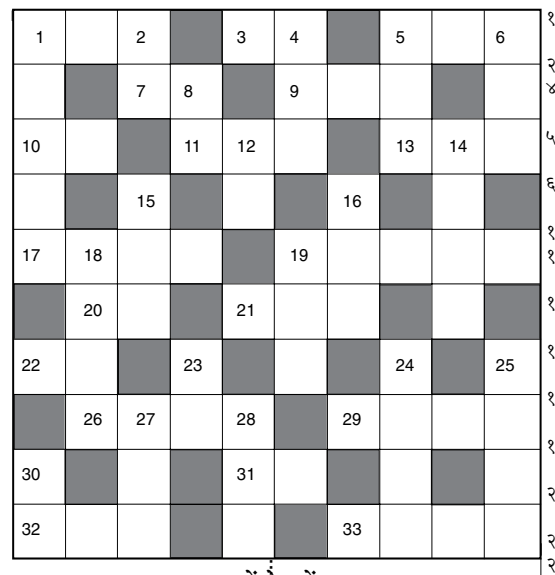

बायें से दायें:-

१. 'तुम बिन जीवन कैसे' गीतवाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
३. सनीदेओल, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा' गीत वाली फिल्म-२
५. अमिताभ, मौसमी की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-३
७. फिल्म 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था-२
९. सनीदेओल, जयाप्रदा की 'चूड़े वाली छमिया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'हम तो तंबू में बंबू' गीत वाली अमिताभ, अमृता सिंह की फिल्म-२
११. फिल्म 'गॉड मदर' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-३
१३. फिल्म 'अनमोल मोती' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-३
१७. अमिताभ बच्चन, ऋषिकपूर, राखी, वहीदा, नसीम की 'प्यार कर लिया तो क्या' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'खुश रहो हर खुशी है' गीत वाली जीतेंद्र, राजश्री की फिल्म-५
२०. राजेंद्रकुमार, मालासिन्हा की 'बॉसुरी बजाय के' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'मेरे बिछड़े साथी' गीत वाली सुनीलदत्त, आशापारेख की फिल्म-३
२२. राजेश, सुलक्षणा की 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'जब जब बहार आई' गीत वाली भारत भूषण, शालिनी की फिल्म-४
२९. सनी देओल, अनिल कपूर, किमी काटकर की 'गली से मेरा यार गुजरा' गीत वाली फिल्म-४
३१. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी-२
३२. 'मेरे दिल में मची है तबाही' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'माँ तुझे सलाम' में अलबक्श की भूमिका किसने की है-४

ऊपर से नीचे:-

१. मेघना गुलजार की फिल्म 'फिलहाल' के संगीत निर्देशक-२,३
२. फिल्म 'साया' की नायिका कौन है-२
४. फिल्म 'स्टम्प्ड' की निर्मात्री एवं नायिका कौन हैं-३
५. 'तेरी तसवीर मिल गई' गीत वाली सनी, अमृता सिंह की फिल्म-३
६. धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की 'छुपा लो यूँ दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म-२
१४. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार के साथ नायिका कौन थी-२,२
१५. विकास भल्ला, का काजोल की 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'ओ नाम रे सबसे' गीत वाली अमिताभ, शशि, रेखा की फिल्म-३
१८. अशोक कुमार, मीना की 'दिल जो ना कह सका' गीत वाली फिल्म-२,२
१९. 'क्या हुआ अरे' गीत वाली संजीव कुमार, परीक्षित, शबाना की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, सायरा बानो की 'आज की रात नया चाँद' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'गोरी तेरा गाँव बड़ा' गीत वाली फिल्म-४
२५. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'प्यार कर इकरार' गीत वाली फिल्म-४
२७. फिल्म 'तलाश' में अक्षय के साथ नायिका कौन है-३
२८. 'अंखियाँ मिलाके जिया भरमाके' गीत वाली स्वर्णलता की एक हिट फिल्म-३
३०. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3098

सूडोकु -3099

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3098 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 3099

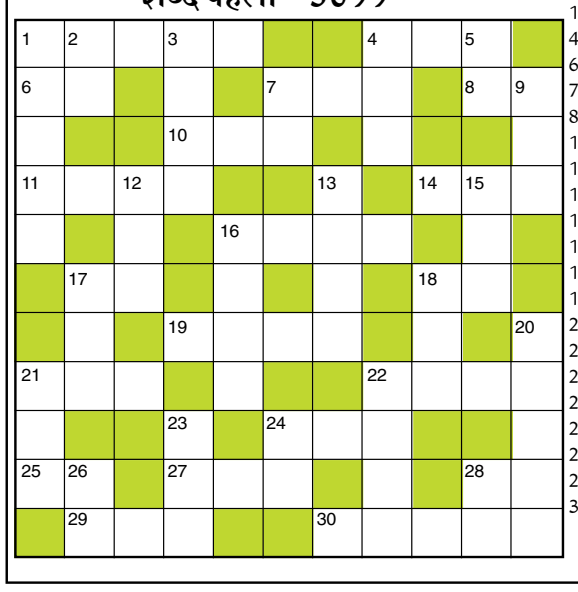

बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -3098 का हल

हार्दिक पंड्या कप्तानी के दावेदार बने तो इसके पीछे आशीष नेहरा बड़ी वजह थे

हार्दिक पंड्या कप्तानी के दावेदार बने तो इसके पीछे आशीष नेहरा बड़ी वजह थे। नेहरा ही वह कोच थे, जिनके मार्गदर्शन में गुजरात टाइटंस अपने ओपनिंग सीजन में चैंपियन बनी और दूसरे सीजन में रनरअप रही।

नई दिल्लीः भारत के पूर्व तेज गेंदबाज और गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा ने कहा कि वह हार्दिक पंड्या को नया टी20 कप्तान न बनाने के भारतीय टीम मैनेजमेंट के फैसले से हैरान नहीं हैं। नेहरा ने कहा कि वह सूर्यकुमार यादव को नया टी20 कप्तान चुनने में मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और नवनियुक्त कोच गौतम गंभीर की सोच को समझते हैं। 2023 में टी20 में भारत का नेतृत्व करने वाले हार्दिक पंड्या जून में यूएसए और वेस्टइंडीज में विजयी विश्व कप अभियान में रोहित शर्मा के डिप्टी थे।

रोहित के टी20 प्रारूप से संन्यास लेने के बाद हार्दिक को टी20 कप्तान के रूप में उनकी जगह लेने की उम्मीद थी, लेकिन बीसीसीआई ने श्रीलंका में आगामी तीन मैचों की श्रृंखला के लिए सूर्यकुमार को नया टी20 कप्तान घोषित किया। अजीत अगरकर ने सोमवार को प्रेस से बात करते हुए कहा कि टीम मैनेजमेंट चाहता था कि हार्दिक पंड्या अपनी फिटनेस पर ध्यान दें और उन्होंने सूर्यकुमार को अपनी नई भूमिका में चमकने का समर्थन किया। पूर्व तेज गेंदबाज ने हार्दिक की बार-बार होने वाली चोटों की ओर इशारा किया, जिसके कारण उन्हें पिछले चार से पांच वर्षों में अक्सर बाहर बैठना पड़ा है। गौतम गंभीर के साथ बैठे हार्दिक पंड्या तो कप्तान सूर्या कहां थे? मैदान पर इन 3 प्लेयर्स पर खास फोकस नेहरा ने स्पोर्ट्स तक से कहा- नहीं, मैं हैरान नहीं हूं। जब क्रिकेट की बात आती है, तो ये चीजें होती रहती हैं। हां, हार्दिक पंड्या विश्व कप में उप-कप्तान थे, लेकिन साथ ही, एक नया कोच भी आया है। हर कोच और हर कप्तान के विचार अलग-अलग होते हैं। इस समय उनके (गंभीर के) विचार उसी दिशा में हैं। मुझे लगता है कि अजीत अगरकर और गौतम गंभीर ने यह स्पष्ट कर दिया है, यह अच्छा है। वह वनडे भी कम ही खेल रहे हैं। हार्दिक पंड्या सफेद गेंद वाले क्रिकेट में भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत-बहुत महत्वपूर्ण खिलाड़ी बने रहेंगे। उन्होंने आगे कहा- जब आपके पास वह होता है, तो आपके पास 4 तेज गेंदबाज हो सकते हैं। वह टीम में एक अलग संतुलन लाता है और ध्यान रखें, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कोई प्रभावशाली खिलाड़ी नहीं होता है। केवल हार्दिक पंड्या ही नहीं, बल्कि जब आपके पास इतने सारे मैच होते हैं, तो बदलाव होते हैं। उन्होंने कहा- यहां तक कि ऋषभ पंत ने भी कप्तानी की है, केएल राहुल ने भी कप्तानी की है।

पेरिस ओलिंपिक 2024 में भारतीय शूटिंग टीम पहले ही इवेंट में हिस्सा लेगी

पेरिस ओलिंपिक 2024 में भारतीय शूटिंग टीम पहले ही इवेंट में हिस्सा लेगी। इस बार के ओलिंपिक में भारत की तरफ से सबसे बड़ा दल भेजा गया है। ऐसे में पूर्व कॉमनवेल्थ मेडलिस्ट मुराद अली का मानना है कि भारतीय टीम ने अगर खेल के महाकुंभ में बेहतर करना है तो उसे दमदार आगाज करना होगा।

पेरिसः ओलिंपिक 2024 के शुरू होने में अब सिर्फ दो दिन का समय रह गया है। टोक्यो ओलिंपिक में भारतीय दल ने कुल 7 मेडल जीते थे, लेकिन इस बार उम्मीद है कि संख्या इससे आगे जा सकती है। खास तौर से शूटिंग में भारतीय टीम कमाल कर सकती है। शूटिंग में मेडल की उम्मीदों को लेकर पूर्व कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित मुराद अली खान ने कहा कि हर भारतीय की तरह मुझे भी पूरी उम्मीद है कि हमारे शूटर अच्छा करेंगे। मेरा आकलन है कि हम कम से कम तीन मेडल जीत सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं किसी एक का नाम नहीं लूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि जो भी भारतीय शूटर ओलिंपिक में गया है वह मेडल का दावेदार है। अगर अव्वल आने के लिए 10 पर निशाना लगाना है तो हमारे हर शूटर में वह माद्दा है कि वह परफेक्ट स्कोर कर सके। बात सिर्फ इतनी होती है कि ओलिंपिक में हरेक शूटर का मुकाबला जब होता है वह दिन उसका कैसा जाता है। अगर उस दिन आपने अपना बेस्ट दे दिया तो फिर मेडल जीतने से कोई नहीं रोक सकता।' **दवाब को झेलनारहा है शूटरों के लिए चुनौती** शूटिंग में चुनौतियों को लेकर मुराद अली ने कहा, 'शूटिंग एक ऐसा खेल है जहां आप अपनी भावनाएं खुलकर व्यक्त नहीं कर सकते। आप दूसरे तमाम खेलों में उछलकर, मुट्ठी भींचकर, चिल्लाकर अपनी खुशी या निराशा जाहिर कर सकते हैं। शूटिंग में इसका कोई स्कोप ही नहीं है। आप एक क्षण के लिए भी अपने टारगेट से फोकस नहीं हटा सकता। शूटर को अपनी भावनाओं को जब्त करके रखना होता है। ऐसा उसे लंबे समय तक करना होता है। उन्होंने कहा, 'जैसे अगर किसी ऐथलीट को 100 मीटर फाइनल दौड़ना है तो इतनी दूरी के बाद उसका मुकाबला खत्म हो जाता है। उसको अपनी पूरी ऊर्जा और फोकस उस एक सौ मीटर के दौरान ही लगाना होता है। शूटिंग में अगर खिलाड़ी को 40 शॉट्स लगाने हैं तो उसको 40 बार उसी तरह की ऊर्जा और फोकस की जरूरत होती है। प्रेशर सारे शूटर्स पर होता है, लेकिन हम भारतीय स्वभाव से थोड़े ज्यादा संवेदनशील होते हैं। कई बार इसका फर्क पड़ता है।हाल फिलहाल भारतीय शूटर्स को मेंटल कंडिशनिंग कोच की सेवाएं मिली हैं। हमारे शूटर्स को इसका फायदा होना चाहिए। हालांकि, यहां कोई ऐसा कैप्सूल नहीं होता कि खाने से आपकी सोचने की प्रक्रिया तुरंत बदल जाएगी। यह एक लंबी प्रक्रिया है जिसका परिणाम आने में समय लगता है।'

पेरिस ओलिंपिक में दिल्ली यूनिवर्सिटी के 9 स्टूडेंट्स भी लहराएंगे परचम, 5 तो हैं मेडल के बड़े दावेदार

पेरिस ओलिंपिक में भारतीय धुरंधर अपने प्रदर्शन का लोहा मनवाने के लिए तैयार हैं। लिस्ट में देश की राजधानी दिल्ली में स्थिति विश्व प्रसिद्ध दिल्ली यूनिवर्सिटी के भी 9 स्टूडेंट्स शामिल हैं। इसमें से 5 तो मेडल के दावेदार भी हैं।

नई दिल्लीः पेरिस ओलिंपिक में इस बार भारत की ओर से डीयू के 9 स्टूडेंट्स भी परचम लहराएंगे। इनमें दो वर्तमान स्टूडेंट्स हैं, जबकि अन्य सात पूर्व में डीयू के स्टूडेंट रहे हैं। इन 9 में से 6 स्टूडेंट्स शूटिंग में हिस्सा ले रहे हैं। डीयू के वाइस चांसलर प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि इन 9 स्टूडेंट्स में 6 शूटिंग में, एक एथलेटिक्स और एक टेबल टेनिस में भाग ले रहे हैं। इसके साथ ही एक डीयू के पूर्व स्टूडेंट शूटिंग कोच के तौर पर भी ओलिंपिक में भागीदारी करने जा रहे हैं। उन्होंने इन सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि खिलाड़ी सराहनीय प्रदर्शन करते हुए देश के लिए मेडल जीतेंगे।

वाइस चांसलर ने बताया कि 2020 के तोक्यो ओलिंपिक में डीयू के चार स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया था। इस बार खिलाड़ियों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। डीयू के स्पोर्ट्स डायरेक्टर डॉ. अनिल कुमार कलकल ने बताया कि इस बार भाग लेने वाले 9 खिलाड़ियों में 3 खिलाड़ी मनु भाकर, अमोज जैकब और मनिका बत्रा 2020 के तोक्यो ओलिंपिक में भी हिस्सा ले चुके हैं। इस बार ओलिंपिक का आयोजन 26 जुलाई से 11 अगस्त तक फ्रांस की राजधानी पेरिस में हो रहा है। इसमें भारत की ओर से कुल 117 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। **शूटिंग में आधे से ज्यादा महिला खिलाड़ी DU से** डीयू के वाइस चांसलर प्रो. योगेश सिंह ने बताया कि इस बार ओलिंपिक में शूटिंग प्रतियोगिता में भारत से कुल 21 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें से 11 महिला खिलाड़ी हैं और इन 11 महिला खिलाड़ियों में से 6 डीयू की छात्राएं हैं। टेबल टेनिस में भारतीय दल के कुल 8 खिलाड़ियों में से 4 महिला खिलाड़ी हैं, जिनमें से एक डीयू से हैं। **DU के दो वर्तमान, 7 पूर्व स्टूडेंट्स जा रहे हैं ओलिंपिक**

डीयू के स्पोर्ट्स डायरेक्टर डॉ. अनिल कुमार कलकल ने बताया कि शूटिंग में भाग लेने वाली रमिता जिंदल वर्तमान में हंसराज कॉलेज की बी.कॉम (ऑनर्स) थर्ड ईयर की छात्रा हैं। रिदम सांगवान वर्तमान में लेडी श्री राम कॉलेज की इंग्लिश (ऑनर्स) सेकंड ईयर की छात्रा हैं। इनके अलावा पूर्व स्टूडेंट्स में श्रेयसी सिंह ने हंसराज कॉलेज से 2012 में बीए पास किया है। मनु भाकर ने लेडी श्री राम कॉलेज से 2022 में पॉलिटिकल साइंस (ऑनर्स) किया है। महेश्वरी चौहान ने लेडी श्री राम कॉलेज से 2017 में फिलॉसफी (ऑनर्स) किया है और राजेश्वरी कुमारी 2010 में श्री वेंकटेश्वर कॉलेज की बीए की छात्रा रही हैं। डॉ. अनिल कुमार कलकल ने बताया कि टेबल टेनिस में भाग लेने वाली मनिका बत्रा 2016 में जीसस एंड मैरी कॉलेज की सोशियोलॉजी (ऑनर्स) प्रोग्राम की छात्रा रही हैं।

बॉलीवुड हीरोइन से कम नहीं ललित यादव की होने वाली दुल्हनियां, फिल्मी स्टाइल में की इंगेजमेंट

दिल्ली कैपिटल्स के लिए इंडियन प्रीमियर लीग में खेलने वाले ऑलराउंडर ललित यादव ने इंगेजमेंट कर लिया है। उनकी होने वाली दुल्हनियां का नाम मुस्कान यादव है। ललित ने बिल्कुल फिल्मी स्टाइल में अपनी होने वाली जीवन साथी को को रिंग पहनाया।

दिल्ली कैपिटल्स के स्टार खिलाड़ी ललित यादव ने पिछले सप्ताह 14 जुलाई को अपनी गर्लफ्रेंड मुस्कान यादव को शादी के लिए फिल्मी स्टाइल में प्रपोज किया। दिल्ली का यह खिलाड़ी जल्द ही शादी के बंधन में बंधने वाले हैं। दिल्ली कैपिटल्स के स्टार ललित यादव इंगेजमेंट के लिए अपनी मंगेतर मुस्कान के साथ फिल्मी स्टाइल में ग्रैंड एंट्री की। इस दोनों एक दूसरे को सिर्फ निहारते रह गए। दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले ललित यादव इंगेजमेंट के बाद जल्द ही शादी के बंधन में भी बंधेंगे। अपनी मंगेतर के साथ इंगेजमेंट के बाद ललित बहुत ही खुश दिख रहे थे। ललित यादव की होने वाली दुल्हनियां बेहद ही खूबसूरत हैं। हालांकि, मुस्कान के बारे में कहीं भी बहुत अधिक जानकारी है कि वह क्या करती हैं और ललित से उनकी मुलाकात कैसे हुई। ललित यादव ने भी अपने होने वाली जीवन साथी के लिए फिल्मी अंदाज में घुटने पर बैठकर प्रपोज किया। ललित यादव के फैंस उनके इस अंदाज को खूब पसंद कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ी सूर्यकुमार यादव ने अपनी शादी की सालगिरह पर कुछ रोमांटिक तस्वीरें शेयर की है। सूर्यकुमार यादव ने 7 जुलाई 2016 को अपनी कॉलेज की दोस्त देविशा शेट्टी से शादी रचाई थी। देविशा अब उनकी मैनेजर के तौर भी काम करती हैं। सूर्या का प्यार यूं ही चमकता रहे... शादी की सालगिरह पर रोमांटिक हुए मिस्टर 360 डिग्री भारतीय क्रिकेट टीम के सुपरस्टार सूर्यकुमार यादव ने अपनी शादी की सालगिरह पर वाइफ के लिए रोमांटिक पोस्ट शेयर किया है। सूर्यकुमार के शादी को 8 साल पूरे हो चुके हैं। इस मौके पर उन्होंने वाइफ के प्यार भरा सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है। शादी के 8 साल हुए पूरे सूर्यकुमार यादव ने 7 जुलाई 2016 को देविशा शेट्टी के साथ शादी रचाई थी। दोनों की शादी के 8 साल पूरे हो चुके हैं। कॉलेज में हुई सूर्या की देविशा से पहली मुलाकात सूर्यकुमार यादव और देविशा की लव स्टोरी कॉलेज में शुरू हुई थी। सूर्यकुमार यादव ने अपने एक दोस्त से देविशा से बात कराने के लिए अप्रोच किया था। सोशल मीडिया पर हुई पहली बातचीत सूर्यकुमार यादव और देविशा की पहली बातचीत ब्लैकबेरी फोन ते मैसेजिंग एप ब्लैकबेरी पर हुई थी, लेकिन सूर्यकुमार देविशा के रिप्लाई से खुश नहीं थे। शादी के सूर्यकुमार की मैनेजर बन गई हैं देविशा देविशा ने सूर्यकुमार से उस समय शादी की थी जब वह टीम इंडिया के लिए अपना डेब्यू नहीं किए थे। आज वह सूर्यकुमार यादव की मैनेजर बन चुकी हैं। टीम इंडिया ने जीत ली दुनिया, आधी रात भारत में मन रही जश्न की दिवाली, ये तस्वीरें खुश कर देंगी

गुजरात टाइटंस को लगने वाला है एक बड़ा झटका, चैंपियन कप्तान के बाद अब कोच भी छोड़ेंगे टीम का साथ

इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के अपने डेब्यू सीजन में ही खिताबी जीत हासिल करने वाली गुजरात टाइटंस के मुख्य कोच आशीष नेहरा टीम का साथ छोड़ सकते हैं। नेहरा डेब्यू सीजन से ही गुजरात टाइटंस के साथ जुड़े हैं। वहीं खबर ये आर रही है कि युवराज सिंह टीम के नए कोच बनेंगे।

नई दिल्लीः इंडियन प्रीमियर लीग के चैंपियन कोच आशीष नेहरा गुजरात टाइटंस को बड़ा झटका देने की तैयारी में हैं। माना जा रहा है कि नेहरा आगामी आईपीएल में सीजन से पहले टीम का साथ छोड़ सकते हैं। उनके साथ-साथ विक्रम सोलंकी भी टीम से अलग होने की तैयारी में है। आशीष नेहरा और विक्रम सोलंकी दोनों गुजरात के साथ डेब्यू सीजन से ही टीम के साथ है। गुजरात ने आईपीएल के अपने पहले ही सीजन में खिताबी जीत हासिल कर सबको चौंका दिया था। इस कामयाबी के पीछे टीम के मुख्य कोच आशीष नेहरा का अहम योगदान रहा था। ऐसे में अगर नेहरा टीम का साथ छोड़ते हैं तो यह गुजरात के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं होगा है। नेहरा से पहले टीम के पूर्व कप्तान हार्दिक पंड्या भी इस टीम से अलग हो गए थे। इसके कारण आईपीएल के 17 वें सीजन में गुजरात का प्रदर्शन काफी खराब रहा था। **युवराज सिंह की हो सकती है टीम में एंट्री**

आशीष नेहरा के गुजरात टाइटंस से हटने के बाद यह कहा जा रहा है कि भारत के पूर्व धाकड़ खिलाड़ी युवराज सिंह गुजरात टाइटंस के नए मुख्य कोच बन सकते हैं। नेहरा के विकल्प के तौर पर युवराज सिंह का भी आना भी टीम के लिए बेहतर साबित हो सकता है, लेकिन नए कोचिंग स्टाफ के साथ खिलाड़ियों के बीच संतुलन में समय लग सकता है।

अब नहीं चलेगी बहानेबाजी, वर्कलोड के नाम पर छुट्टियां बंद, गंभीर-अगरकर की जोड़ी पड़ेगी दिग्गजों पर भारी! बता दें कि युवराज सिंह अपने समय के सबसे धाकड़ खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने टीम इंडिया को टी20 विश्व कप 2007 और वनडे विश्व कप 2011 को जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे में उम्मीद की जा सकती है कि युवराज अपने कोचिंग करियर में भी कमाल दिखाएंगे। शुभमन के साथ बनेगी युवी जुगलबंदी

पेरिस ओलिंपिक के पहले ही दिन मेडल दांव पर, भारतीय शूटरों को करना होगा दमदार आगाज

पेरिस ओलिंपिक 2024 में भारतीय शूटिंग टीम पहले ही इवेंट में हिस्सा लेगी। इस बार के ओलिंपिक में भारत की तरफ से सबसे बड़ा दल भेजा गया है। ऐसे में पूर्व कॉमनवेल्थ मेडलिस्ट मुराद अली का मानना है कि भारतीय टीम ने अगर खेल के महाकुंभ में बेहतर करना है तो उसे दमदार आगाज करना होगा।

पेरिसः ओलिंपिक 2024 के शुरू होने में अब सिर्फ दो दिन का समय रह गया है। टोक्यो ओलिंपिक में भारतीय दल ने कुल 7 मेडल जीते थे, लेकिन इस बार उम्मीद है कि संख्या इससे आगे जा सकती है। खास तौर से शूटिंग में भारतीय टीम कमाल कर सकती है। शूटिंग में मेडल की उम्मीदों को लेकर पूर्व कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट और अर्जुन अवॉर्ड से सम्मानित मुराद अली खान ने कहा कि हर भारतीय की तरह मुझे भी पूरी उम्मीद है कि हमारे शूटर अच्छा करेंगे। मेरा आकलन है कि हम कम से कम तीन मेडल जीत सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं किसी एक का नाम नहीं लूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि जो भी भारतीय शूटर ओलिंपिक में गया है वह मेडल का दावेदार है। अगर अव्वल आने के लिए 10 पर निशाना लगाना है तो हमारे हर शूटर में वह माद्दा है कि वह परफेक्ट स्कोर कर सके। बात सिर्फ इतनी होती है कि ओलिंपिक में हरेक शूटर का मुकाबला जब होता है वह दिन उसका कैसा जाता है। अगर उस दिन आपने अपना बेस्ट दे दिया तो फिर मेडल जीतने से कोई नहीं रोक सकता।' **दवाब को झेलनारहा है शूटरों के लिए चुनौती** शूटिंग में चुनौतियों को लेकर मुराद अली ने कहा, 'शूटिंग एक ऐसा खेल है जहां आप अपनी भावनाएं खुलकर व्यक्त नहीं कर सकते। आप दूसरे तमाम खेलों में उछलकर, मुट्ठी भींचकर, चिल्लाकर अपनी खुशी या निराशा जाहिर कर सकते हैं। शूटिंग में इसका कोई स्कोप ही नहीं है। आप एक क्षण के लिए भी अपने टारगेट से फोकस नहीं हटा सकता। शूटर को अपनी भावनाओं को जब्त करके रखना होता है। ऐसा उसे लंबे समय तक करना होता है। उसको अपनी पूरी ऊर्जा और फोकस उस एक सौ मीटर के दौरान ही लगाना होता है। शूटिंग में अगर खिलाड़ी को 40 शॉट्स लगाने हैं तो उसको 40 बार उसी तरह की ऊर्जा और फोकस की जरूरत होती है। प्रेशर सारे शूटर्स पर होता है, लेकिन हम भारतीय स्वभाव से थोड़े ज्यादा संवेदनशील होते हैं।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0536 एवं 1272 खलकूटवा टावू रोड पुलिस स्टेशन रांची में मिलाप जनरल स्टोर मिनू चौक रांची 834002 से प्रकाशित
प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फो नं .651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670